रांची, शुक्रवार
16.01.2026
वर्ष : 11, अंक : 47 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

वैश्विक मंच पर क्रिटिकल मिनरल्स का पॉवर हब बनने को तैयार झारखण्ड

दावोस यात्रा संसाधन-समृद्ध क्षेत्र की वास्तविक परिभाषा को फिर से परिभाषित करने पर केंद्रित

दुनिया झारखण्ड के दीर्घकालिक निवेश के रोडमैप को देखेगी

बिभा संवाददाता

रांची : झारखण्ड राज्य बनने के 25 वर्ष पूरे कर विजन 2050 की ओर अपने क्रिटिकल मिनरल्स के साथ आगे बढ़ रहा है, जो न सिर्फ भारत के आर्थिक उत्थान को गति देगा बल्कि वैश्विक आर्थिक आयामों में भी सहायक होगा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में झारखण्ड के लिए इस बात को विश्व आर्थिक मंच तक ले जाना निवेश से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह संसाधन-समृद्ध क्षेत्र की वास्तविक परिभाषा को फिर से परिभाषित करने के बारे में है। झारखण्ड दुनिया को संदेश देगा कि खनिज संपदा, प्रौद्योगिकी, नीति सुधार और पर्यावरण सुरक्षा के साथ समावेशी विकास तथा रोजगार सृजन के लिए संसाधन समृद्ध क्षेत्र वाहक बन सकता है।

झारखण्ड के खनिज विश्व के ऊर्जा परिवर्तन का केंद्र

झारखण्ड की मिट्टी में मौजूद खनिजों को अब विश्व के ऊर्जा परिवर्तन के केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। ये वही क्रिटिकल मिनरल्स हैं जो सौर ऊर्जा, पवन चक्कियों, बैटरी उत्पादन, हाइड्रोजन गैस से संबंधित उद्योगों, इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और स्मार्ट ग्रिड के विकास में सहायक हैं। जैसे-जैसे दुनिया इन दुर्लभ खनिजों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार आपूर्ति श्रृंखलाओं की तलाश कर रही है वैसे-वैसे झारखण्ड खुद को एक विश्वसनीय और दीर्घकालिक भागीदार के रूप में दुनिया के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए विजन 2050 के साथ आगे बढ़ रहा है। झारखण्ड अपने इस बढ़ते कदम को और मजबूती देने के लिए दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक और ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा के दौरान वैश्विक नेताओं के साथ संवाद करेगा। इस दौरान झारखण्ड अपने खनिजों के बदौलत भारत की औद्योगिक शक्ति, सौर, पवन, जल विद्युत और बायोमास जैसी ऊर्जा से संबंधित अर्थव्यवस्था में भारत के भविष्य की नींव रखने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी होने की बात से दुनिया को अवगत कराएगा। हाल ही में राज्य में स्थित विश्व स्तरीय आईआईटी आईएसएम धनबाद में क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में क्लीन-टेक को बढ़ावा देने को लेकर एक केंद्र स्थापित किया गया है।

झारखण्ड का उद्देश्य दीर्घकालिक निवेश के रोडमैप को दिखाना

झारखण्ड दावोस में वैश्विक निवेशकों, निमार्ताओं, प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अग्रणी लोगों और नीतिगत संस्थानों के समक्ष ₹प्रकृति के साथ सामंजस्य में विकास₹ की अपनी परिकल्पना प्रस्तुत करेगा। झारखण्ड बताएगा कि महत्वपूर्ण खनिजों का विकास जिम्मेदार खनन, उच्च-प्रौद्योगिकी प्रसंस्करण, मजबूत पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों और जनभागीदारी के माध्यम से होना चाहिए। भारत पैवेलियन में आयोजित नीतिगत संवादों, निवेश बैठकों एवं अन्य सत्रों के जरिय और इसके बाद यूनाइटेड किंगडम में विभिन्न हितधारकों के द्वारा झारखण्ड महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता की सम्भावना की तलाश, प्राकृतिक स्त्रोतों से उपयोगी घटकों को निकालना, ग्रीन स्टील और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में मौजूद संभावनाओं को उजागर करेगा। झारखण्ड का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारी, प्रौद्योगिकी सहयोग और दीर्घकालिक निवेश के रोडमैप को दिखाना है जो राज्य भर में सतत औद्योगिक विकास को मजबूत आधार प्रदान कर सके।

क्रिटिकल मिनरल्स के कुछ सबसे समृद्ध भंडार यहां मौजूद

एक सदी से भी अधिक समय से झारखण्ड भारत के सबसे महत्वपूर्ण खनन क्षेत्रों में से एक रहा है। राज्य में लौह अयस्क, तांबा, कोयला, बॉक्साइट, यूरेनियम, चूना पत्थर और क्रिटिकल मिनरल्स के कुछ सबसे समृद्ध भंडार मौजूद हैं। ये खनिज अब नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत गतिशीलता, एडवांस मैनुफैक्चरिंग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस टेक्नोलॉजी के लिए जरूरी हैं। इस खनिज संपदा से भारत के प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान फल-फूल रहें हैं। झारखण्ड स्थित टाटा स्टील देश का पहला इस्पात संयंत्र, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया आदि अग्रणी उद्योगों की श्रेणी में शामिल है, जिसने श्रमिक कल्याण, शहरी नियोजन और टिकाऊ संचालन के लिए वैश्विक मानक स्थापित किए हैं। दशकों से झारखण्ड सार्वजनिक और निजी उद्यमों, इंजीनियरिंग फर्मों और खनन कंपनियों के एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का केंद्र बन गया है, जिसने राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे, रेलवे से लेकर रक्षा, ऊर्जा और भारी उद्योग समेत हर क्षेत्र को सहयोग प्रदान किया है।

अबुआ दिशोम बजट होगा मजबूत और पब्लिक इंटरेस्ट का बजट : वित्त मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अबुआ दिशोम बजट 2026-27 राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह झारखंड के रजत जयंती वित्तीय वर्ष में प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य ने अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और इस अवसर पर सरकार एक मजबूत, संतुलित एवं पब्लिक इंटरेस्ट से जुडे बजट देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि बजट को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने के उद्देश्य से विशेषज्ञों, विभिन्न विभागों तथा हितधारकों से सुझाव लिए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने यह बातें गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित दो दिवसीय अबुआ दिशोम बजट 2026-27 बजट पूर्व गोष्ठी में कहीं।

वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच के अनुरूप राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया

जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र को भी आगामी बजट में विशेष महत्व दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी बजट की सफलता कंसल्टेशन, सजेशन और इम्प्लीमेंटेशन–इन तीन स्तंभों पर निर्भर करती है, तभी बजट का समुचित उपयोग संभव है।

मौके पर जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने सुझाव दिया कि बजट में 2.5 एकड़ में बने तालाबों के पुनरुद्धार, माइनर इरीगेशन और अन्य लघु परियोजनाओं पर विशेष प्रावधान करने की जरूरत है।

पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि राज्य में कई सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है। कई फ्लाइओवर बन कर तैयार हो गए हैं और कई पर काम चल रहा है। आगामी वित्तीय वर्ष में कई नई परियोजनाओं को बजट में शामिल किया जाएगा।

वहीं वित्त सह जल संसाधन सचिव प्रशांत कुमार ने कहा कि बड़े प्रोजेक्ट्स के बजाय मध्यम और व्यवहारिक परियोजनाओं पर ध्यान देना अधिक उपयोगी होगा। उन्होंने लिफ्ट इरीगेशन आधारित खेती और छोटे तालाबों के जीर्णोद्धार को बजट में शामिल करने का सुझाव दिया।

ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के श्रीनिवासन ने अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना, जेएसएलपीएस और मनरेगा के वित्तीय प्रबंधन पर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य के सभी प्रखंडों में पलाश मार्ट की स्थापना का सुझाव दिया।

गोष्ठी में कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी, पर्यटन सचिव मनोज कुमार और श्रम विभाग के सचिव जितेंद्र सिंह सहित राज्य और राज्य के बाहर से आए विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे। कृषि, सिंचाई, भंडारण क्षमता विस्तार, पशुधन विकास, डेयरी, हॉर्टिकल्चर और इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम (आईएफएस) पर विशेष चर्चा की गई। वन विभाग से जुड़े विषयों पर विमर्श के दौरान बताया गया कि राज्य का 30 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र वन क्षेत्र हैं, जिसे ग्रीन इकोलॉजिकल सिस्टम के रूप में विकसित कर ग्रीन इंवेस्टमेंट को बढ़ावा दिया जा सकता है। गोष्ठी में वित्त विशेषज्ञ हरिश्वर दयाल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने पर दिया जाएगा जोर : सुदिव्य

नगर विकास और पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि इस वर्ष के बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा ताकि राज्य में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सके और रोजगार को भी बढ़ावा मिले। साथ ही शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ किया जाएगा।

नए और नवाचारी विचारों को मिलेगा स्थान : शिल्पी नेहा तिर्की

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आगामी बजट में नए और नवाचारी विचारों को शामिल करने पर जोर दिया जाएगा। अन्य राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाने पर भी सरकार विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मिलेट्स मिशन को मड़ुवा क्रांति नाम दिया है, जिसका सकारात्मक प्रभाव किसानों में दिख रहा है। इसके तहत किसानों को 3,000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। साथ ही सिंचाई के लिए 5 एचपी सोलर आधारित वाटर पंप सेट देने की योजना है। उन्होंने केसीसी लोन में बैंक और एनजीओ की सक्रिय भागीदारी, ग्रामीण विकास, सिंचाई एवं अबुआ आवास योजना में पर्याप्त बजटीय प्रावधान पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहुंचे ज्यूरिख, विश्व आर्थिक फोरम में लेंगे हिस्सा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दावोस में हो रहे विश्व आर्थिक फोरम में शामिल होने के लिए गुरुवार को ज्यूरिख पहुंचे। वहां एयरपोर्ट पर भारतीय राजदूत मृदुल कुमार ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स में लिखा है कि राजदूत मृदुल कुमार से मिलकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। मैं प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए समावेशी विकास पर केंद्रित बैठक में झारखंड और भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं। खनिज संपदा से भरपूर झारखंड राज्य खनन, विनिर्माण, अवसंरचना और हरित ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश के व्यापक अवसर प्रदान करता है।

उल्लेखनीय है कि दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक होगी। इसका उद्देश्य निवेश की संभावनाओं से लबरेज झारखंड को एक प्रमुख निवेश का गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना है। वैश्विक उद्योग जगत के शीर्ष लोगों के साथ संवाद स्थापित करना है। राज्य के फोकस एरिया में निवेश के नए अवसरों को आगे बढ़ाना है। इस दौरान बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ निवेश के प्रस्तावों पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका झारखंड उच्च न्यायालय में खारिज

रांची। जमीन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समन वाले केस को निरस्त करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से झारखंड उच्च न्यायालय में दायर याचिका खारिज हो गई है। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीले सुनने के बाद मुख्यमंत्री की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। अधिवक्ता दीपांकर रॉय ने बताया कि अदालत ने कहा कि इस स्टेज पर केस में दखल देना उचित नहीं होगा। हालांकि अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि मुख्यमंत्री उच्च न्यायालय के इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे या नहीं।

ईडी कार्यालय में छापेमारी के खिलाफ उच्च न्यायालय पहुंची एजेंसी, सीबीआई जांच की मांग

रांची। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य पुलिस के बीच टकराव अब अदालत की चौखट तक पहुंच गया है। रांची पुलिस की ओर से ईडी कार्यालय में की गई छापेमारी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड उच्च न्यायालय में रिट याचिका दाखिल की है। इस याचिका में ईडी ने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

सड़क हादसा में पांच लोगों की मौत, एक गंभीर

बिभा संवाददाता

गुमला। भरनो में गुरूवार की अहले सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इस हादसे में मरने वालों में संजय कुमार (22), सुनील कुमार साव (38), बजरंग नायक (35), बालेश्वर साहु(60) और बलेश्वर शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धुर्वा रांची निवासी बालेश्वर साहु का तिलकुट की दुकान है। बाकी लोग वही काम करते थे। ये लोग गुरुवार सुबह

नागफेनी मेला तिलकुट बेचने के लिए पिकअप वाहन से आ रहे थे। सुबह करीब 5 बजे एनएच 23 गुमला- रांची मुख्य मार्ग पर भरनो थाना क्षेत्र के भड़गांव के समीप तेज गति से आ रहे एक हाईवा ने पीछे से पिकअप को टक्कर मार दी।छोटी पिकअप में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। जिन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया गया इनमें से बालेश्वर साहु (60) की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि पिकअप चालक का ईलाज रांची में चल रहा है। ये लोग रांची से नागफेनी (गुमला) मेला में तिलकुट बेचने के लिए आ रहें थे। पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों का रो रो के बुरा हाल था।

झारखंड में बसंत पंचमी तक शीतलहर के चलने की संभावना

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य में शीतलहर के बसंत पंचमी (23 जनवरी) तक चलने की संभावना है। बसंत पंचमी के बाद शीतलहर में कमी आने और अधिकतम और न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार आनेवाले दिनों में तापमान में उतार-चढाव होने की संभावना है। राज्य के कई जिले अभी भी शीतलहर के चलते कडाके की ठंड की चपेट में हैं। इनमें गुरुवार को खूंटी में न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री और डालटेनगंज में 3.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

इधर, मौसम विभाग ने राज्य के उत्तर-पश्चिमी, मध्ययवर्ती और दक्षिणी भागों में शीतलहर चलने की संभावना व्यक्त की है। इन जिलों में उत्तर-पश्चिमी भाग गढवा, पलामू, लातेहार, चतरा, कोडरमा और लोहरदगा, मध्यमवर्ती हिस्से रांची, खूंटी, गुमला, रामगढ, हजारीबाग और बोकारो, जबकि दक्षिणी हिस्से पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां शामिल हैं।

वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 28.8 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 2.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान कहीं-कहीं पर हल्के दर्जे का कुहासा छाया रहा और कुछ जगहों पर शीतलहर की स्थिति देखी गई। विभाग के अनुसार झारखंड के ऊपर उत्तर-पश्चिमी से उत्तरी दिशा की ओर से ठंडी हवाएं (पछुआ हवा) चल रही हैं। यही वजह है कि राज्य में ठंड में कमी नहीं आ रही है और कनकनी बरकरार है।

गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से शीतलहर के कारण भारी कनकनी महसूस की गई। तेज धूप के बावजूद वातावरण में गर्मी में का एहसास नहीं हुआ। वहीं शाम होते ही लोगों को भारी ठंड महसूस हुई।

भारतीय लोकतंत्र एक विशाल वृक्ष, विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विविधता को भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा है कि भारत ने यह साबित किया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोकतंत्र को स्थिरता, गति और व्यापक स्तर प्रदान करती हैं और इसी का परिणाम है कि देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं तथा भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत इस विविधता का उत्सव मनाता है क्योंकि लोकतंत्र की नींव मजबूत है। भारतीय लोकतंत्र एक विशाल वृक्ष की तरह है, जिसे गहरी जड़ें सहारा देती हैं। श्री मोदी ने गुरुवार को यहां राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों तथा पीठासीन

अधिकारियों के 28 वें सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सम्मेलन के मुख्य विषय 'संसदीय लोकतंत्र की प्रभावी परिणति' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब भारत आजाद हुआ तो उस दौर में यह आशंका व्यक्त की गई थी कि इतनी विविधता में, भारत में लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा लेकिन भारत ने इसी विविधता को लोकतंत्र की ताकत बना दिया।

उन्होंने कहा कि एक बड़ी आशंका यह भी थी कि भारत किसी भी हालत में विकास नहीं कर पाएगा लेकिन भारत ने साबित किया कि लोकतांत्रिक संस्थान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही लोकतंत्र की स्थिरता , गति और पैमाना तीनों आते हैं। भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढती अर्थव्यवस्था बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में लोकतंत्र का अर्थ अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा, हम लोक कल्याण की भावना से हर व्यक्ति के लिए बिना किसी भेदभाव के काम कर रहे हैं। और इसी लोक कल्याण की भावना के कारण बीते कुछ वर्षों में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। भारत में लोकतंत्र सार्थक परिणाम देता है।

उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र से इसलिए परिणाम मिलता है क्योंकि सरकार के लिए देश की जनता ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, हमने जनता की आकांक्षाओं को, जनता-जनार्दन के सपनों को प्राथमिकता बनाया है। उसके रास्ते में कोई बाधा ना आए, इसके लिए प्रक्रिया से लेकर प्रौद्योगिकी तक, हर चीज का लोकतांत्रिकरण किया है और यह लोकतांत्रिक भावना हमारी रगों में, हमारे मन में है, हमारे संस्कार में है। इस संदर्भ में उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान चुनौतियों के बीच भारत द्वारा डेढ़ सौ से ज्यादा देशों को दवाइयां और वैक्सीन पहुंचाने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, लोगों का हित, लोगों की भलाई और उनका कल्याण, ये हमारा संस्कार है, और ये संस्कार हमें हमारे लोकतंत्र ने दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में किये जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में महिलाएं केवल भागीदार ही नहीं बल्कि नेतृत्व की भूमिका में हैं। उन्होंने कहा कि यह सशक्तिकरण आप को शीर्ष पद राष्ट्रपति से लेकर गांवों में निम्न स्तर तक दिखाई देगा।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 1.41 करोड़ के इनामी 52 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आज गुरूवार को बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव और सीआरपीएफ के अधिकारियों के समक्ष 1.41 करोड़ के इनामी कुल 52 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। तय समय सीमा के लक्ष्य 2026 से पहले नक्सली संगठन पूरी तरह से सिमटने लगा है।

इन आत्मसमर्पित नक्सलियों के 52 कैडरों में डीवीसीएम-1, कंपनी न.7 के झ्र2 सदस्य, पीपीसीएम-3, एसीएम -10, डिवीजन एवं ब्यूरो पार्टी सदस्य -8, प्लाटून एवं एरिया कमेटी पार्टी सदस्य- 9, मिलिशिया प्लाटून कमाण्डर- 3, मिलिशिया प्लाटून डिप्टी कमाण्डर -1, मिलिशिया प्लाटून सदस्य-3, पीएलजीए सदस्य-1 एवं अलग अलग आरपीसी के सीएनएम/डीएकेएमएस जनताना सरकार अध्यक्ष -11 नक्सली कैडर शामिल हैं। जिन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है।

बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने आज बताया कि सीआरपीएफ और सुरक्षाबलों के प्रयासों से 52 नक्सली मुख्यधारा में वापस लौटे हैं। जिसमें 1.41 करोड़ इनाम के 21 महिला कैडर और 31 पुरुष कैडर शामिल हैं, जिन्होंने सशस्त्र और हिंसक विचारधारा से स्वयं को अलग कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपनाया है। इनमें बड़े कैडर के नक्सली भी शामिल हैं। सरकार की योजनाओं और सुरक्षाबलों द्वारा लगातार चलाये जा रहे नक्सल विरोधी से यह सफलता प्राप्त हुई है।

उन्होंने बताया कि बीजापुर जिले में 01 जनवरी 2024 से अब तक कुल 824 नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं, 1126 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं और 223 नक्सली विभिन्न मुठभेड़ों में मारे गए हैं। पुनर्वास प्रक्रिया के तहत प्रत्येक नक्सली कैडर को प्रोत्साहन स्वरूप 50 हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई। आत्मसमर्पित 52 नक्सली कैडरों के समाज में पुनर्वास और पुनर्समावेशन के लिए आवश्यक विधिक प्रक्रिया जारी है ।

बीजापुर एसपी ने नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि नक्सली भ्रामक और हिंसक विचारधाराओं को त्यागकर निर्भय होकर समाज की मुख्यधारा में लौटें।

उपायुक्त ने की राजस्व विभाग की समीक्षात्मक बैठक, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में राजस्व विभाग से संबंधित समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पीजी पोर्टल, भू-मापी, म्यूटेशन, दाखिल-खारिज, सो-मोटो म्यूटेशन, ई-रिवेन्यू कोर्ट, आरसीएमएस ऑनलाइन रिपोर्ट, ऑनलाइन लगान वाद, परिशोधन पोर्टल एवं जमाबंदी रद्दीकरण से संबंधित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने जनता दरबार में

प्राप्त भू-अर्जन से संबंधित आवेदनों के निष्पादन में तेजी लाने तथा ई-रिवेन्यू कोर्ट में लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में आए मामलों का जांचोपरांत निष्पादन करने और साथ ही पीजी पोर्टल पर लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर विशेष बल दिया।भू-मापी से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने 90 दिनों से अधिक लंबित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को जनता दरबार में प्राप्त राजस्व एवं भू-अर्जन से संबंधित शिकायतों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी प्रकार के म्यूटेशन मामलों में प्रगति बढ़ाने, परिशोधन मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखने तथा ई-रिवेन्यू कोर्ट में दायर एवं निष्पादित वादों की समीक्षा कर लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे का निर्देश दिया।उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंचल कार्यालय में आने वाले भूमि विवादों का निष्पादन संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर सुनिश्चित करें। साथ ही सड़क किनारे अवस्थित सूखे पेड़ों की कटाई हेतु सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण करते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उन्होंने सदर एवं बरही अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देशित किया कि सो-मोटो म्यूटेशन, परिशोधन पोर्टल एवं म्यूटेशन मामलों की साप्ताहिक समीक्षा अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

हबीबीनगर ब्लास्टः घटनास्थल पर झारखंड जगुआर बीडी और एसएफएसएल रांची की टीम, हर एंगल से कर रही जांच

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : बड़ी बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत हबीबीनगर में हुए बम विस्फोट मामले में गुरुवार सुबह जांच तेज कर दी गई। घटनास्थल पर झारखंड जगुआर बम निरोधक दस्ते (बीडी) की टीम पहुंची और पूरे इलाके को खंगालते हुए हर पहलू की बारीकी से जांच की। इसके साथ ही एसएफएसएल रांची की विशेषज्ञ टीम भी मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य संकलन में जुट गई। टीम ने सुरक्षा मानकों के तहत पूरे प्लॉट और आसपास के क्षेत्र की सघन तलाशी ली, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जमीन के भीतर कहीं और विस्फोटक सामग्री तो मौजूद नहीं है। टीम ने मेटल डिटेक्टर और अन्य उपकरणों की मदद से जमीन की परत-दर-परत जांच की। वहीं एसएफएसएल की टीम ने विस्फोट के अवशेष, मिट्टी के नमूने और अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए, ताकि बम के प्रकार, क्षमता और इस्तेमाल की गई सामग्री का पता लगाया जा सके।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट करना प्राथमिकता है कि बम कब और किस उद्देश्य से जमीन में दबाया गया था। सुरक्षा के मद्देनजर घटनास्थल को सील कर रखा गया है और आम लोगों की आवाजाही पर रोक है। उल्लेखनीय है कि बुधवार शाम प्लॉट की सफाई के दौरान हुए विस्फोट में एक ही परिवार के पति-पत्नी समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

गुरु सिंह सभा द्वारा लोहड़ी का भव्य आयोजन, गुरु गोविंद सिंह पार्क में उमड़ा उल्लास का सैलाब

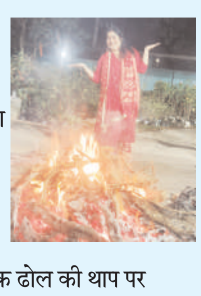

हजारीबाग(बिभा): श्री गुरु सिंह सभा के तत्वावधान में लोहड़ी पर्व का शानदार एवं भव्य आयोजन बुधवार की रात गुरु गोविंद सिंह पार्क में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे पूरा पार्क उत्सव के रंग में सराबोर नजर आया।कार्यक्रम के दौरान आकर्षक लाइटिंग, दमदार साउंड सिस्टम और पारंपरिक ढोल की थाप पर उपस्थित लोग झूमते-नाचते दिखाई दिए। लोहड़ी की अग्नि प्रज्वलित कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व मनाया गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और लोकगीतों व भांगड़ा-गिद्धा के माध्यम से खुशी का इजहार किया।श्री गुरु सिंह सभा के पदाधिकारियों ने उपस्थित जनसमूह को लोहड़ी पर्व की महत्ता बताते हुए आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता का संदेश दिया। आयोजन में सौहार्द और उल्लास का माहौल देखने को मिला। अंत में सभी ने एक-दूसरे को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं!

मकर संक्रांति पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी का भाजपा नेता टोनी जैन ने किया सम्मान

हजारीबाग/कोडरमा(बिभा) : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को भाजपा नेता टोनी जैन ने उनके कोडरमा स्थित आवास पर शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला, जहां पर्व की शुभकामनाओं के साथ जनसेवा और संगठनात्मक कार्यों पर भी चर्चा हुई।बीभाजपा नेता टोनी जैन ने केंद्रीय मंत्री को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व नई ऊर्जा, समर्पण और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में देश एवं राज्य में विकास और जनकल्याण के कई कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मकर संक्रांति जैसे पर्व हमें समाज में सकारात्मकता, आपसी भाईचारे और सेवा भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनहित में निरंतर कार्य कर रही है और आने वाले समय में विकास योजनाओं को और अधिक गति दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष टुन्नू गोप, जिला महामंत्री सुमन कुमार, सोनू गुप्ता ने भी बधाई दी।

पांच दिवसीय चंपा दिशोम सोहराय महापर्व आज से

हजारीबाग(बिभा): 16 जनवरी से शुभारंभ मुख्य कार्यक्रम 18 जनवरी को। 16 जनवरी साफ सफाई एवं गोट बोंगा (गोट पूजा) पूरे गांव के लिए पूजा की जाती है। 17 जनवरी - बोंगा ,पूर्वज ,घर के देवता फसल के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गाय बैल की पूजा।नए छात्र-छात्राओं का स्वागत शिक्षा एवं तकनीकी में तकनीकी शिक्षा में बेहतर करने वाले को सम्मानित और अपने पंछी साड़ी धोती ,लाल पाल साड़ी एवं जनजातीय परिधान का छात्रों द्वारा रैम्प वॉक द्वारा प्रदर्शन। 18 जनवरी मुख्य कार्यक्रम अतिथियों ग्राम प्रधान छात्राओं समाजसेवी बुद्धिजीवी राजनीतिक,संस्था एवं गण मान्य लोगों का स्वागत सा सांस्कृतिक कार्यक्रम।19 जनवरी ₹जाले₹ जिसमें लोग बूढ़ा लोग उत्साह से मनाते हैं !20 जनवरी हकु काटकोम जिसमें ग्राम के प्रधान लोग कार्यक्रम का समीक्षा के साथ गांव द्वारा प्रदान किया गया अण का भोजन बनाकर ग्रहण करते हैं नाच गान करते हैं।यंग ब्लड आदिवासी समाज सह ऑल संथाल स्टूडेंट यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष मनोज टुडू ने कहा कि समय के साथ-साथ लोगों को परिवर्तन करना अत्यंत जरूरत है हमारी पहचान हमारी भाषा हमारा पहनावा हमारा भोजन शिक्षा तकनीकी शिक्षा अब इसमें समय के साथ-साथ हम लोग को भी अपना विकसित करना है इसलिए सभी से अपील की गई की अपने वाद्य यंत्र पंछी साड़ी धोती लाल पाल साड़ी के साथ लोग आकर अपने सबसे बड़ा त्यौहार सोहराय महापर्व पर्व को गर्व आननदित करें। कार्यक्रम की तैयारी में नवीन सोरेन नीलांबर हेंब्रम ,संतोष हेंब्रम, चंदन किस्कू,सिकंदर मरांडी ,कैलाश किस्कू, रवि मुर्मू, जिला नायके विकास टुडू केंद्र प्रवक्ता आनंद सोरेन केंद्र उपाध्यक्ष विजय मुर्मू ,किशोर हसदा,महासचिव नरेश सोरेन,मनोहर सोरेन,प्रकाश टुडू शामिल है।

समाजसेवी चंदन राठौर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को प्रदेश कार्यालय में दिया बधाई

हजारीबाग(बिभा): शहर के प्रख्यात समाजसेवी चंदन राठौड़ ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचकर नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू से शिष्टाचार मुलाकात की एवं उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर चन्दन राठौर ने आदित्य साहू को फूलों का गुलदस्ता तथा मां भद्रकाली की तस्वीर भेंट कर उनके उज्ज्वल, सफल और जनहितकारी कार्यकाल की कामना की। चन्दन राठौर ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में भाजपा समाज के हर वर्ग की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी और झारखंड को प्रगति के पथ पर अग्रसर करेगी।

शहर के इन्द्रपुरी साईं मंदिर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, भंडारे में हजारों ने ग्रहण किया बाबा का प्रसाद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर साईं परिवार हजारीबाग (निबंधन संख्या 8188/19) द्वारा शहर के इन्द्रपुरी स्थित साईं मंदिर में भव्य भंडारे और भक्तिमय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता को समर्पित इस आयोजन में 'साईं परिवार' और 'साईं महिला मंडली' के सदस्यों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाकर मिसाल पेश की।

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार की अहले सुबह बाबा के भव्य अभिषेक और दिव्य मंगल आरती के साथ हुआ। मंदिर परिसर 'साईं राम' के जयघोष से गुंजायमान रहा। मकर संक्रांति की परंपरा को निभाते हुए बाबा को चूड़ा, दही, तिलकुट, गुड़ और फलों का विशेष भोग

लगाया गया। दोपहर में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर खिचड़ी, चोखा और चटनी का प्रसाद ग्रहण किया। संध्या आरती के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच हलवा प्रसाद का वितरण कर दिनभर चले इस अनुष्ठान का समापन हुआ।साईं परिवार की सेवा भावना मंदिर की चौखट तक सीमित नहीं रही। मानवता और समरसता का संदेश देते हुए समूह द्वारा आर्ष कन्या गुरुकुल (आर्य समाज, हजारीबाग) के बच्चों के बीच भी खिचड़ी, चिप्स और चोखा का प्रसाद पहुँचाया गया। बच्चों के चेहरे की मुस्कान ने इस आयोजन की सार्थकता को और बढ़ा दिया।विदित हो कि साईं परिवार, हजारीबाग केवल एक धार्मिक समूह नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का संवाहक है। समूह के सदस्यों ने बताया कि उनका मुख्य लक्ष्य साईं भक्तों को एकजुट करना और समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना है। चाहे व्यक्तिगत सहयोग हो या सामूहिक सेवा कार्य, यह समूह लगातार सामाजिक जुड़ाव की दिशा में अग्रसर है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में साईं परिवार के सभी पुरुष एवं महिला सदस्यों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीरेंद्र रजक ने पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से की शिष्टाचार मुलाकात, जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

बिभा संवाददाता

हजारीबागः बीरेंद्र रजक ने पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस अधीक्षक को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुलाकात के दौरान बीरेंद्र रजक ने जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के पदभार संभालने के बाद जिले में अपराध के ग्राफ में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिली है, जिससे आम जनता में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है। बीरेंद्र रजक ने पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई और अपराधियों के खिलाफ सख्त कदमों की प्रशंसा की।पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने भी शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और इसके लिए पुलिस टीम पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

मकर संक्रांति पर साईं मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन

बिभा संवाददाता

हजारीबागः मकर संक्रांति के पावन अवसर पर नवाबगंज स्थित साईं मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति के वातावरण के बीच विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।भंडारे के सफल आयोजन में लायन क्लब के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सदस्यों द्वारा अनुशासन और सेवा भाव के साथ प्रसाद वितरण किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया।इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आपसी भाईचारे और सेवा भावना को मजबूत करते हैं। मकर संक्रांति जैसे पावन पर्व पर आयोजित यह भंडारा सामाजिक समरसता और मानव सेवा का सुंदर उदाहरण बना।कार्यक्रम में: अन्नू अग्रवाल,सुधा वर्मा,अरविंद अग्रवाल, डॉ.शर्मा समेत कई सदस्य शामिल हुए!

मकर संक्रांति के अवसर पर बोर्सिदाग में मेले का आयोजन, मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम हुए शामिल

बिभा संवाददाता

लातेहार/ चंदवा : मकर संक्रांति के अवसर पर बोर्सिदाग स्थित भगवान शिव मंदिर के प्रांगण मैदान में लगने वाले पारंपरिक मेला और नागपुरिया सांस्कृतिक आर्केस्ट्रा का पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम ने विधिवत फीता काटकर उदघाटन किया ,उद्घाटन उद्बोधन में श्री राम ने कहा कि किसी भी समाज के लोगों की सांगठिंक एकता,मेलजोल और एक दूसरे के प्रति आदरभाव इस तरह के पारंपरिक कार्यक्रम के

आयोजन से मिलता है,बोर्सिदाग के लोग झारखंड की सभ्यता संस्कृति से ओतप्रोत हैं,खासकर युवा तो ऐसे कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं,मेरा तो वर्षों से यहां के लोगों से आत्मीय संबंध है, यहां आता जाता रहता हूं ,लोगों से हालचाल होते रहता है,और मैं प्रयास करूंगा जब तक मैं हूं अपलोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा। बोर्सिदाग के मुख्य रास्ता कटा है, मैं जिले के अधिकारियों को बोलकर रास्ता बनवा दूंगा, मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी ,अंकित तिवारी ,राजू गुप्ता ,मोङ्ग गुजू ,कार्यक्रम आयोजक में रामेश्वर मुंडा , योगेश मुंडा ,बीरेंद्र लोहारा , सकिंदर मुंडा , किशुन यादव , बबलू मुंडा ,मुकेश मुंडा राजेश मुंडा ,अंजू उरांव ,चंदन उरांव ,दिनेश लोहारा ,विकास मुंडा समेत सैकड़ों लोग मेले में मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जेएसएलपीएस द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

लातेहार : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों के गठन, आजीविका संवर्धन, वित्तीय समावेशन, बैंक लिंकेज, कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार सृजन से संबंधित कार्यों की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता है, ऐसे में योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए तथा अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ सुयोग्य लाभुकों को ससमय देने का दिया गया निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अनुदान राशि हेतु प्राप्त आवेदनों को प्रस्तुत किया गया। आवेदनों की समीक्षा के उपरांत कुल 11 आवेदनों का अनुमोदन किया गया। बैठक में अनुसूचित जाति के 02, अनुसूचित जनजाति के 03 तथा पिछड़ी जाति के 06 आवेदकों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ देने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया। उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को अनुमोदन के उपरांत अविलम्ब सभी लाभुकों को अनुदान राशि हस्तान्तरित करने का निर्देश दिया। बैठक में आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, मनिका विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर प्रसाद यादव, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने स्वास्थ्य, समाज कल्याण एवं बाल संरक्षण इकाई से संबंधित कार्यों की समीक्षा की

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग एवं बाल संरक्षण इकाई से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को बेहतर कार्य निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति, गर्भवती महिला का एएनसी जांच, संस्थागत प्रसव, सिजेरियन, आयरन, कैल्शियम, हीमोग्लोबिन जांच, पेंटा-1 कवरेज, पेंटा-3 कवरेज, ओपीवी-1, कुपोषण उपचार केन्द्र, एसएनसीयू, नियमित टीकाकरण, टीवी रोग, आयुष्मान भारत योजना की प्रगति, सभी स्वास्थ्य संस्थानों में मूलभुत सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने एएनसी पंजीकरण, जांच, फॉलो-अप एवं रिपोर्टिंग की स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने पाया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं हो पा रहा है, जो गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से गंभीर विषय है। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीकरण, आवश्यक जांच एवं नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के प्रति सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी तथा कार्यप्रणाली में शीघ्र सुधार लाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली की नियमित समीक्षा की जाए। उपायुक्त ने एनसीडी स्क्रीनिंग की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि एनसीडी स्क्रीनिंग की प्रगति को बढ़ाया जाए।बैठक में मिशन वात्सल्य व जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास, स्पॉन्सरशिप, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, किशोरी फूलेबाई समृद्धि योजना, पोषण अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम, आंगनवाड़ी सेवाएं आदि की प्रगति की विस्तृत जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा पोषण आहार वितरण, वजन मापन, टीकाकरण एवं लाभुक पंजीकरण की अद्यतन स्थिति की निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गर्भवती एवं धात्री माताओं को मातृत्व वंदना योजना का लाभ शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई पात्र लाभुक वंचित न रहे।

सोनारी दोमुहानी में आयोजित टुसू मेले में उमड़ा जन सैलाब, आदिवासी और मूलवासी समाज की परंपरागत नृत्य और गीतों ने मेले की शोभा बढ़ाई

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : टुसू पर्व के मौके पर सोनारी के दो मुहानी घाट पर को जन सैलाब उमड़ पाड़ा। बच्चों के लिए झूले और खिलौनों से पटे इस मेले का अद्भूत नजारा और इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है।

परंपरागत गीत नृत्य और ढोल नगाड़े की धुन ने मेले की रौनकता बढ़ाई नृत्य संगीत और ढोल नगाड़े के बीच हजारों युवक युवतियों ने मेले का जमकर आनंद उठाया। इस मौके पर आदिवासी और मूलवासी समाज परंपरागत मिलन बड़ा ही सराहनीय रहा। इस समागम का लोगों ने जमकर आनंद उठाया। सदियों से चले आ रहे परंपरागत

टुसू मेला आदिवासी और मूलवासी समाज का सामूहिक उत्सव होता है। इस मौके पर समाज के लोग परंपरागत और पुराने परिधान में होते हैं। झारखंडी कला संस्कृति मंच की ओर से आयोजित इस मेले में महिला और पुरुष बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। दूसरे जिले के भी परम्परिक मान्यताओं से जुड़े लोग इस मेले में शिरकत करते हैं और मेले का आनंद उठाते हैं। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए आयोजन समिति के प्रमुख और झारखंड 20 सूत्री कार्यक्रम समन्वय समिति के अध्यक्ष मोहन कर्मकार ने कहा कि यह मेल सदियों से मकर संक्रांति के मौके पर आयोजित होता है। यह मेला झारखंडी संस्कृत और कल का अद्भुत नमूना है। जिसमें आदिवासी और मूलवासी समाज के लोग शिरकत करते हैं। मोहन कर्मकार ने बताया कि टुसू पर्व समाज के बीच अपनी मान्यताओं के अनुरूप मनाया जाता है। धान की फसल काटने के बाद लोग चूड़ा और गुड़ पीठा बनाकर अपने घर में इस पर्व को उल्लास के साथ मानते हैं और नई फसल से तरह-तरह के व्यंजन तैयार करते हैं।

योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता का रखें ध्यान : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय ब्लॉक-ए अवस्थित सभागार में डीएमएफटी (डिस्ट्रिक्टत मिनरल फाउंडेशन ट्रस्टट), यूनाईटेड फंड, सीएसआर, बीपीएचयू-पीएम एबीएचआईएम और विधायक फंड एवं 15 वीं वित्त आयोग (स्वास्थ्य) के अंतर्गत कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की गई।

गुरुवार को आयोजित बैठक में जिले में अब तक स्वीकृत योजनाओं की प्रगति और विभिन्न मदों से लंबित पड़ी योजनाओं की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में जिले में अब तक स्वीकृत योजनाओं की प्रगति और विभिन्न मदों से लंबित पड़ी योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में यह स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि सभी लंबित योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूरा किया जाए।

बैठक में सभी कार्यकारी एजेंसियों को सख़्त निर्देश दिया गया की योजनाओं के क्रियान्वयन प्राक्कलन के अनुसार, गुणवत्तापूर्ण और वित्तीय नियमावली का पालन किया जाए।

बैठक का उद्देश्य स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय समुदायों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी और पारदर्शी रूप से लागू करना। विभिन्न मदों डीएमएफटी (जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट), यूनाइटेड फंड, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर), ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (बीपीएचयू) के अंतर्गत प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम), सांसद निधि (एमपी एलएडीएस), विधायक निधि और 15वीं वित्त आयोग के स्वास्थ्य सुविधा एवं परियोजनाओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक में उपायुक्त ने कहा कि ये सभी फंड जिले के विकास, विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क और खनन प्रभावित क्षेत्रों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी संबंधित विभाग और एजेंसियों से अपील किया कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करें ताकि जनता को अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त सौरभ भुवनिया, निदेशक, लेखा प्रशासन और स्वनियोजन, जिला ग्रामीण विकास अभियंत्रण, सिविल सर्जन, रांची, प्रभारी विकास शाखा, रांची, जिला योजना पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, जिला खनन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

फाइलेरिया रोधी दवाओं का 619 बूथों पर 10 फरवरी को होगा वितरण

रांची। रांची जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) जिला समन्वय समिति की बैठक उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में गुरूवार को उनके कार्यालय कक्ष में ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय लिम्फेटिक फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आगामी 10 फरवरी 2026 को रांची जिले के कांके, सोनाहातू और तमाड़ प्रखंडों में कुल 619 बूथों पर फाइलेरिया रोधी दवाओं का वितरण किया जाएगा। इस अभियान के तहत 4.91 लाख से अधिक लक्षित आबादी को डीईसी और एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी।

उपायुक्त ने सभी समुदायों और धर्मों के लोगों से दवा सेवन में सक्रिय भागीदारी की अपील की और कहा कि फाइलेरिया पूरी तरह रोकथाम योग्य बीमारी है। उन्होंने जीविका से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले समूहों को प्रशस्ति पत्र देने की घोषणा की। मौके पर उपायुक्त ने सभी विभागों से समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्या रूप से उप विकास आयुक्त सौरभ भुवनिया, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार सहित संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने लोक भवन में भेंट की। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें सदैव अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु तत्पर एवं समर्पित रहने का संदेश दिया।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में श्रद्धा के साथ मना मकर संक्रांति पर्व

रांची(बिभा)। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में मकर संक्रांति का पावन गुरुवार को पर्व बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्री राधा रानी जी का अलौकिक और मनोहारी श्रृंगार जड़ित आभूषणों से किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। रंग-बिरंगे पुष्पों, आकर्षक वस्त्रों एवं आभूषणों से सुसज्जित श्री राधा रानी जी की छवि अद्भुत आध्यात्मिक आभा बिखेर रही थी। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसे मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया। पूजा के दौरान मकर संक्रांति की परंपरा के अनुरूप खिचड़ी, तिल से बनी विभिन्न सामग्रियां, मेवा और मौसमी फलों का भोग अर्पित किया गया। पूजा के बाद मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच वेजिटेबल खिचड़ी, तिलकुट और गुड़-चूड़ा का वितरण किया गया। मौके पर मंदिर में भजन-कीर्तन का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। भक्ति गीतों की मधुर ध्वनि से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। भव्य महाआरती के साथ अनुष्ठान का समापन हुआ इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री राधा कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया।

बजरंग दल के कार्यकर्ता समाजसेवा के लिए समर्पितः आदित्य साहू

रांची(बिभा)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने गुरुवार को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर रजरप्पा में मां छिन्नमस्तिका का सपरिवार पूजन किया और राज्य की सुख समृद्धि और प्रगति की कामना की। इस अवसर पर प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह जी ,महामंत्री मनोज सिंह ,सरोज सिंह, सुबोध सिंह गुड्डू, योगेंद्र प्रताप सिंह सहित पार्टी के जिलाध्यक्ष वरुण साहू, नरेंद्र सिंह, धीरज महतो सहित अन्य शामिल हुए। साहू ने चितरपुर में बजरंग दल के सचिन प्रजापति, डब्लू साहू, सन्नी को अंगवस्त्र देकर प्रदेश भाजपा की ओर से सम्मानित किया। उन्होंने कार्यकताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बजरंग दल जैसे राष्ट्रव्यापी संगठन के कार्यकर्ता समर्पित भाव से देश और समाज की सेवा में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि बजरंग दल के कार्यकर्ता संकट मोचन बन कर आते हैं यही इनकी पहचान है। उन्होंने कहा कि सीता का पता लगाकर जैसे बजरंगबली ने भगवान राम को चिंता से मुक्त किया था वैसे ही बजरंग दल के कार्यकताओं ने एक मां को और पूरे प्रदेश को चिंता से मुक्त कराया। उन्होंने कहा कि भाजपा तो इनका सम्मान कर रही है लेकिन राज्य सरकार भी इन्हें उचित इनाम राशि देकर सम्मानित करे।

तीन दिवसीय मारवाड़ महोत्सव आज से

रांची(बिभा) : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के संयुक्त तत्वाधान में 16 जनवरी से 18 जनवरी तक तीन दिवसीय मारवाड़ महोत्सव 2026 का आयोजन हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में किया गया है। 16 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे मारवाड़ महोत्सव के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार होंगे। विशिष्ट अतिथि में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गोयनका एवं राष्ट्रीय महामंत्री केदारनाथ गुप्ता उपस्थित रहेंगे। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष पवन शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि तीन दिवसीय मारवाड़ महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक मारवाड़ी भवन में राजसी परंपराएं, जीवंत संस्कृति मारवाड़ी गौरव का भव्य संगम रहेगा, मारवाड़ महोत्सव में लोक कला, लोकगीत, नृत्य, हास्य और पारंपरिक रंग तथा राजस्थान की समृद्ध संस्कृति एवं स्वादिष्ट व्यंजनों की भरपूर आनंद ले सकते हैं।

नमो पतंग महोत्सव में सेठ ने बच्चों में किया पतंग का वितरण, जरूरतमंदों को मिला कंबल

बिभा संवाददाता

रांची। मकर संक्रांति के अवसर पर श्री कृष्ण जन्माष्टमी समिति के तत्वावधान में मोरहाबादी मैदान में गुरुवार को नमो पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ ने किया। इस अवसर पर मैदान देशभक्ति, उत्सव और सामाजिक सरोकारों के रंग में रंगा नजर आया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में बच्चों के बीच पतंग का वितरण किया गया। वहीं जरूरतमंद और गरीब वर्ग के लोगों के बीच कंबल और खिचड़ी बांटी गई। मकर संक्रांति के पारंपरिक उल्लास के साथ-साथ सामाजिक सेवा का यह आयोजन लोगों के बीच खास आकर्षण का केंद्र रहा। बच्चों में पतंग उड़ाने को लेकर उत्साह देखने लायक था।

इस मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि आज आर्मी डे है और 140 करोड़ भारतीयों को अपनी भारतीय सेना पर गर्व है। उन्होंने भारतीय सेना की वीरता, शौर्य और बलिदान को याद करते हुए कहा कि सेना ने हमेशा देश की रक्षा में सर्वोच्च योगदान दिया है।

सेठ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराया है।

वहीं उन्हों ने नमो पतंग महोत्सव के प्रतीकात्मक महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पतंगों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर वोमिका सिंह की तस्वीरें इस बात का प्रतीक हैं कि देश आज अपने वीर सैनिकों और नेतृत्व पर गर्व करता है। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर वोमिका सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की विजय गाथा न सिर्फ हिंदुस्तान को दी, बल्कि पूरी दुनिया को भारत की ताकत और साहस का परिचय कराया।

संजय सेठ बताया कि नमो पतंग महोत्सव की शुरूआत वर्ष 2006 में योग गुरु बाबा रामदेव की ओर से शुरू की गई थी। तब से यह महोत्सव देशभर में सामाजिक समरसता, देशभक्ति और भारतीय संस्कृति के प्रतीक के रूप में मनाया जा रहा है। संजय सेठ ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पर्व हमें आपसी भाईचारे, सेवा और सद्भाव का संदेश देते हैं। वहीं कार्यक्रम में मकर संक्रांति की परंपरा के अनुसार दही-चूड़ा, खिचड़ी का वितरण भी किया गया। आयोजन को सफल बनाने में श्री कृष्ण जन्माष्टमी समिति के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों की अहम भूमिका रही।

ईडी कार्यालय में रांची पुलिस की इंट्री को लेकर बाबूलाल की टिप्पणी उकसाने वाला : सुप्रियो

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में ईडी कार्यालय में रांची पुलिस की कार्रवाई को लेकर सियासी घमासान तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के सोशल मीडिया पोस्ट पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने गुरुवार को कड़ा एतराज जताया है और उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने इस संबंध में गुरुवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर बाबूलाल मरांडी के बयान को आपत्तिजनक और उकसाने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

दरअसल, ईडी अधिकारियों के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में मारपीट से जुड़ा एक एफआईआर दर्ज किया गया है, जिसकी जांच के सिलसिले में रांची पुलिस की टीम गुरुवार को ईडी कार्यालय पहुंची थी। इसी कार्रवाई को लेकर बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आशंका जताई थी कि पुलिस कार्रवाई की आड़ में करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार से जुड़े अहम साक्ष्यों से छेड़छाड़ हो सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चेतावनी देते हुए प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को टैग कर ईडी कार्यालय में केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग भी की थी।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने बाबूलाल के पोस्ट पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा नेता जानबूझकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा के दौरान पार्टी के भीतर गुटबाजी पर भी तंज कसा। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दावोस में होने वाले वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भागीदारी को राज्य के लिए सम्मानजनक बताते हुए कहा कि इससे झारखंड के विकास के वैश्विक रास्ते खुलेंगे और आने वाले वर्षों में इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

मंदिर के जीर्णोद्धार के दौरान हुए पथराव में प्रशासन मूकदर्शक बना रहा : आदित्य साहू

रांची। भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मधुपुर के लालगढ़ धोबी टोला में 14 जनवरी को एक पुराने छोटे काली मंदिर के जीर्णोद्धार के दौरान हुए पथराव में प्रशासन मूकदर्शक बना रहा। साहू ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मंदिर की ढलाई की गई तथा ढलाई के बाद खिचड़ी भोग बनाया जा रहा था। इसी बीच मोहल्ले के सैकड़ों लोगों ने आकर मारपीट तथा पथराव शुरू कर दिया। घटना में स्थानीय लोग दहशत के माहौल में हैं, खासकर संथाल परगना क्षेत्र में। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद अभी तक कोई एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य में कानून व्यवस्था नहीं बल्कि शरीयत कानून ही हावी है। भाजपा राज्य की किसी भी नागरिक के साथ अन्याय अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रशासन ने अगर सख्त कार्रवाई नहीं की तो भाजपा पूरे प्रदेश में आंदोलन को बाध्य होगी।

मेन रोड की अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, हटाए गए अवैध दुकानें-गुमटी-खोमचा

बिभा संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम की ओर से राजधानी को अतिक्रमण मुक्त और जाम से राहत दिलाने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाया जा रहा है।गुरुवार को नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से शहर के बीचो-बीच मेन रोड इलाके में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान बुलडोजर की मदद से दुकानों के बाहर बने अवैध शेड, गुमटी, खोमचे, अस्थायी दुकानें और अन्य अतिक्रमण तोड़े गए।

अभियान के तहत डेली मार्केट चौक से चर्च रोड होते हुए कर्बला चौक तक सड़क के दोनों ओर किए गए अवैध कब्जों को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाया गया।

इस दौरान नगर निगम और अंचल कार्यालय के अमीन द्वारा सबसे पहले सड़क की विधिवत मापी की गई। मापी के बाद यह स्पष्ट हुआ कि कई दुकानदारों ने निर्धारित सीमा से बाहर सड़क और फुटपाथ पर कब्जा कर रखा था। इसके साथ ही सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध विस्तार को बुलडोजर से हटाकर रास्ता पूरी तरह साफ कराया गया, जिससे आवागमन सुचारू हो सके।

मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण के कारण इस इलाके में अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे आम लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

नगर निगम प्रशासक ने कहा कि शहर को जाम मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण न करते हुए नियमों का पालन करें। साथ ही आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील की गई, ताकि राजधानी रांची को सुव्यवस्थित और सुगम शहर बनाया जा सके।

रांची से नई उड़ान सेवाओं को लेकर चैंबर और एयर इंडिया के बीच अहम बैठक

बिभा संवाददाता

रांची : चैंबर भवन में एयर इंडिया लिमिटेड के इस्टर्न रीजन के स्टेट हेड, कोरपोरेट सेल्स एंड टीएमसी, राजकुमार भट्टाचार्य ने फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों से औपचारिक मुलाकात की। एयर इंडिया ने आनेवाले दिनों में रांची से फ्लाइट सर्विसेज बढाने की बात कही। यह भी जानकारी दी कि एयर इंडिया दिनोंदन फ्लाइट में ऑन बोर्ड सर्विसेस को बेहतर करता जा रहा है। इन-फ्लाइट मील में भी कई नई वेरायटी जोडी गई हैं। उन्होंने चैंबर सदस्यों के लिए विशेष सुविधाएं देने का प्रस्ताव भी रखा जिसकी विस्तृत जानकारी जल्द ही प्रेषित करने की बात कही।

चैंबर पदाधिकारियों ने झारखण्ड के यात्रियों के लिए कई तरह की सुविधाओं की मांग रखी जिसमें मुख्यतः किराये को संतुलित रखने के लिए कहा गया। कुछ नये शहरों जैसे जयपुर, गोवा, अमृतसर, गुवाहाटी, वाराणसी, सूरत, रायपुर के लिए सीधी विमान सेवा शुरू करने का आग्रह किया। साथ ही नवी मुंबई के लिए एक नई विमान सेवा की भी मांग रखी गई। सीविल एवीयेशन उप समिति के चेयरमेन श्रवण राजगढिया ने एयर इंडिया के पदाधिकारियों से देवघर एयरपोर्ट से भी नई विमान सेवाएं चालू करने का आग्रह किया।

चैंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि झारखण्ड जैसे उभरते औद्योगिक एवं व्यवसायिक राज्य के लिए बेहतर हवाई संपर्क अत्यंत आवश्यक है।

सह सचिव रोहित पोद्दार ने सुझाव दिया कि एयर इंडिया की मैगजीन में झारखण्ड टूरिज्म के दो पन्ने अवश्य समाहित किये जायें ताकि राज्य के पर्यटन को बढ़ावा मिले। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि रांची से लेट इवनिंग और अर्ली मॉर्निंग फ्लाइट्स शुरू की जाएँ। यात्रियों की भारी माँग को देखते हुए उन्होंने रांची-पटना-गोवा सेक्टर में भी फ्लाइट सेवा प्रारंभ करने की माँग रखी जिसपर एयर इंडिया के अधिकारियों ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, सह सचिव रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, एयर इंडिया के सेल्स हेड आषीष कुमार, सीविल एवीयेशन उप समिति के चेयरमेन श्रवण राजगढिया, सदस्य कौशल मित्तल, अंकित मित्तल उपस्थित थे।

अपहृत बच्चों को सुरक्षित खोज निकालने वाले कार्यकर्ताओं को मिले इनाम की राशिः बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने धुर्वा से अपहृत बच्चों की बरामदगी पर कहा कि आज झारखंड पुलिस अपनी पीठ थपथपा रही, हटिया डीएसपी पटाखे फोड़ रहे। डीजीपी ने तो कानून की मयार्दा ही तोड़ दी।

मरांडी गुरुवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अपहृत बच्चों को सीडब्लूसी न भेजकर सीधे गोद में बैठाकर प्रेसवार्ता की। 2 से 8 जनवरी तक लापता बच्चे धुर्वा, हटिया में थे, लेकिन पुलिस का खुफिया तंत्र विफल रहा। अंत में मीडिया और राजनीतिक दबाव में बातें फैली। सामाजिक कार्यकताओं ने भी प्रयास किया। जिसका परिणाम है कि बच्चे सकुशल वापस आ गए। उन्होंने कहा कि घोषित इनाम की राशि सामाजिक कार्यकर्ता सचिन प्रजाति, डब्लू साहू, सन्नी को मिलनी चाहिए। राज्य सरकार द्वारा उन्हें सम्मानित किया जाए। मरांडी ने आशंका व्यक्त की पुलिस अधिकारी अपनी प्रशंसा में और रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए इनाम को अपने खाते में डालेंगे। अगर ऐसा हुआ तो भाजपा विरोध करेगी। पुलिस सक्रिय होती तो राज्य के 413 बच्चे अभी तक लापता नहीं रहते।

उन्होंने कहा कि ईडी जब अपराधियों पर कार्रवाई कर रही तो राज्य पुलिस ईडी के अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कर रही। विगत वर्षों में हुए जलापूर्ति घोटाले में संतोष कुमार हाजिर नहीं हो रहा था। कई बार ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था।

उन्होंने कहा कि पिछले सोमवार को अचानक संतोष कुमार ईडी के सामने प्रकट होते हैं। पूछताछ में जब अपने पहले वाले जवाब के उल्टा बोलते हैं तब ईडी ने उनकी पत्नी से भी पूछने की बात कही। इतने पर से अपना सिर दीवार पर पटकते हैं, चोट आती है उसकी चिकित्सा कराई गई। वे सामान्य स्थिति में घर लौटते हैं। मंगलवार को संतोष कुमार ने एयरपोर्ट थाना में ईडी पर मुकदमा दर्ज करा दिया। गुरुवार की सुबह झारखंड पुलिस ईडी कार्यालय पहुंच गई। भाजपा ऐसा नहीं चलने देगी। उन्होंने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि इन बातों का स्वतः संज्ञान लेकर जांच किया जाए। ऐसे मामलों की सीबीआई जांच हो।

प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रवक्ता अजय साह , विजय चौरसिया भी उपस्थित थे।

बाबूलाल अभी तक खुमारी में हैं: कांग्रेस

रांची। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और प्रतिपक्ष नेता बाबूलाल मरांडी के बयानों पर पर पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा अपने राजनीतिक दायित्वों का निर्वहन बाबूलाल सिर्फ प्रशासन को कटघरे में खडा करके करना चाहते हैं। उनकी कार्यशैली लगातार प्रशासन के प्रति नकारात्मक रही है और वो दबाव बनाकर अपनी स्वार्थ पूर्ति करना चाहते हैं। दो बच्चों की बरामदगी स्वाभाविक तौर पर खुशी की बात है और प्रशासन की सक्रियता और उनकी संजीदगी के कारण ही बच्चे बरामद किये गये। हम उन सामाजिक संगठनों और समाचार पत्रों को भी बधाई देते हैं जिन्होंने रांची प्रशासन के साथ कदमताल मिलाकर बच्चों की जिंदगी बचाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है। लेकिन प्रतिपक्ष के नेता यह भूल गये कि बिना प्रशासन के सहयोग और समर्थन से ये नहीं हो सकता था। सिर्फ प्रशासन का नकारात्मक छवि पेश करना बाबूलाल जी की आदत बन गई है।

पूर्व रेलवे
खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी–डब्ल्यूसी–टी–2025–26–18, दिनांक: 13.01.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं.: टीआरडी–डब्ल्यूसी–टी–2025–26–18, कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल में एनामेल्ड/विकृत रेट्रो–रिफ्लेक्टिव नंबर प्लेट को बदलना और साथ ही ओएचई से संबंधित अन्य रेट्रो–रिफ्लेक्टिव बोर्डों का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 1,01,78,187.11, **बयाना राशि:** रु. 2,00,900/–, **कार्य की समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 06 (छह) माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तिथि से 45 दिन। **खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 10.02.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।
ASN-306/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

मकर संक्रांति : दामोदर नदी में उमड़ी आस्था की भीड़

बिभा संवाददाता

बोकारो : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर बोकारो में हर्षोल्लास का माहौल रहा। बोकारो-धनबाद को जोड़ने वाले तेलमचो पुल के पास दामोदर नदी के घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों समेत बड़ी संख्या में भक्तों ने पवित्र स्नान कर त्योहार की शुरूआत की। इस दौरान एक माह से मनाए जा रहे टुसू त्योहार का भी विसर्जन किया गया। जिले की विभिन्न नदियों और तालाबों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। स्थानीय निवासी रामेश्वर महतो ने बताया, आज सुबह नदी-तालाब में स्नान कर दही-चूड़ा और तिल के लड्डू ग्रहण किए जाते हैं। घाटों पर पूर्वजों को भोग चढ़ाया जाता है। यह परंपरा वर्षों पुरानी है, इसलिए हम हर साल यहां आते हैं। टुसू का विसर्जन भी

इसी दिन होता है। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे, जिससे कोई अप्रिय घटना न घटे। मकर संक्रांति पर पतंगबाजी और तिल-गुड़ के प्रसाद वितरण ने भी उत्साह दोगुना कर दिया।

देवघारा मेला: दामोदर तट पर उमड़ी भक्तों की भारी भीड़, किसानों ने चढ़ाया नई फसल

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड के सिलफोर पंचायत अंतर्गत लेटरागोड़ा स्थित दामोदर नदी तट पर गुरुवार को पारंपरिक देवघारा मेला आयोजित हुआ। हर वर्ष की तर्ज पर इस बार भी हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।भक्तों ने पवित्र दामोदर नदी में स्नान कर दंडवत होकर बूढ़ा बाबा मंदिर पहुंचे और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। किसानों ने अपनी नई धान की फसल का चढ़ावा चढ़ाया। परंपरा के अनुसार, उन्होंने धान की बालियों का गुच्छा बाबा को अर्पित किया। महिलाओं ने मेले में खरीदारी की, जबकि बच्चों ने झूलों का जमकर आनंद लिया। अंत में, महाप्रसाद का वितरण श्रद्धालुओं में किया गया।

सेक्टर 4 एलआईसी मैदान के सामने चंडी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

बिभा संवाददाता

बोकारो : शहर के सेक्टर 4 एलआईसी मैदान के सामने स्थित प्राचीन खेलाय चंडी मंदिर में बंगला पंचांग के अनुसार माघ माह के पहले दिन मां चंडी की विधिवत पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही भक्तों का तांता लग गया। जिले के सबसे पुराने चंडी मंदिर होने के कारण दूर-दराज से लोग मन्नत मांगने पहुंचे।महुआर के राजा के पुत्र कुंवर राजन ने बताया कि मंदिर के गर्भगृह में 10 फीट नीचे मां चंडी की स्वयंभू प्रतिमा विराजमान है। लगभग 300 वर्ष पूर्व से यहां निरंतर पूजा हो रही है। प्रतिमा के दर्शन के बाद ही मंदिर का निर्माण हुआ। पुजारियों ने सुबह कलश स्थापना कर फूल, फल और प्रसाद के साथ पूजन किया।

मन्नत पूरी होने पर बकरे की बलि की प्रथा

मंदिर में मन्नत मांगने वाले श्रद्धालु वचन पूरा होने पर अगले वर्ष बकरे की बलि चढ़ाते हैं। गुरुवार को पूजा के बाद करीब 155 बकरे की बलि दी गई। भक्त जोड़ा नारियल, चढ़ावा और पूजा-अर्चना करते हैं। कुंवर राजन ने कहा कि बीमारी में मंदिर किनारे मिट्टी फेंकी जाती है, जबकि संतान प्राप्ति के लिए खिलौने चढ़ाए जाते हैं। पूजा के अवसर पर मंदिर परिसर में मेला भी लगा।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने जीजीपीएस बोकारो की अरिबा हसन को किया सम्मानित, राज्यस्तरीय काव्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान

बोकारो (बिभा)। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), बोकारो के लिए सोमवार का दिन किसी उत्सव से कम नहीं रहा। विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा अरिबा हसन ने झारखंड राज्यस्तरीय पाठ/कविता वाचन (सस्वर पाठ) प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्था का नाम रोशन किया। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने स्वयं उन्हें सम्मानित कर गौरवान्वित किया।यह प्रतिष्ठित आयोजन 57वें वार्षिक कार्यक्रम एक नए और सशक्त भारत का निर्माण के अंतर्गत भारत का पुनर्निर्माण थीम पर आधारित था। भव्य समारोह 12 जनवरी को रामकृष्ण मिशन आश्रम, मोरहाबादी, रांची में हुआ, जिसमें राज्य भर से सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। कक्षा 5 से 7 की श्रेणी में अरिबा ने अपनी भावपूर्ण वाचन शैली से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।उनकी प्रस्तुति में स्पष्ट उच्चारण, सधी हुई स्वर लय, अनुशासित मंच उपस्थिति और दमकता आत्मविश्वास झलक रहा था। पाठ में मूल्यों की मिठास, विचारों की धार तथा अनुशासन की सुगंध स्पष्ट थी, जिसने निर्णायकों का मन मोह लिया। राज्यपाल गंगवार ने अरिबा को सम्मान पत्र और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनकी प्रतिभा की सराहना की। विद्यालय प्रधानाचार्य अभिषेक कुमार ने कहा, अरिबा की यह उपलब्धि हमारी शैक्षणिक उत्कृष्टता, सतत अभ्यास और विद्यार्थियों की प्रतिभा निखार की परंपरा की गौरवशाली साक्षी है। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री तरसेम सिंह (जीजीईएस) और सचिव एस.पी. सिंह ने भी हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि अरिबा जैसे छात्र विद्यालय की पहचान हैं और उनके भावी प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह सफलता बोकारो के युवा प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा संदेश है कि परिश्रम और अनुशासन से कोई लक्ष्य असंभव नहीं।

राष्ट्रीय गतका स्कूल गेम्स में कौशल दिखाएंगे एमजीएम स्कूल के छह छात्र

बोकारो(बिभा)। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की ओर से छत्तीसगढ़ के रायपुर में 17 से 22 जनवरी तक होने वाले राष्ट्र स्तरीय गतका स्कूल गेम्स में सेक्टर-4 स्थित एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, बोकारो के छह छात्र झारखंड टीम की ओर से भाग लेंगे।स्कूल के प्राचार्य फादर डॉ. जोशी वर्गीस ने बताया कि शौर्य, देवराज, तेजस्वी नारायण, रिया सिंह, ऋषिका कुमारी और माया कुमारी मेडल जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, ?विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यालय में खेलकूद की बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध है और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में छात्र राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीत रहे हैं।?खिलाड़ियों के साथ कोच विनायक वैभव और झारखंड सरकार की ओर से संजय यादव भी रायपुर रवाना हुए। पिछले 12 दिनों से रांची के खेल गांव में झारखंड सरकार के प्रशिक्षण कैंप में राज्य के गतका प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को तैयार किया। प्राचार्य ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।मौके पर उप प्राचार्य राखी बनर्जी, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, शैक्षिक निदेशक जार्ज जोसफ, खेल प्रशिक्षक राजेश्वर सिंह, मीनाक्षी कुमारी, वंदना कुमारी, पूनम कुमारी, मोहसिन, सौरभ कुमार आदि उपस्थित थे।

शिक्षकों ने प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार को किया सम्मानित

बोकारो(बिभा)। डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानीपोखर के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार को नई दिल्ली में डॉक्टेरेट की उपाधि से सम्मानित किए जाने पर गुरूवार को प्रार्थना सभा में स्कूल के शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल के उप प्राचार्य ओलाक चतुर्वेदी व प्रभारी बिंदु सिंह ने कहा इस सम्मान से पूरा स्कूल प्रबंधन समेत शिक्षक व छात्र भी काफी गोरवान्वित हैं। स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार को वर्ष 1996 से ही शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए उन्हें डॉक्टरेट की उपाधी से सम्मानित किया गया है। मौके पर डॉ. मुकेश कुमार ने कहा मैं इस सम्मान के लिए ईश्वर समेत माता-पिता, सभी शिक्षकों और सभी शुभचिंतकों को ह्रदय से धन्यवाद देता हूं। यह दिन मेरे लिए बहुत विशेष और आनंदमय है। यह सभी शिक्षकों व अभिभावकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है। मौके पर शिक्षक विश्वजीत शर्मा,अरूण कुमार, गीता सिहं, सरिता सिन्हा,राखी कुमारी, साक्षी कुमारी, माधुरी कुमारी, अनु सिंह, वीणा कुमारी, वनशिखा , विभा रानी, सुधा सिन्हा, निशा सिंह, पार्वती कुमारी, शमिता महथा, बबिता कुमारी, आशु कुमारी, ममता कुमारी, मनोरमा कुमारी, किरण सिंह, उषा कुमारीआदि शामिल रहे।

बीएसएल में एबीबी ड्राइव्स पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के ऑटोमेशन लैब में संयंत्र के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं गैर-अधिकारियों के लिए एबीबी ड्राइव्स (डीसीएस 800) पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. दिनांक 15 जनवरी से 17 जनवरी 2026 तक चलने वाले इस कार्यक्रम का संचालन संयंत्र के विशेषज्ञ एवं अनुभवी फैकल्टी के सहयोग से किया जा रहा है.

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (एसएमएस-2 एवं सीसीएस) त्रिभुवन प्रसाद वर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) बसंत कुमार सिंह तथा महाप्रबंधक (ईटीएल) हरिहर राउत उपस्थित थे. कार्यक्रम के आरंभ में प्रबंधक (मानव संसाधन-एल&डी) जय नारायण यादव ने सभी प्रतिभागियों एवं मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी. इस सत्र का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री त्रिभुवन प्रसाद वर्मा द्वारा किया गया.

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि त्रिभुवन प्रसाद वर्मा ने डीसीएस 800 ड्राइव के तकनीकी महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के गहन प्रशिक्षण से कर्मी न केवल ड्राइव सिस्टम की बेहतर समझ प्राप्त करेंगे, बल्कि जटिल तकनीकी समस्याओं के समाधान (ट्रबलशूटिंग) में भी अधिक सक्षम बन सकेंगे. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तकनीकी रूप से दक्ष कार्यबल संयंत्र की उत्पादकता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि सुनिश्चित करेगा.

महाप्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री बसंत कुमार सिंह ने कहा कि आज के परिवर्तनशील तकनीकी परिवेश में निरंतर कौशल-संवर्धन समय की मांग है. उन्होंने प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और आश्वस्त किया कि ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग भविष्य में भी ऐसे ज्ञान-आधारित कार्यक्रमों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा. महाप्रबंधक (ईटीएल) श्री हरिहर राउत ने डीसीएस 800 ड्राइव के ईटीएल परिचालनों में व्यावहारिक उपयोग पर अपने विचार रखे और कर्मचारियों से इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने का आग्रह किया.

डाक्टरेट की मानक उपाधि मिलने पर प्राचार्य को सम्मानित किया

बिभा संवाददाता

बोकारो। तुपकाडीह किड्स आइलैंड पब्लिक स्कूल के निदेशक सह प्राचार्य सर्वेश कुमार दुबे को दिल्ली में हानिया इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल कान्क्लेव 2026 में डाक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित करने की खुशी में गुरुवार को स्कूल के कला भवन में शिक्षकों , अभिभावकों ने एक सादे समारोह में उनका स्वागत किया। उप प्राचार्य प्रतिभा दुबे ने कहा कि यह उपाधि निदेशक को इनके द्वारा विगत 18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में किये गए उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। दुबे ने बताया कि यह सम्मान अपने माता पिता , गुरु , अग्रजों , शुभचिंतकों के नाम करता हूं और भविष्य में कुछ बेहतर बनाने का काम करूंगा।

चिन्मय विद्यालय में श्री विष्णु सहस्रनाम पाठ का आयोजन

बोकारो(बिभा) : चिन्मय विद्यालय, बोकारो में मकर संक्रांति के उपलक्ष में 15 जनवरी 2026, गुरुवार को श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ का आयोजन किया गया। भक्तों ने भगवान विष्णु के एक हजार नामों का पाठ किया और उनकी विधिवत पूजा अर्चना की। विष्णु सहस्त्रनाम पाठ चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने कराई। साथ ही, विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और अन्य कई शिक्षक - शिक्षिका मौजूद रहे। पूजा की शुरूआत भगवान विष्णु के आवाहन और आरती के साथ हुई। इसके बाद स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने मौजूद सभी भक्तों से संकल्प कराया और भगवान विष्णु की विधिवत पूजा कराई। साथ ही साथ, स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने भगवान विष्णु की महिमा और मकर संक्रांति पर्व की महिमा के बारे में भी व्याख्या किया। इसके बाद स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने श्री विष्णु सहस्त्रनाम पाठ शुरू किया। भगवान विष्णु के हर एक नाम के साथ एक पुष्प अर्पित करते हुए भक्तों ने भगवान विष्णु की पूजा की। सहस्त्रनाम पाठ के बाद श्री विष्णु आरती की गई और स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने सभी को प्रसाद देकर खूब सारा आशीर्वाद दिया। भक्तों ने भी प्रफुल्लित मन से एक - दूसरे को मकर संक्रांति पर्व की बधाई दी।

बोकारो में 1 फरवरी को पासवान परिवार का जिला स्तरीय पिकनिक व मिलन समारोह

बिभा संवाददाता

बोकारो। बाबा चौहरमल और राजा सहलेश को नमन करते हुए बोकारो पासवान परिवार समाज ने 1 फरवरी को पुराना बसंत मेला मैदान, सिटी पार्क में जिला स्तर का पिकनिक सह मिलन समारोह तथा वानभोज कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है।इस भव्य आयोजन में बोकारो शहर के अलावा गोमिया, बेरमो, कटहरा, चंद्रपुरा, चांदनकायरी, बांधडीह समेत सभी प्रखंडों से पासवान बंधु भाग लेंगे। बोकारो पासवान परिवार के अध्यक्ष मनोज कुमार पासवान ने बताया, ?हम हर प्रखंड में जाकर इस भव्य आयोजन का निमंत्रण दे रहे हैं, ताकि कोई भी पासवान समाज का सदस्य इससे वंचित न रहे। संगठन की मजबूती और समाज की एकजुटता को नई दिशा देने के उद्देश्य से आयोजन की तैयारी युद्ध स्तर पर की जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि इस मिलन से हमारे बंधुओं में आपसी भाईचारा और सामाजिक जागरूकता बढ़े, तथा भविष्य में सामूहिक प्रयासों से क्षेत्रीय विकास में योगदान दें।?समाज के अनेक सम्मानित एवं गणमान्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में नवगठित सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष मनोज पासवान ने सभी को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल, सफल और समाज हितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

डीएवी सेक्टर -4 में भारतीय सेवा दिवस के अवसर पर पूर्व सैनिक हुए सम्मानित

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारतीय सेवा दिवस के उपलक्ष्य में डीएवी सेक्टर-4 में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसमें भारतीय सेवा में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके पूर्व सैनिकों को सम्मानित कर उनके शौर्य, समर्पण और देश के प्रति उनके कर्तव्य परायणता को नमन किया गया। हमारे देश के गरिमा ,राष्ट्रीयता और राष्ट्रभक्ति की अभूतपूर्व कहानी बयां करने वाले पर आज के इस पावन दिवस पर विद्यार्थियों में इस दिवस की महता और प्रासंगिकता पर प्रकाश देने के लिए भारतीय सेवा से सेवानिवृत्ति सैनिकगण श्री एस के सिंह (सेवाकाल 1965 -71), श्री जसवंत सिंह (2001 में इंडियन आर्मी से सेवानिवृत कारगिल के वीर योद्धा), श्री मनोज कुमार झा (आर्मी मेडिकल कोर से सेवानिवृत्त) श्री राजीव कुमार (इंडियन नेवी से सेवानिवृत्ति) ,कार्तिक कुमार (इंडियन आर्मी से 2009 में सेवानिवृत) एवं राकेश मिश्रा (इंडियन नेवी से सेवानिवृत्त) ने विद्यालय के विशेष प्रार्थना सभा में सम्मिलित होकर विद्यार्थियों से अपने विचार और अनुभव साझा किए । विद्यालय के प्राचार्य श्री एसके मिश्रा ने पुष्पगुच्छ एवं शॉल देखकर सभी पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। भूतपूर्व सैनिक श्री एसके सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह उनका परम सौभाग्य है कि उन्हें मां भारती की सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ ?। देश की सरहद पर चौकसी करने वाले सिपाही इस माटी की हिफाजत करते-करते किसी दुश्मन की कुत्सित कृत्यों का शिकार हो मातृभूमि की रक्षा में शहीद हो जाते हैं।आज की युवापीढ़ी को उनके जीवन से अनुशासन और सच्ची राष्ट्रभक्ति को आत्मसात करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। पूर्व सैनिक श्री मनोज कुमार झा ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रधर्म ही सर्वश्रेष्ठ और सच्चा धर्म है और हर भारतीय के अंतस में अपनी जन्मभूमि के प्रति निःस्वार्थ समर्पण और त्याग भावना रखना उसकी राष्ट्रभक्ति की पहचान है। विद्यालय के प्राचार्य श्री एसके मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि आज का यह दिवस समर्पित है हमारे देश की जल,थल और वायु सेवा में अपनी सेवाएं देने वाले सभी सैनिकों के सम्मान में। देश की रक्षा में प्रतिदिन समर्पित उनके त्याग बलिदान,राष्ट्रभक्ति,राष्ट्रीय प्रेम और उनके पराक्रम को ग्रहण करने और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता करने के लिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अपील की कि सर्वप्रथम वो एक सच्चे भारतीय नागरिक के रूप में स्वयं को समझे,आत्मसात करें और राष्ट्रहित में स्वयं को स्थापित करें । अंत में भारत मां की जयकारा और वंदे मातरम के गुंजन के साथ प्रार्थना सभा समाप्त की गई।

बीएसएल सेक्टर-3 क्लब चालू कराने को बीएकेएस की पीएमओ में शिकायत, प्रबंधन ने 2026-27 में शुरू करने का दिया आश्वासन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) के सेक्टर-3 रिक्रियेशन क्लब को चालू कराने के लिए बिहार-झारखंड खनन मजदूर संघ (बीएकेएस) ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में शिकायत दर्ज कराई। पीएमओ के हस्तक्षेप के बाद बीएसएल प्रबंधन ने जवाब दिया है कि वित्त वर्ष 2026-27 (अप्रैल 2026 से मार्च 2027) में क्लब को सुचारू रूप से शुरू कर दिया जाएगा।यह क्लब 16 सितंबर 2023 को 1.31 करोड़ रुपये की लागत से उद्घाटित किया गया था, लेकिन तब से बंद पड़ा है। बीएकेएस ने कई पत्राचार, आरटीआई और आग्रह के बावजूद प्रबंधन द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर पीएमओ का दरवाजा खटखटाया। पीएमओ को दिए गए जवाब में बीएसएल ने स्पष्ट किया कि अप्रैल 2026 से क्लब को पूरी सुविधाओं के साथ चालू किया जाएगा।क्लब में अभी फर्नीचर, इनडोर गेम्स, जिम, योगा सेंटर, बाउंड्री वॉल, ग्राउंड, लाइटिंग, सीसीटीवी, पेवर ब्लॉक और कैंटीन जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। प्रबंधन के पास अब ढाई महीने का समय बचा है, जिसमें सभी कार्य पूरे करने होंगे। बीएकेएस अध्यक्ष हरिओम कुमार ने इसे हजारों बीएसएल कर्मचारियों की नैतिक जीत बताया।

बीएकेएस अध्यक्ष हरिओम कुमार ने कहा, अब बीएसएल और सेल कॉरपोरेट के जिम्मेदार अधिकारी अगर हमारी यूनियन व कर्मचारियों की जायज मांगों का समय पर समाधान नहीं करेंगे, तो हम मजबूर होकर हर मामले को पीएमओ और कोर्ट में ले जाएंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। बाहरी व गैर-निर्वाचित नेताओं के दम पर कर्मचारियों का शोषण अब समाप्त हो गया है।

मकर संक्रांति पर सुधा डेयरी ने रचा नया कीर्तिमान, बोकारो में दही-दूध की रिकॉर्ड बिक्री

बिभा संवाददाता

बोकारो : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सुधा डेयरी ने बोकारो में इतिहास रच दिया। त्योहार की सुबह से ही शहरभर में सुधा दही और दूध की जबरदस्त मांग देखने को मिली। जहां डेयरी ने 80 टन दही बिक्री का लक्ष्य तय किया था, वहीं दोपहर तक ही 96 टन दही बिक चुका था। गुरुवार देर रात तक 100 टन दही बिक्री होने की संभावना है।

इतना ही नहीं, मकर संक्रांति के दिन साढ़े छह लाख लीटर दूध की बिक्री ने भी पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। हर गली-मोहल्ले, दुकान और घर में सुधा उत्पादों की मौजूदगी ने यह

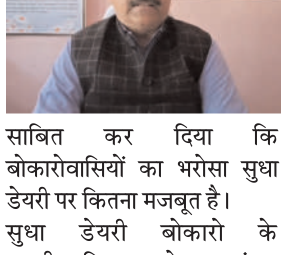

साबित कर दिया कि बोकारोवासियों का भरोसा सुधा डेयरी पर कितना मजबूत है।

सुधा डेयरी बोकारो के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय ग्राहकों को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सुधा डेयरी आगे भी गुणवत्ता और भरोसे के साथ ग्राहकों की उम्मीदों पर खरी उतरती रहेगी।

पम्पू तालाब हत्याकांड : मृतक का पुत्र-पुत्री और बेटी का प्रेमी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

धनबाद। पम्पू तालाब से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद रेलकर्मी बीरबल की लाश मामले में धनबाद पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए हत्या में संलिप्त मृतक के पुत्र, पुत्री और पुत्री के प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार यह मामला घरेलू विवाद और पूर्व नियोजित साजिश से जुड़ा हुआ है।

गुरुवार को धनबाद के सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए बताया कि बीते 05 जनवरी को पम्पू तालाब से एक शव बरामद हुआ था, जिसकी पहचान रेलकर्मी बीरबल के रूप में हुई थी, जो पेट्रोल पंप के समीप, हरी मंदिर, हीरापुर का निवासी था। उसकी बड़ी बेटी आरती कुमारी के आवेदन पर धनबाद थाना में यूडी कांड संख्या 02/26 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया।

अनुसंधान के दौरान तकनीकी साक्ष्य, सीडीआर विश्लेषण, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं चिकित्सकों के बयान से यह स्पष्ट हुआ कि बीरबल की मौत कोई सामान्य मौत नही थी, बल्कि उसकी मौत गला घोंटने की वजह से हुई थी। इसके बाद पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक अत्यधिक शराब का सेवन करता था, जिसकी वजह से वह घर में आए दिन विवाद, गाली-गलौज और मारपीट किया करता था। इसी कारण मृतक के पुत्र रोहित कुमार, छोटी पुत्री ऋतू कुमारी एवं ऋतू कुमारी के प्रेमी फरदीन खान ने उसकी हत्या की योजना बनाई।

पुलिस के अनुसार 04 जनवरी 2026 की रात रोहित कुमार और फरदीन खान ने मृतक को शराब में नशीली दवा मिलाकर पिलाई, जिससे वह अचेत हो गया। इसके बाद उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर आमटाल के एक सुनसान स्थान पर ले जाया गया, जहां मफलर से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को पम्पू तालाब में फेंक दिया गया।

पुलिस ने इस मामले में शराब की खाली बोतल, हत्या में प्रयुक्त मफलर तथा अपाचे मोटरसाइकिल (संख्या जेएच 10बीजे 8959) को जब्त किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

धनबाद की दो छात्राओं का अनोखा प्रयोग, रंग बदलेगा और बताएगा हवा जहरीली है या नहीं

छात्राओं ने बनाया बायोसिग्नल पेंट

दीवार बताएगी आपकी हवा कितनी जहरीली

बिभा संवाददाता

धनबाद। हम जिस हवा में सांस लेते हैं, वह कितनी स्वच्छ है, इसकी जानकारी आम लोगों को नहीं होती। जबकि प्रदूषित हवा शरीर में प्रवेश कर कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि जिस वातावरण में हम रह रहे हैं, वहां की आबोहवा कितनी सुरक्षित है। अब इसके लिए न तो महंगी मशीनें लगाने की जरूरत है और न ही किसी तकनीकी विशेषज्ञता की। कोयलांचल की दो बाल वैज्ञानिकों ने ऐसा पेंट तैयार किया है, जो हवा में मौजूद प्रदूषण की जानकारी रंग बदलकर देगा।

डिगवाडीह स्थित डीनोबिली स्कूल की छठी कक्षा की छात्राएं स्वरा एस राव और आव्या साहू ने इस अनोखे प्रयोग को सफलतापूर्वक तैयार किया है। उन्होंने इसे बायोसिग्नल पेंट नाम दिया है। यह पेंट दीवार पर लगाए जाने के बाद आसपास की हवा में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसों के बढ़ने या घटने का संकेत देता है।

सामान्य स्थिति में यह पेंट बैंगनी रंग का रहता है। लेकिन जैसे ही हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ती है, पेंट का रंग बदलकर हरा हो जाता है। वहीं प्रदूषण कम होने पर यह फिर से अपने मूल बैंगनी रंग में लौट आता है। इस तरह बिना किसी उपकरण के लोग अपने आसपास के वायु प्रदूषण की स्थिति जान सकते हैं।

छात्रा स्वरा एस राव ने बताया कि यह पेंट रेड कैबेज के जूस और जिलेटिन पाउडर से बनाया गया है। रेड कैबेज में पाया जाने वाला एंथोसायनिन नामक रसायन पीएच सेंसिटिव होता है, जो गैसों के प्रभाव से रंग बदलता है। स्वरा के अनुसार, माइनिंग क्षेत्र में कोयले की कटाई के दौरान अत्यधिक धूल और प्रदूषण से सांस लेने में परेशानी हो रही थी, तभी उन्हें इस प्रयोग का विचार आया।

वहीं छात्रा आव्या साहू ने बताया कि बायोसिग्नल पेंट पूरी तरह इको-फ्रेंडली है और इसे बनाना भी आसान है। रेड कैबेज को उबालकर उसका जूस निकाला जाता है, उसमें जिलेटिन मिलाकर पेंट तैयार किया जाता है। डीनोबिली स्कूल के प्राचार्य फादर सुशील सुमन ने इस उपलब्धि को स्कूल और समाज के लिए गर्व की बात बताया। उन्होंने कहा कि यह पेंट लोगों को प्रदूषण के प्रति जागरूक करेगा और बचाव के उपाय अपनाने में मदद करेगा। स्वरा के पिता डॉ. संतोष राव और आव्या की माता आरती साहू, दोनों सिंफर में वैज्ञानिक हैं।

संक्षिप्त खबरें

समाजसेवी गणेश साव ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल का वितरण

जोरापोखर(बिभा)। जेलगोड़ा 16 नंबर में गुरुवार को मकर संक्रांति के अवसर पर समाजसेवी गणेश साव ने जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। कुल 86 कंबल लोगों के बीच वितरण किए गए। इस अवसर पर श्री साव ने कहा कि ठंड को देखते हुए कंबल वितरण का कार्य किया गया है। हमारा प्रयास आगे भी जारी रहेगा। लाभान्वित लोगों में जेलगोड़ा, बरारी, डुमरियाटार, बूढ़ीबांध के लोग शामिल थे। मौके पर परवेज अंसारी, सब्बीर अंसारी, रूबी देवी, राजू कुमार, सिधेश्वर पासवान आदि थे।

प्री बोर्ड परीक्षा में 90% से ऊपर रही छात्रों की उपस्थिति

धनबाद(बिभा)। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर आज, 15 जनवरी 2026, से मैट्रिक एवं इण्टरमीडिएट की द्वितीय प्री-बोर्ड तथा 9वीं एवं 11वीं की प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा शुरू हुई। प्री बोर्ड परीक्षा के लिए छात्रों में भारी उत्साह देखने को मिला। प्री बोर्ड परीक्षा में धनबाद प्राणजीवन एकेडमी में 99%, राज प्लस टू स्कूल झरिया में 93%, अपग्रेडेड हाई स्कूल करमाटांड में 98%, मॉडल स्कूल गोविंदपुर में 99% सहित जिले के विभिन्न स्कूलों में 90 प्रतिशत से अधिक छात्रों की उपस्थिति दर्ज हुई। वहीं उपायुक्त आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार परीक्षा के बाद सभी स्कूलों में पिछले प्री-बोर्ड की कॉपियाँ चेक की गईं। साथ ही टॉपर के नंबर डिसप्ले बोर्ड पर दशार्यें गए। इसके अलावा छात्रों के साथ प्री-बोर्ड प्रश्न पत्र पर चर्चा की गई। जबकि अनुपस्थित छात्रों को शिक्षकों द्वारा फोन करके ट्रैक किया गया और परीक्षा में सम्मिलित होने को कहा गया। वहीं एसएमसी और पीटीएम में रिजल्ट पर चर्चा की गई। जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने टुंडी के मनियाडीह स्थित प्रोजेक्ट प्लस टू हाई स्कूल एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने अपग्रेडेड हाई स्कूल कसियाटांड गोविंदपुर का भ्रमण किया। जबकि संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अपने-अपने क्षेत्र की विद्यालयों का भ्रमण कर छात्रों का मार्गदर्शन किया। प्री-बोर्ड परीक्षा का आयोजन 16 जनवरी, 19 जनवरी, 20 जनवरी, 21 जनवरी व 22 जनवरी को दो सिटिंग में किया जाएगा। पहली सिटिंग में मैट्रिक के लिए सुबह 9 बजे से 12 बजे तक तथा इण्टरमीडिएट के लिए द्वितीय सिटिंग में दोपहर 12.30 बजे से 3.30 बजे तक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। जबकि 24 जनवरी को परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

बच्चा अपहरण की कोशिश से हड़कंप, बस स्टैंड पर 9 वर्षीय बच्चे को मां से छीनने लगी संदिग्ध महिला

बिभा संवाददाता

धनबाद। झारखंड में हाल ही में रांची से अपहृत बच्चे अंशझअंशिका की बरामदगी के बाद पूरे राज्य में सतर्कता और दहशत का माहौल है। इसी बीच धनबाद जिले के बाघमारा थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां दिनदहाड़े एक संदिग्ध महिला ने नौ वर्षीय बच्चे को उसकी मां की गोद से छीनकर ले जाने का प्रयास किया। घटना बाघमारा थाना क्षेत्र के इंदिरा चौक बस स्टैंड की है।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि गुरुवार को जोड़ापोखर की रहने वाली रेवती देवी अपने नौ वर्षीय पुत्र रियौन राज के साथ ऑटो में बैठकर अपने मायके (करमाटांड़, बोकारो) जाने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात महिला वहां पहुंची और अचानक बच्चे का हाथ पकड़कर उसे जबरन खींचने लगी। हैरानी की बात यह रही कि संदिग्ध महिला ने मौके पर मौजूद लोगों के सामने बच्चे को अपना बेटा बताते हुए उसकी असली मां रेवती देवी को ही चोर करार देना शुरू कर दिया। दोनों महिलाओं के बीच धक्का-मुक्की और छीना-झपटी देख बस स्टैंड पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

वहीं, मामले की गंभीरता को समझते हुए स्थानीय लोगों ने तत्काल बाघमारा पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही बाघमारा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं तथा बच्चे को थाने ले गई। इसी दौरान रेवती देवी के परिजन भी थाने पहुंच गए।

थाने में रेवती देवी ने बच्चे से संबंधित आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र समेत अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया। जांच और साक्ष्यों के मिलान के बाद पुलिस ने बच्चे को उसकी असली मां के हवाले कर दिया।

इस घटना को लेकर मासूम रियौन राज ने बताया- वह अपनी मां के साथ मामा के घर जा रहा था, तभी वह महिला आई और जबरदस्ती उसे ले जाने लगी। यही नहीं वह महिला मुझसे धक्का-मुक्की कर रही थी, जिससे मैं बहुत डर गया था।

वहीं, पीड़ित मां रेवती देवी ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि ऐसे संदिग्धों या बच्चा चोर गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य मां को इस तरह की भयावह स्थिति का सामना न करना पड़े।

इस संबंध में बाघमारा थाना प्रभारी अजित कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। संदिग्ध महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में महिला की मानसिक स्थिति संदिग्ध प्रतीत हो रही है, जिसके कारण उसे मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला कहां की रहने वाली है और क्या वह किसी गिरोह से जुड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दे दी गई है। थाना प्रभारी ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी स्थिति में कानून अपने हाथ में न लें। किसी भी संदिग्ध घटना की सूचना तुरंत 100/112 या नजदीकी पुलिस थाना को दें। साथ ही बच्चों के साथ यात्रा करते समय उनके पहचान पत्र (आधार कार्ड की फोटो कॉपी) साथ रखने की उन्होंने सलाह दी।

धनबाद निकाय चुनाव में सरगर्मी तेज, झामुमो समर्थित मेयर उम्मीदवार के रूप में नीलम मिश्रा घोषित

बिभा संवाददाता

धनबाद। नगर निकाय चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने मेयर पद के लिए अपने समर्थित उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। धनबाद जिला झामुमो अध्यक्ष लखी सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी ने डॉ. नीलम मिश्रा को मेयर पद का उम्मीदवार घोषित किया। इस मौके पर पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया कि भले ही नगर निकाय चुनाव दलगत आधार पर नहीं होते, लेकिन झामुमो का पूर्ण समर्थन डॉ. नीलम मिश्रा के साथ रहेगा। महानगर इकाई की अनुशंसा के बाद पार्टी आलाकमान के निर्देश पर डॉ. नीलम मिश्रा चुनाव मैदान में उतरेंगी। वही डॉ. नीलम मिश्रा धनबाद की जानी-मानी हस्ती हैं। वे धनबाद के प्रसिद्ध तिवारी होटल के संस्थापक कंठी तिवारी की पुत्री हैं। उनके पति एक निजी स्कूल में शिक्षक हैं। डॉ. नीलम मिश्रा का जन्म धनबाद में ही हुआ है और यहीं उनका पालन-पोषण हुआ है, जिसके कारण उनका शहर की जनता से गहरा जुड़ाव रहा है।

प्रेस वार्ता के दौरान डॉ. नीलम मिश्रा ने धनबाद की जनता से आशीर्वाद और समर्थन की अपील करते हुए कहा कि यदि जनता ने मौका दिया तो वे शहर के विकास, स्वच्छता, बुनियादी सुविधाओं और जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देंगी।

टाटा स्टील करेगा 14वीं वार्षिक पुष्प एवं सब्जी प्रदर्शनी की मेजबानी

बिभा संवाददाता

रामगढ़। टाटा स्टील का वेस्ट बोकारो डिवीजन ने वार्षिक पुष्प और सब्जी प्रदर्शनी के 14वें संस्करण की घोषणा की है। यह तीन दिवसीय आयोजन 17 से 19 जनवरी तक वेस्ट बोकारो के जेआरडी टाटा पार्क में आयोजित किया जाएगा। यह भव्य आयोजन प्रकृति की सुंदरता, स्थानीय रचनात्मकता और सतत सामुदायिक विकास का जश्न होगा।पिछले 14 वर्षों की सफल विरासत के साथ, यह प्रदर्शनी प्रतिदिन 10,000 से अधिक दर्शकों को आकर्षित करती रही है।

इस प्रदर्शनी में कुल 50 विविध स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां उत्पादों और अनुभवों की एक समृद्ध श्रृंखला प्रस्तुत की जाएगी। मनमोहक फूलों की साज सज्जा, आकर्षक एवं बारीक कला एवं शिल्प प्रदर्शनी, पारंपरिक हस्तशिल्प, प्रामाणिक खादी वस्त्र, टेराकोटा के सुंदर उत्पाद, टाटा स्टील फाउंडेशन से जुड़े किसानों द्वारा प्रस्तुत ताजी सबज़ियां, टाटा एग्रीको के नवीन एवं आधुनिक कृषि उपकरण शामिल है।

इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण 10,000 से अधिक फूलों और सब्जियों के पौधों से बेहद बारीकी से तैयार की गई मनमोहक पुष्प सज्जाएं होंगी। इन भव्य प्रस्तुतियों में प्रतिष्ठित टाटा स्टील का लोगो, सैंड आर्ट, तितलियां, मोर, झरने, धरती मां को समर्पित एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि, साथ ही रंग बिरंगी रंगोली और पेंटिंग आर्ट शामिल होंगे।

नंबर प्लेट पर YADAV लिख नियमों का मजाक बनाने वाला स्कॉर्पियो चढ़ा पुलिस के हत्थे

बिभा संवाददाता

धनबाद। एक ओर जहां धनबाद में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है, लोगों को लगातार मोटर वाहन अधिनियम के तहत जागरूक किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर फैशन के लिए लोग खुल्लमखुल्ला मोटर वाहन अधिनियम का उलंघन कर रहें हैं। एक ऐसा ही वीडियो पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर वायर हो रहा था, जिसमे एक ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो YADAV 0304 नंबर और पुलिस स्टिकर के साथ धनबाद की सड़कों पर फरार्टे भर रही थी। वहीं, इसका वीडियो वायरल होने के बाद धनबाद परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गुरुवार को स्कॉर्पियो को जब्त किया गया है।

पुलिस ने वाहन को धनबाद के बरमसिया से जब्त किया है। जिसका ओरिजनल नंबर जेएच10सीएस 0304 है। इस संदर्भ में धनबाद जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी.द्विवेदी ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद गाड़ी को जब्त करने में हुए विलंब का मुख्य कारण वायरल वीडियो में गाड़ी के नंबर प्लेट पर सिर्फ लास्ट के चार अंक दिखाई देना था, जिस वजह से गाड़ी ट्रेस होने में समय लगा। लेकिन परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने अपने प्रयास से अन्ततः गाड़ी को जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में यह पाया गया है कि गाड़ी के मालिक ने फैशन के चक्कर में वाहन के नंबर से छेड़छाड़ की है, जो परिवहन अधिनियम के नियमों के उलंघन का एक गंभीर मामला है। नंबर प्लेट वायलेशन के साथ-साथ इस गाड़ी में और जो भी वायलेशन पाए जाएंगे उसको देखते हुए मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि यह सिक्युरिटी वायलेशन भी हो सकता है, ऐसे में उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कभी भी मोटर वाहन अधिनियम उलंघन न करें, नियमों का पालन करते हुए ही वाहन का उपयोग करें। इसके साथ ही ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार ने कहा कि लगातार सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत लोगों को मोटर वाहन अधिनियम को लेकर जागरूक किया जा रहा है। पिछले वर्ष करीब 12 सौ वाहनों के सीसे से ब्लैक फिल्म उतरवा कर कार्रवाई की गई थी, इस वर्ष भी लगातार वैसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, लेकिन कुछ ऐसी गाड़ियां अभी भी हैं जो मोटर वाहन अधिनियम का उलंघन कर रहें हैं, जिसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व महापौर के जन्मदिन पर गोल्फ ग्राउंड में कटा केक, निकाय चुनाव में पुनः महापौर बनने का लिया आशीर्वाद

बिभा संवाददाता

धनबाद। पूर्व महापौर चंद्रशेखर अग्रवाल का जन्मदिन गुरुवार को शहर के गोल्फ ग्राउंड में भव्य और उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। सुबह-सवेरे मॉर्निंग वॉकरों के बीच केक काटकर जन्मदिन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, समर्थक और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। जहाँ लोगों ने उन्हें पुनः महापौर बन धनबाद को विकास की पटरी पर लाने का आशीर्वाद दिया। आयोजन के दौरान पूरे परिसर में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व महापौर चंद्र शेखर अग्रवाल ने धनबाद के विकास को लेकर अपनी स्पष्ट राय रखी। उन्होंने कहा कि धनबाद को फिर से संवरने का समय आ गया है। वर्ष 2015 से 2020 के बीच शहर ने विकास की जिस गति को पकड़ा था, वह 2020 के बाद लंबे अंतराल तक रुक गई। उन्होंने कहा कि इस दौरान न सिर्फ नए विकास कार्य प्रभावित हुए, बल्कि कई जगहों पर मेंटेनेंस तक ठीक से नहीं हो पाया।

चंद्र शेखर अग्रवाल ने इसके पीछे का कारण बताते हुए कहा कि पार्षदों और जनता के बीच संपर्क की कमी सबसे बड़ा कारण रही। जब जनप्रतिनिधि और आम लोग एक-दूसरे से सीधे नहीं जुड़ पाते, तो विकास की रफ्तार थम जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि अब समय बदलने वाला है और आने वाले दिनों में धनबाद फिर से विकास की गति पकड़ेगा, साथ ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

वहीं कार्यक्रम में मौजूद मॉर्निंग वॉकर ग्रुप सुबह सवेरे के अध्यक्ष आनंद चौरसिया ने पूर्व महापौर के दीघार्यु होने की कामना की। उन्होंने कहा कि चंद्र शेखर अग्रवाल के महापौर कार्यकाल में धनबाद में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए, जिन्हें आज भी शहर की जनता याद करती है। उनके नेतृत्व में किए गए कार्यों की छाप आज भी शहर के विभिन्न हिस्सों में देखने को मिलती है।

आनंद चौरसिया ने यह भी कहा कि आने वाले समय में जनता एक बार फिर उन्हें जीत का ताज पहनाकर विकास की नई गाथा गढ़ने का अवसर देगी। उन्होंने भरोसा जताया कि चंद्र शेखर अग्रवाल के अनुभव और नेतृत्व से धनबाद को एक बार फिर नई पहचान मिलेगी।

जन्मदिन समारोह के दौरान समर्थकों ने केक काटने के साथ-साथ फूल-मालाओं से पूर्व महापौर का स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम ने न सिर्फ जन्मदिन का उत्सव मनाया, बल्कि धनबाद के विकास को लेकर एक नई चर्चा और उम्मीद भी पैदा की।

अदालत ने दो दोषी भाइयों को सुनाई 10 - 10 वर्ष की सजा

पलामू। पलामू व्यवहार न्यायालय के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नंबर नौ आभाष कुमार की अदालत ने गुरूवार को लेस्लीगंज के दो भाइयों एलए पांडे और मिथलेश पांडे को दोषी पाते हुए 10 -10 वर्ष की कारावास की सजा सुनायी है।साथ ही अदालत ने दोनों पर 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमाने की राशि नहीं देने पर दोनों को एक वर्ष की अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी होगी। दोनों भाइयों पर आरोप है कि उन्होंने एक नाबालिग को बहला फुसलाकर बाहर काम करने के लिए ले गए थे और वहां से गूम कर दिया था। आरोपितों ने पूछताछ करने पर कुछ भी बताने से इनकार किया था। इस संबंध में पलामू की तत्कालीन आहातू थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े ने जांच कर रिपोर्ट समर्पित की थी। दोनों भाई लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के बांसडीह चौरा के रहने वाले हैं। यह जानकारी जिले की एसपी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

पूर्वी टुंडी में श्मशान घाट अतिक्रमण मामले में एफआईआर दर्ज

बिभा संवाददाता

टुंडी/धनबाद। पूर्वी टुंडी के रामपुर पंचायत के खेशमी श्मशान घाट अतिक्रमण मामले में ग्रामीणों की मांग पर संज्ञान लेते हुए अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। यह कार्रवाई रामपुर पंचायत के खेशमी जोरिया स्थित श्मशान घाट पर अतिक्रमण को लेकर हुई महापंचायती के बाद की गई है। इसमें सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए थे। अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी नीतीश कुमार की उपस्थिति में हुई इस कार्रवाई से ग्रामीणों में खुशी है।

इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए अंचल अधिकारी ने बताया कि पूर्वी टुंडी के रामपुर पंचायत के खेशमी जोरिया स्थित शमशान घाट के अतिक्रमण को लेकर आज ग्रामीणों द्वारा एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोग शामिल हुए। ग्रामीणों ने एक स्वर में सार्वजनिक शमशान घाट की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी दलबल के साथ मौके पर पहुँचे। पंचायत के दौरान ग्रामीणों ने साक्ष्यों के साथ अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराई।

ग्रामीणों की मांग और मामले की गंभीरता को देखते हुए अंचल अधिकारी ने तुरंत संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए पूर्वी टुंडी थाना में प्राथमिकी कांड संख्याः 6/26 दर्ज करा दी गई है। एफआईआर में संबंधित भू-राजस्व और अतिक्रमण अधिनियम के तहत धाराएं लगाई हैं।

अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकारी या सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने कहा कि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

इस महापंचायत में मुख्य रूप से रामपुर पंचायत के जनप्रतिनिधि और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई का स्वागत किया है।

सावरमती से आसमान तक पतंगों की बोली में भारत-जर्मनी की दोस्ती की नई ऊँचाई

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मुलाकात के बाद यह स्पष्ट संदेश सामने आया कि भारत-जर्मनी साझेदारी बहुआयामी है। यह साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांतिपूर्ण सहयोग पर आधारित है। रक्षा क्षेत्र में विश्वास, व्यापार में परस्पर लाभ, तकनीक में साझेदारी और संस्कृति में आत्मीयता इन चार स्तंभों पर यह रिश्ता आगे बढ़ रहा है।

साबरमती रिवरफ्रंट से जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने एक साथ पतंग उड़ाई, तो वह दृश्य केवल उत्तरायण के उल्लास का प्रतीक नहीं था, बल्कि भारत-जर्मनी संबंधों की उस उड़ान का संकेत भी था, जो संस्कृति से लेकर रणनीति और व्यापार से लेकर तकनीक तक नए आयाम छू रही है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव आईकेएफ-2026
का शुभारंभ एक ऐसे मंच पर हुआ, जहाँ रंगीन पतंगों के साथ-साथ कूटनीति, आर्थिक सहयोग और रक्षा साझेदारी के संदेश भी हवा में घुले हुए थे। अहमदाबाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पोल-हवेलियों की स्थापत्य झलक, पतंग संग्रहालय, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियाँ इन सबने मिलकर यह बता दिया कि भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति के साथ वैश्विक मित्रताओं को कैसे सशक्त करता है।

उत्तरायण गुजरात की आत्मा से जुड़ा पर्व है। यह केवल पतंगबाजी नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, लोककला, संगीत और परंपरा का संगम है। जब इसी मंच पर जर्मनी के राष्ट्राध्यक्ष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, तो यह संदेश स्पष्ट था कि भारत अपने मित्र देशों को केवल औपचारिक बैठकों में नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धड़कन में भी आमंत्रित करता है। पोल और हवेली की प्रतिकृतियाँ, कारीगरों द्वारा पतंग निर्माण का जीवंत प्रदर्शन, गरबा रास, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम और मलखंब जैसी कलाओं की प्रस्तुतियाँ तथा भारतीय और जर्मन धुनों का समन्वय यह सब भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली प्रदर्शन था। ऐसी सांस्कृतिक कूटनीति रिश्तों को केवल समझौतों तक सीमित नहीं रहने देती, बल्कि उनमें भावनात्मक मजबूती भी जोड़ती है।

इसी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बीच भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण अध्याय भी सामने आया। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को नई ऊँचाई देने वाली प्रोजेक्ट-75 की पनडुब्बी परियोजना इस साझेदारी का प्रतीक बनकर उभरी है। जर्मनी की प्रसिद्ध रक्षा कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और भारत के मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड के बीच पहले से हुए समझौते के तहत छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियों का निर्माण भारत में ही किया जाना प्रस्तावित है। लगभग 8 बिलियन डॉलर, यानी करीब 72 हजार करोड़ रुपये की यह डील भारतीय नौसेना के इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में गिनी जा रही है। इन पनडुब्बियों की खासियत एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक है, जो उन्हें लंबे समय तक बिना सतह पर आए समुद्र के भीतर ऑपरेशन करने में सक्षम बनाएगी। कम शोर, अधिक स्टील्थ और लंबी अवधि तक छिपे रहने की क्षमता यही वह गुण हैं, जिनकी भारतीय नौसेना को लंबे समय से तलाश थी।

इस डील का महत्व केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है। इसका सीधा लाभ ह्यमेक इन इंडियाह्ल और ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ल अभियानों को मिलता है। निर्माण भारत में होने से देश के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी, कुशल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और तकनीकी ज्ञान का हस्तांतरण होगा। जर्मनी के लिए यह डील भारत जैसे बड़े और भरोसेमंद साझेदार के साथ दीर्घकालिक सहयोग का अवसर है, जबकि भारत के लिए यह समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन को मजबूत करने का साधन बनती है। बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा और समुद्री चुनौतियों के दौर में यह साझेदारी भारत की प्रतिरोधक क्षमता को नई धार देती है।

भारत और जर्मनी के रिश्ते केवल रक्षा तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग भी निरंतर विस्तार पा रहा है। आज भारत में दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियाँ सक्रिय हैं, जो ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, रसायन, ऊर्जा, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। यह संख्या जर्मनी के भारत पर भरोसे और भारत के बढ़ते बाजार सामर्थ्य का प्रमाण है। द्विपक्षीय व्यापार की बात करें तो भारत और जर्मनी के बीच वार्षिक व्यापार लगभग 26 से 30 बिलियन डॉलर के बीच आंका जाता है, और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावनाएँ जताई जा रही हैं।

जर्मनी से भारत मुख्य रूप से मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल और उनके पुर्जे, रसायन, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मेडिकल टेक्नोलॉजी और उन्नत इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। ये वे क्षेत्र हैं, जहाँ जर्मनी की तकनीकी दक्षता विश्वभर में प्रसिद्ध है। दूसरी ओर भारत जर्मनी को वस्त्र, परिधान, चमड़ा उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, आईटी सेवाएँ, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, कृषि-आधारित उत्पाद और इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात करता है। सेवा क्षेत्र में आईटी और डिजिटल समाधान भारत की मजबूत उपस्थिति को दर्शाते हैं, जबकि फार्मा और रसायन क्षेत्र भारत की विनिर्माण क्षमता का उदाहरण हैं।

इस व्यापारिक रिश्ते का लाभ दोनों पक्षों को मिलता है। जर्मनी को भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुँच मिलती है, जहाँ युवा आबादी, बुनियादी ढांचे का विस्तार और औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएँ हैं। भारत को जर्मनी से उन्नत तकनीक, गुणवत्ता मानक और नवाचार का लाभ मिलता है, जो घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाता है। यही कारण है कि दोनों देश केवल पारंपरिक व्यापार तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि स्टार्टअप्स, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भी साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

कच्छ-सौराष्ट्र जैसे क्षेत्रों में निवेश और व्यापारिक सम्मेलनों के जरिए इस सहयोग को जमीनी स्तर तक ले जाने की कोशिश दिखाई देती है। बी-टू-बी और बी-टू-जी बैठकों में जिस तरह का उत्साह देखने को मिल रहा है, वह बताता है कि स्थानीय उद्यमी, कारीगर, स्टार्टअप्स और तकनीकी विद्यार्थी वैश्विक अवसरों से जुड़ने के लिए तैयार हैं। ऐसे आयोजनों में उद्योग, कृषि, मत्स्य पालन, पर्यटन, पर्यावरण, सस्टेनेबिलिटी और भविष्य की तकनीकों पर संवाद न केवल निवेश को आकर्षित करता है, बल्कि ज्ञान और नवाचार के आदान-प्रदान को भी गति देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मुलाकात के बाद यह स्पष्ट संदेश सामने आया कि भारत-जर्मनी साझेदारी बहुआयामी है। यह साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांतिपूर्ण सहयोग पर आधारित है। रक्षा क्षेत्र में विश्वास, व्यापार में परस्पर लाभ, तकनीक में साझेदारी और संस्कृति में आत्मीयता इन चार स्तंभों पर यह रिश्ता आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव जैसे मंच पर इसका प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारत अपनी कूटनीति को केवल बंद कमरों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे जन-उत्सवों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाता है।

साबरमती के आसमान में उड़ी पतंगें इस बात की गवाह बनीं कि भारत और जर्मनी के संबंध केवल कागजी समझौतों तक सीमित नहीं हैं। यह एक ऐसी मित्रता है, जो संगीत की लय, नृत्य की मुद्राओं, कारीगरों की कला और रणनीतिक समझौतों आदि सबमें समान रूप से दिखाई देती है। आने वाले वर्षों में जब यह साझेदारी और गहरी होगी, तब शायद इन पतंगों की डोरें नए व्यापारिक मार्गों, नई तकनीकी खोजों और मजबूत रणनीतिक संतुलन से जुड़ी नजर आएँगी। साबरमती से उठा यह दोस्ती का संदेश दूर-दूर तक गया है, और संकेत दे रहा है कि भारत-जर्मनी संबंधों का आकाश अभी और भी विस्तृत होने वाला है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

पाकिस्तान युद्ध के संकेत!

जम्मू-कश्मीर में राजौरी, पुंछ और सांबा के इलाकों में, सीमापार से, 8-10 ड्रोन उड़ते देखे गए। सेना तुरंत हरकत में आई और एंटी ड्रोन सिस्टम सक्रिय किया गया, उतनी ही देर में वे गायब हो गए। सीमा पर भारत की सेना ह्यहाई अलर्टह्ल की स्थिति में है। हमारे थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आगाह किया है कि ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल अब भी जारी है। पाकिस्तान इसके मायने बखूबी जानता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी खुलासा किया कि नियंत्रण-रेखा पर 6 और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2 आतंकी अड्डे सक्रिय देखे गए हैं। उनमें आतंकी गतिविधियां भी देखी गई हैं। यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो इस बार उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि सेना प्रमुख ने चेतावनी दी है। जनरल ने यह भी बताया कि बीती मई में ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के दौरान पाकिस्तान के 100 से अधिक फौजी भी मारे गए थे। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 9 लड़ाकू विमान गिराए, 11 एयरबेस तबाह किए और 2 अवॉक्स सिस्टम बर्बाद किए थे। पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को ह्यमिट्टी-मलबाह्ल कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा। परमाणु हमले की बातें पाकिस्तान के नेता ही करते हैं, जो पूरी तरह ह्यब्लफह्ल है। सिर्फ सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने ही चेतावनी का बयान नहीं दिया है, बल्कि सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने भी बीते दिनों युद्ध की आशंका जताई थी। उन्हें पाकिस्तानी फौज की अंदरूनी हलचलों के कुछ ह्यलीडह्ल मिले होंगे, जिनके आधार पर उन्होंने आशंका जताई थी कि पाकिस्तान की तरफ से युद्ध जैसा दुस्साहस किया जा सकता है। बहरहाल हमारी सेनाएं मुस्तैद और सक्रिय हैं, बेशक युद्ध की कैसी भी संभावनाएं बनें। 2025 में कुल 31 आतंकी ढेर किए गए, जिनमें अधिकतर पाकिस्तानी थे। कश्मीर में आज भी ह्यजयचंदह्ल सक्रिय हैं, लिहाजा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ऐसे कुल 85 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया है, जिनके आतंकियों के साथ तार जुड़े थे और यह साबित भी हुआ है। देश का दुर्भाग्य और बुनियादी विडंबना रही है कि कुछ तत्त्व ऐसे सामने आते रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तान नाम की खुजली होती रही है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु?ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपेरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

ट्रंप के दौर में अमेरिका का लोकतंत्र खतरे में?

सनत कुमार जैन

यूरोपीय देशों में निराशा, बेरोजगारी और महंगाई...

अमेरिका लंबे समय से स्वयं को दुनिया के सबसे मजबूत आर्थिक एवं लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद से उनकी छवि पर गंभीर सवाल सारी दुनिया में खड़े हो गए हैं। ट्रंप ने न सिर्फ अमेरिका की वरन अंतरराष्ट्रीय संस्थागत मयार्दाओं को चुनौती देने का काम किया है। अमेरिका की चुनावी प्रक्रिया, न्यायपालिका, मीडिया और लोकतांत्रिक परंपराओं, वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाओं पर सीधा हमला किया है । 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद अब वह एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुआ हमला इस बात का प्रमाण है। ट्रंप की सत्ता की लालसा उन्हें किस हद तक ले जाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। उक्त घटना केवल अमेरिका की आंतरिक समस्या नहीं थी। वैश्विक लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी यह एक चेतावनी थी। ट्रंप की राजनीति ने अमेरिकी समाज को गहरे अंधेरे में धकेल दिया है। नस्ल, धर्म, प्रवासियों और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उग्र बयानबाजी ने ट्रंप और अमेरिका की असहिष्णुता को बढ़ावा दिया है। अमेरिका फर्स्ट की नीति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और व्यापार को लेकर अमेरिका को सारी दुनिया में कमजोर करने का काम किया है। बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। जब दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश ही लोकतांत्रिक मूल्यों को मानने से इंकार करे, तो उसका असर स्वाभाविक रूप से दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ता है।

अब इसका प्रभाव यूरोप में भी नजर आने लगा है। कई यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी ताकतें मजबूत होना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोकतंत्र और मानव अधिकार को लेकर भरोसा कमजोर हो रहा है। युवा पीढ़ी भविष्य को लेकर गहरी निराशा में है। बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं को असुरक्षा की भावना से भर दिया है। कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट ने यूरोप की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। इस कारण जीवन-यापन की मुश्किलें बढ़ती चली जा रही हैं। रोजगार के अवसर भी बड़ी तेजी के साथ कम होते जा रहे हैं। यूरोप के युवा सवाल पूछ रहे हैं, क्या लोकतांत्रिक सरकारें उनकी समस्याओं का समाधान कर पाएंगी? आज विश्व के 60 से ज्यादा देशों में अपनी ही सरकार के खिलाफ लोग उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकारें महंगाई रोकने, स्थायी रोजगार देने और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफल साबित हो रही हैं। ऐसी स्थिति में कट्टरपंथी विचार धाराओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। यही स्थिति अमेरिका में भी देखी जा रही है। आर्थिक असुरक्षा और असंतोष को ट्रंप राजनीतिक ताकत से दबाने की कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में आवश्यकता है, अमेरिका और यूरोप जैसे देश अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करें। आम जनता के प्रति पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाएं। आम लोगों की तथा युवाओं की आर्थिक चिंताओं को प्राथमिकता देकर उनका निराकरण करें।

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है। नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा और भविष्य की उम्मीद की व्यवस्था लोकतांत्रिक शासन प्रणाली है। यदि यह भरोसा टूटता है, तो खतरे में सिर्फ अमेरिका नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। 1995 में आर्थिक व्यापार संधि के बाद वैश्विक स्तर पर दुनिया के सारे देश एक दूसरे के बहुत करीब आए थे। पूरी सोच बदल गई थी। पिछले दो दशक में दुनिया के सभी देशों में कर्ज को लेकर आर्थिक जरूरतें पूरी करने की जो मुहिम चल रही थी वह अब कर्ज के बोझ से बुरी तरह से दब चुकी है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी का खतरा बड़ी तेजी के साथ फैलता हुआ नजर आ रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से अमेरिका फर्स्ट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उपेक्षा करते हुए मनमानी कर रहे हैं, सारी दुनिया के देशों को टैरिफ के भय तथा अमेरिका की ताकत के आगे झुकाने का प्रयास कर रहे हैं। इसका खामीयाजा अमेरिका को भुगतना पड़ सकता है। यही गलती एक समय पर सोवियत रूस ने की थी। वही गलती अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करते हुए दिख रहे हैं।

शब्द, संवेदना और संस्कृति का संगमः दिल्ली पुस्तक मेला-2026

सुनील कुमार महला

स्वामी विवेकानंद जी ने यह बात कही है कि-पुस्तकें वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को दूर करती हैं।वास्तव में सच तो यह है कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे सच्ची मित्र होती हैं, जो बिना कुछ कहे हमें जीवन का सही मार्ग दिखाती हैं। अच्छी किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं और अज्ञान के अंधकार को दूर कर सोचने-समझने की शक्ति विकसित करती हैं। वे अनुभवों, विचारों और संस्कारों से हमें समृद्ध बनाती हैं तथा जीवन भर हमारा साथ निभाती हैं। सच ही कहा गया है कि पढ़ने की आदत मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारती है और उसे बेहतर इंसान बनाती है। वहीं पर पुस्तक मेला ज्ञान, विचारों और संस्कृति के आदान-प्रदान का जीवंत मंच होता है, जहां पाठकों को नई-पुरानी पुस्तकों, लेखकों और प्रकाशकों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलता है। यह पठन-पाठन की रुचि को बढ़ावा देकर समाज में बौद्धिक चेतना को मजबूत करता है। साथ ही, पुस्तक मेला साहित्य, शिक्षा और रचनात्मकता को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाता है। इस क्रम में,हाल ही में नई दिल्ली के भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में आयोजित दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2026 (53वां संस्करण) दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक है। यह भव्य आयोजन 10 जनवरी 2026 से 18 जनवरी 2026 तक, कुल 9 दिनों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस विशाल साहित्यिक उत्सव का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के सहयोग से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर का 53वां संस्करण भी शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट की ओर से ही आयोजित किया गया है।पाठकों को बताना चाहूंगा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 10 जनवरी 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर 2026 का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने पुस्तक 'द सागा ऑफ कुडोपालीः 1857 की अनकही कहानी' का विमोचन किया, जिसे हिंदी सहित कई भारतीय भाषाओं और स्पेनिश भाषा में प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक ओडिशा के संबलपुर क्षेत्र में वीर सुरेंद्र साई के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक विद्रोह और शहीदों के बलिदान को सम्मानित करती है। इस वर्ष का पुस्तक मेला कई मायनों में विशेष है, क्योंकि पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। मेले में 30 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक और लगभग 3000 स्टॉल शामिल हैं, जहाँ हिंदी, अंग्रेजी सहित अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं की पुस्तकों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। इस बार मेले की मुख्य थीम -'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और बुद्धिमत्ता @75' (इंडियन मिलिट्री हिस्ट्रीःवेलोर एंड विज्डम) रखी गई है, जिसके अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, इतिहास और योगदान को साहित्य और प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। थीम मंडप लगभग 1000 वर्ग मीटर में फैला एक अत्याधुनिक इमर्सिव (त्रि-आयामी) अनुभव प्रदान करता है, जहाँ भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के 75 वर्षों के गौरवशाली इतिहास को जीवंत रूप में दशार्या गया है। यहाँ अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस के आदमकद मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जो मेले के प्रमुख आकर्षण हैं। साथ ही, देश के 21 परमवीर चक्र विजेताओं को विशेष श्रद्धांजलि भी दी गई है।इस पुस्तक मेले में 600 से अधिक साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, लेखक संवाद, कवि सम्मेलन तथा बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिससे यह मेला लेखकों, प्रकाशकों और पाठकों के लिए एक भव्य साहित्यिक उत्सव बन गया है। आज के डिजिटल, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में जब पुस्तकों के प्रति रुचि कम होती जा रही है, ऐसे समय में यह मेला विशेष रूप से युवाओं (जेन-जेड) और बच्चों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।मेले में कला और संस्कृति, इतिहास, सिनेमा, व्यक्तित्व और जीवनियाँ, भूमि और लोग, गांधीवादी साहित्य तथा बाल साहित्य जैसे विविध विषयों पर पुस्तकें उपलब्ध हैं। प्रीमियम पुस्तकों की श्रेणी में 'राष्ट्रपति भवन श्रृंखला', राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के चयनित भाषण, महात्मा गांधी की रचनाएँ तथा पंडित मदन मोहन मालवीय की रचनाएँ विशेष रूप से शामिल हैं। पुस्तकों के समृद्ध संग्रह के साथ-साथ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रकाशन विभाग भी मेले में अपनी प्रसिद्ध पत्रिकाएँ योजना, कुरुक्षेत्र, आजकल और बाल भारती प्रदर्शित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, आगंतुक यहाँ से रोजगार समाचार की वार्षिक सदस्यता भी खरीद सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला एक अत्यंत लोकप्रिय और प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देश-विदेश के नामचीन प्रकाशक भाग लेते हैं। यहाँ पुस्तक विमोचन, लेखक से मिलने के कार्यक्रम, युवाओं और बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनका आगंतुक भरपूर आनंद लेते हैं। कालजयी कृतियों से लेकर समकालीन लेखन, बाल साहित्य, अनुवाद और विचारोत्तेजक चचाओं तक, यह मेला प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों को एक जीवंत मंच पर एकत्र करता है।वास्तव में, पुस्तकें ज्ञान की वाहक होती हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। इसी कारण किसी भी पुस्तक मेले का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत व्यापक होता है। पिछले कई वर्षों से दिल्ली में आयोजित यह पुस्तक मेला विश्वभर के प्रकाशकों के लिए एक प्रतिष्ठित और विश्वसनीय मंच बन चुका है। जानकारी के अनुसार, इस बार मेले में करीब 20 लाख से अधिक पाठकों के आने की उम्मीद है। इस मेले का प्रमुख उद्देश्य ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करना है, ताकि निःशुल्क प्रवेश के माध्यम से आर्थिक स्थिति किसी के पठन और शिक्षा के मार्ग में बाधा न बने। साथ ही, डिजिटल और पारंपरिक पठन के संगम को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के माध्यम से डिजिटल रीडिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मेले में लगाए गए डिजिटल कियोस्क से पाठक 6000 से अधिक निःशुल्क ई-बुक्स क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड कर सकते हैं।इस वर्ष कतर को 'अतिथि देश' (गेस्ट आफ आनर) बनाया गया है, जिसका पवेलियन कतर की पारंपरिक वास्तुकला पर आधारित है, जबकि स्पेन को 'फोकस कंट्री' के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जहाँ स्पेनिश साहित्य और नवाचार पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा, 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष प्रदर्शनियाँ भी लगाई गई हैं। वहीं पीएम-युवा 3.0 योजना के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं के युवा लेखकों को मेंटरशिप और अपनी पुस्तकों के प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है। अंत में यही कहूंगा कि दिल्ली पुस्तक मेला 2026 साहित्य, संस्कृति और पठन-परंपरा के क्षेत्र में एक सफल, प्रेरक और ऐतिहासिक आयोजन के रूप में उभरा है। भारत मंडपम में आयोजित किए जा रहे इस पुस्तक मेले में देश-विदेश के प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है। निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था ने सभी वर्गों के लोगों को पुस्तकों से जोड़ने का अवसर दिया है, जिससे पाठक संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, दिल्ली पुस्तक मेला 2026 न केवल पुस्तक उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है, बल्कि समाज और युवाओं में पठन संस्कृति को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

लिवर सिरोसिस से बचने ठीक रखें खानपान

लिवर सिरोसिस धीमी गति से बढ़ने वाला रोग है। आम भाषा में कहें तो इस रोग में लिवर का आकार सिकुड़ने लगता है और उसमें कठोरता आने लगती है। इस रोग में लिवर की बहुत सारी कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं और उनकी जगह फाइबर तंतु ले लेते हैं। साथ ही लीवर की बनावट भी असामान्य हो जाती है, जिससे पोर्टल हाइपरटैंशन की स्थिति पैदा हो जाती है। इस बीमारी का अंतिम इलाज लीवर प्रत्यारोपण यानि लिवर ट्रांसप्लांट है।

लिवर सिरोसिस का मुख्य कारण इसका गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाना है और ये होता है गलत खान-पान की आदतों और एल्कोहल के ज्यादा सेवन की वजह से। खान-पान में आमतौर पर वसायुक्त चीजों का ज्यादा सेवन से, ज्यादा नॉन वेज आहार लेने से और दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी होती है।

लिवर सिरोसिस की तीन अवस्थाएं

ये एक गंभीर बीमारी है और ये धीरे-धीरे शरीर पर असर करती है इसलिए इसके लक्षण 3 अवस्थाओं में अलग-अलग देखने को मिलते हैं। इन लक्षणों की सहायता से और शरीर की जांच द्वारा इस बीमारी का पता लगाया जा सकता है।

पहली अवस्था में शरीर बेवजह थकान महसूस करने लगता है और इसका वजन घटना शुरू हो जाता है साथ ही पाचन संबंधी गडबडियां शुरू हो जाती हैं। दूसरी अवस्था में रोगी को बार-बार चक्कर आने लगता है और उल्टियां होने लगती हैं। इसके अलावा खाना खाने का मन नहीं करता है और बुखार बना रहता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था में उल्टियों के साथ खून आने लगता है और मरीज को बेहोशी होने लगती है। इसके अलावा मामूली सी चोट लगने पर भी खून नहीं रुकता है। तीसरा स्टेज आ जाने पर मरीज पर दवाओं का असर नहीं होता है। इसके बाद एकमात्र विकल्प लिवर का ट्रांस्प्लांट बचता है, जो एक बेहद खर्चीला इलाज है।

लिवर सिरोसिस से बचने के उपाय

लिवर सिरोसिस जैसे गंभीर रोग से बचाव के लिए आपको अपने खान-पान की आदतों में सुधार करना होगा। एल्कोहल पदार्थों का सेवन इसकी सबसे बड़ी वजह है इसलिए इसे आपको तुरंत बंद कर देना चाहिए। इसके अलावा फास्ट फूड्स, वसा वाले आहार, लंबे समय तक नॉन वेज आहार और गंदा पानी पीने से भी ये रोग हो जाता है। इससे बचाव के लिए आपको अपने आहार में विटामिन्स और एंटी ऑक्सिडेंट्स से भरे फल, हरी सब्जियां, फल, गाजर, मूली, चुकंदर, सिंघाड़ा, सोयाबीन, अंडा, दूध आदि का सेवन करना चाहिए।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से बढ़ता है बेली फैट

आजकल अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से बेली फैट बढ़ना काफी आम हो गया है। इस समस्या को लेकर मशहूर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने अपने बताया कि क्यों डाइट और लाइफस्टाइल में बिना किसी बदलाव के भी 30 की उम्र के बाद ज्यादातर लोगों का बेली फैट बढ़ने लगता है।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट कहते हैं कि पहले जो खाना नुकसान नहीं करता था, वही अब बेली फैट बढ़ने का कारण बन जाता है। पहले जैसी एक्सरसाइज करने पर भी उतना असर नहीं दिखता। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के मुताबिक, यह बदलाव शरीर में अचानक नहीं होता, बल्कि उम्र के साथ शरीर में होने वाले कुछ नेचुरल बदलावों की वजह से होता है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, 30 साल की उम्र के बाद हर दस साल में शरीर की 3-8 प्रतिशत मसल्स धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। जब शरीर में मसल्स होती हैं तो शरीर आराम करते हुए भी कैलोरी बर्न करता रहता है। वहीं, उम्र बढ़ने के साथ मसल्स कम होने से फैट बर्न भी कम हो जाता है। इसकी वजह यह है कि शरीर में ग्लूकोज को इस्तेमाल करने का लगभग 70-80प्रतिशत काम मसल्स ही करती हैं।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट बताते हैं कि जब मसल मास कम होता है तो शुगर खून में ज्यादा देर तक रहती है और बेली फैट के रूप में जमा होने लगती है उम्र बढ़ने के साथ बॉडी इंसुलिन सेंसिटिविटी भी हर दस साल में लगभग 4-5 प्रतिशत कम हो जाती है। इसका मतलब है कि पहले जितनी मात्रा में कार्ब्स खाने से कोई दिक्कत नहीं होती थी, वही मात्रा अब ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा देती है। इससे फैट जल्दी जमा होने लगता है, खासकर कमर और पेट के आसपास।30 की उम्र के बाद शरीर में कुछ हार्मोन्स का लेवल बदलने लगता है। ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन, टेस्टोस्टेरोन और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन्स का लेवल कम होने लगता है, जबकि कोर्टिसोल बढ़ जाता है।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, यह बदलाव पेट के गहरे हिस्से में फैट जमा होने को बढ़ावा देता है। इन सभी बदलावों के कारण 30 के बाद ज्यादातर लोगों का बेली फैट बढ़ने लगता है। प्रोटीन से भरपूर डाइट लें हफ्ते में कम से कम तीन बार स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने के लिए रोजाना वॉक करें और खुद को एक्टिव रखें। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट कहते हैं कि यह असर उन लोगों में और ज्यादा होता है जिन्हें फैटी लिवर, प्रीडायबिटीज, डायबिटीज या हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या होती है क्योंकि इंसुलिन रेजिस्टेंस ज्यादा फैट को पेट और लिवर में जमा करता है।

कोलेस्ट्रॉल से बचने जंक और फूड फास्ट फूड से रहें दूर

कोलेस्ट्रॉल एक तरह का वसायुक्त तत्व है, जिसका उत्पादन लिवर करता है। यह कोशिकाओं की दीवारों, नर्वस सिस्टम के सुरक्षा कवच और हॉर्मोस के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। यह प्रोटीन के साथ मिलकर लिपोप्रोटीन बनाता है, जो फैट को खून में घुलने से रोकता है। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं- एचडीएल (हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन, अच्छा कोलेस्ट्रॉल) और एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन, बुरा कोलेस्ट्रॉल)। एचडीएल यानी अच्छा कोलेस्ट्रॉल काफी हल्का होता है और यह ब्लड वेसेल्स में जमे फैट को अपने साथ बहा ले जाता है। बुरा कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल ज्यादा चिपचिपा और गाढ़ा होता है।

अगर इसकी मात्रा अधिक हो तो यह ब्लड वेसेल्स और आर्टरी में की दीवारों पर जम जाता है, जिससे खून के बहाव में रुकावट आती है। इसके बढने से हार्ट अटैक, हाई ब्लडप्रेशर और ओबेसिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कोलेस्ट्रॉल की जांच के लिए लिपिड प्रोफाइल नामक ब्लड टेस्ट कराया जाता है। किसी स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में कुल कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 200 मिग्रा./डीएल से कम, एचडीएल 60 मिग्रा./डीएल से अधिक और एलडीएल 100 मिग्रा./डीएल से कम होना चाहिए। आज हम आपको खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने और अच्छा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने के तरीके बता रहे हैं।

भागदौड भरी जिंदगी में फास्ट फूड और जंक फूड लोगों का सबसे पसंदीदा खाना हो गया है। समय की कमी की वजह से लोग इसका अधिक मात्रा में सेवन करते हैं। फास्ट फूड में कोलेस्ट्राल की अधिक मात्रा होती है। फास्ट फूड से दूर रह कर कोलेस्ट्राल की मात्रा कम की जा सकती है।

मीठी चीजें कम खाएं

शुगर का कम से कम उपयोग करें। यह मोटापा घटाने में भी आपकी मदद करेगा।यदि आपको खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करना है तो अखरोट और बादाम जैसी सूखी मेवा खूब खाएं। इससे रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। ह्रदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम करने और रक्त में लिपिड (वसा व कोलेस्ट्रॉल) का स्तर कम करने की अखरोट, बादाम व मूंगफली जैसी सूखी मेवा की पोषण संबंधी अद्बितीय विशेषताओं के चलते इन पर ज्यादा अध्ययन किया जा रहा है। इस तरह की सूखी मेवा में पौधों के प्रोटीन, वसा (खासकर असंतृप्त वसा अम्ल), खाने योग्य रेशे, खनिज, विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोस्टीरॉइड्स जैसे अन्य यौगिकों की मात्रा अधिक होती है।

कैसे बढ़ाएं गुड कोलेस्ट्रॉल

मोटापा और एलडीएल दोनों साथ-साथ होते हैं। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं कि आपको कमर तोड़ व्यायाम करना होगा। आप रोज थोड़ी कसरत और अपने खान-पान में सुधार कर बढ़े वजन को धीरे-धीरे काबू कर सकते हैं। विटामिन-बी उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन को बढ़ाने में सहायक होता है। विटामिन-बी 5 की 300 मिलीग्राम पूरक से भी आप अपने एचडीएल कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकता है लेकिन ध्यान रहे कि इसके कुछ दुष्प्रभाव जैसे कि जिगर की क्षति आदि भी हो सकते हैं, इसलिए कोई भी सप्लीमेंट या विटामिन लेने से पूर्व एक बार डॉक्टर से अवश्य सलाह लें। रोज लगभग तीस मिनट टहलने भर से आप अपना एचडीएल काफी बढ़ा सकते हैं।

कोलेस्ट्रालयुक्त खाना न खाएं

जिन खाद्य पदार्थों में कोलेस्ट्राल की मात्रा अधिक हो उनका सेवन ना करें। अंडा, दूध, मांस, मछली और चाकलेट में सबसे ज्यादा मात्रा में कोलेस्ट्राल पाया जाता है। अंडे के पीले भाग में सबसे ज्यादा मात्रा में कोलेस्ट्राल पाया जाता है। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के दौरान इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें।

बिस्तर पर करें ये 2 योगासन, 7 दिन में पिघलेगी पेट की चर्बी

महिलाएं अक्सर कामकाज, घर-परिवार और अनगिनत जिम्मेदारियों में इतना ज्यादा खो जाती हैं कि वह अपने मन और शरीर की जरूरतों को अनदेखा कर देती हैं। बढ़ती उम्र, भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल और हार्मोनल इंबैलेंस के बीच पेट के आसपास जिद्दी चर्बी जम जाती है। ऐसे में लंबा वर्कआउट या जिम जाने का समय निकाल पाना काफी मुश्किल होता है। वहीं सर्दियों में यह बड़ी चुनौती बन जाता है। क्योंकि सर्दियों में सुबह बिस्तर से निकलने का मन नहीं करता है।

ऐसे में आप योग के जरिए अपनी फिटनेस को बरकरार रख सकती हैं। क्योंकि योग न सिर्फ शारीरिक रूप से बल्कि आपको मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। योग से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन और मन में स्थिरता भी बढ़ती है। वहीं सही आसन और रोजाना अभ्यास करने से किसी भी परेशानी को आप मात दे सकती हैं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दो खास योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं। इन योगासन को आप सुबह बिस्टर पर पेट के बल लेटकर भी कर सकती हैं। इन आसन को करने में सिर्फ 10 मिनट का समय लगता है। लेकिन इसके नियमित अभ्यास से आपको सिर्फ 1 सप्ताह में पेट की चर्बी में हल्का सा बदलाव महसूस होने लगेगा।

धनुरासन

धनुरासन का अभ्यास करने से पेट की चर्बी पर सबसे ज्यादा प्रेशर डालता है और यह पाचन क्रिया को तेज करता है। इस आसन का अभ्यास करने से वेट लॉस में मदद मिलती है।

ऐसे करें ये आसन

इस आसन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं।

फिर पैरों को घुटनों से मोड़ें और टखनों को पकड़ने के लिए हाथों को पीछे की तरफ ले जाएं।

अब सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से और शरीर के निचले हिस्से को फर्श से ऊपर उठाएं। इससे आपका शरीर धनुष का आकार ले ले।

इसके बाद चिन को धीरे से ऊपर की तरफ मोड़ें और इसको बहुत धीरे-धीरे करें।

इस मुद्रा में 15-20 सेकेंड तक रहें। फिर सांस छोड़ते हुए आसन से बाहर आ जाएं और आराम करें।

भुजंगासन

इस आसन को करने से आपकी पीठ लचीली बनती है और पेट की चर्बी पर सीधा प्रेशर डालकर कम करने में सहायता मिलती है।

ऐसे करें ये आसन

इस आसन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं।

फिर हथेलियों को कंधों के ठीक नीचे जमीन पर रखें और पैरों को एक साथ रखें।

अब सांस पूरी तरह से अंदर लें और कुछ देर सांस रोकें।

इसके बाद धीरे-धीरे सिर, कंधे और धड़ को 3- डिग्री कोण पर ऊपर की ओर उठाएं।

इस दौरान आपकी नाभि जमीन पर टिकी रहे। कंधे चौड़े हों और सिर थोड़ा सा ऊपर की ओर उठा होना चाहिए।

करीब 10 सेकेंड तक इस आसन में रहें।

अब धड़ को धीरे-धीरे नीचे लाएं और फिर बाहर की ओर सांस छोड़ें।

बता दें कि इन रोजाना सिर्फ 10 मिनट इन योगासनों को करने से आपकी कोर स्ट्रेंथ बढ़ती है। पीठ दर्द कम होता है और पेट की चर्बी भी तेजी से कम हो सकती है।

वेट लॉस के लिए नींबू पानी या सिरका, किसका करें सेवन

आज के समय में हर दूसरा व्यक्ति अपने बढ़े हुए वजन से परेशान है और इसे कम करने के लिए तरह-तरह की डिटॉक्स ड्रिंक पीना पसंद करते हैं। जब वेट लॉस की बात होती है तो इसमें विनेगर और नींबू पानी को बहुत अधिक फायदेमंद माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ये दोनों ड्रिंक्स फैट बर्निंग में मदद करते हैं और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं। जिसकी वजह से आपको फ्लैट टमी मिलता है। लेकिन अक्सर लोग इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि इन दोनों में से किसका सेवन किया जाए।

विनेगर वेट लॉस में किस तरह मदद करता है

विनेगर आपकी भूख थोड़ी कम कर सकता है, जिससे आपको ज्यादा देर तक पेट भरा हुआ महसूस होगा। साथ ही, यह ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करने में मदद कर सकता है, जिससे आपको कम क्रेविंग होती है। यह डाइजेशन को भी बेहतर कर सकता है। विनेगर में एसिटिक एसिड होता है, जो फैट मेटाबॉलिज्म को भी हल्का सपोर्ट करता है।

विनेगर का सेवन किस तरह करें

एक चम्मच विनेगर को एक गिलास पानी में मिलाकर लिया जा सकता है। इसे खाने से पहले लेना सबसे अच्छा है। इसे कभी भी डायलूट किए बिना ना लें, क्योंकि यह एसिडिक होता है।

विनेगर से क्या नुकसान हो सकते हैं

विनेगर आपके दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा, इससे एसिड रिफ्लक्स, ब्लोटिंग, जलन हो सकती है। बीपी या शुगर की दवाओं के साथ यह दिक्कत कर सकता है। इसलिए अगर आपको गैस्ट्राइटिस, एसिडिटी, अल्सर है या आप बीपी या डायबिटीज की दवाएं ले रहे हैं, तो पहले डॉक्टर से पूछें।

नींबू पानी वेट लॉस में किस तरह मदद करता है

नींबू पानी आपको हाइड्रेटेड रखता है, जिससे आप बेवजह की स्नैकिंग कम होती है। यह डाइजेशन में मदद करता है। यह आपको फ्रेश और हल्का महसूस कराता है। हाइड्रेशन से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, वॉटर रिटेंशन कम होता है और आप पतले लगते हैं।

नींबू पानी का सेवन किस तरह करें

गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़कर लें। आप इसे सुबह या कभी भी ले सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद भी डाल सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से ऑप्शनल है।

नींबू पानी से क्या नुकसान हो सकते हैं

नींबू पानी से साइड इफेक्ट होने की संभावना काफी कम होती है। लेकिन सेंसिटिव लोगों में इससे एसिडिटी हो सकती है। इसका बहुत ज्यादा सेवन करने से दांतों का इनेमल खराब हो सकता है।

उद्धव ठाकरे का चुनाव आयोग पर आरोप, अमिट स्याही नेल रिमूवर और सैनिटाइजर से हट रही

महाराष्ट्र में चुनाव आयोग और महायुति के बीच मिलीभगत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों में जारी मतदान में धांधली के आरोप लगा दिए है। पूर्व सीएम ठाकरे ने आरोप लगाया कि मतदान के बाद मतदाताओं की उंगलियों पर लगाने वाली अमिट स्याही को नेल पॉलिश रिमूवर और सैनिटाइजर से आसानी से हटाया जा रहा है, जिससे कुछ लोग एक से अधिक बार वोट डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सत्ताधारी महायुति और राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के बीच मिलीभगत का बड़ा सबूत है। प्रेसवार्ता में पूर्व सीएम ठाकरे ने आरोप लगाया कि शायद यह पहला चुनाव है जिसमें इतनी शिकायतें आ रही हैं कि लगाई गई स्याही तुरंत हट रही है। महाराष्ट्र में चुनाव आयोग और महायुति के बीच मिलीभगत है। कई

अनियमितताएं हो रही हैं। चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर उन्होंने चुनाव आयोग पर कटाक्ष कर पूछा कि क्या उन्होंने स्याही को इतनी आसानी से हटाने के लिए किसी सैनिटाइजर एजेंसी को काम पर रखा था? मुझे लगता है कि चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने बीते नौ वर्षों में क्या किया है? चुनाव आयोग एक सेवक है, राजा नहीं। मैं आप सभी से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि कई लोग यह नहीं जानते कि उनका मतदान केंद्र कौन सा है...इसी वजह से कई समस्याएं आ रही हैं।

उन्होंने अपने मोबाइल पर सैनिटाइजर या नेल पॉलिश रिमूवर से स्याही हटाने का कथित सबूत दिखाकर कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यहां लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा, चुनाव आयुक्त वेतन क्यों ले रहे हैं? बीएमसी चुनाव नौ साल बाद हो रहे हैं। इन नौ सालों में उन्होंने क्या किया? यह जनता का पैसा है।

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति की जब्त, यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में सक्रिय था

नई दिल्ली (एजेंसी)। महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लेते हुए छत्तीसगढ़ में 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ एजेंसी ने ये कार्रवाई की। ईडी का कहना है कि यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच पर आधारित है। यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों में सक्रिय था। जब्त की गई संपत्तियों में अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से अर्जित अपराध की आय से प्राप्त संपत्तियां और निवेश शामिल हैं। ईडी की जांच में पता चला है कि महादेव सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म प्रमोटरों, पैनल संचालकों और एजेंटों के सुनियोजित नेटवर्क के जरिए संचालित हो रहा था। काली कमाई को फर्जी खातों, बेनामी खातों और कई स्तरों के वित्तीय लेनदेन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग किया जाता था। जांचकर्ताओं ने बताया कि मुनाफे का बड़ा हिस्सा 70 से 75 फीसदी मुख्य प्रमोटरों को मिलता था, जबकि शेष हिस्सा एजेंटों और उप-एजेंटों में बांटा जाता था। ये लोग सट्टेबाजी के संचालन, अकाउंट्स के प्रबंधन और डिजिटल और सोशल मीडिया चैनलों के जरिए प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने में शामिल रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि अवैध रकम को ट्रांसफर करने और छिपाने के लिए कई बैंक खातों और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था। अब तक ईडी ने कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और हजारों करोड़ के वित्तीय लेन-देन की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में 2600 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, एयर इंडिया के ए350 विमान के इंजन से टकराया कंटेनर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) पर गुरुवार को बड़ा हादसा टल गया। एयर इंडिया का विमान एयरबस ए350 विमान के इंजन से बड़ा लोहे का कंटेनर टकरा गया। बताया जा रहा है कि कंटेनर टकरा कर अंदर घुस गया। कंटेनर के अंदर घुसने की वजह से विमान का इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इंजन को ठीक करने का काम हो रहा है। अच्छी बात ये है कि इंजन के अलावा किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच, दिल्ली से सिंगापुर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2380 को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के संदेह के कारण वापस दिल्ली लौटना पड़ा। चालक दल (क्रू) ने सावधानी बरताकर विमान को वापस मोड़ने का फैसला किया, जिसके बाद विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतर गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, दिल्ली में मौजूद ग्राउंड टीम ने यात्रियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई। बाद में सभी यात्रियों को दूसरे वैकल्पिक विमान से सिंगापुर के लिए रवाना किया गया।

अपनी ही बेटी से कुकर्म करने वाले वायुसेना कर्मचारी को 20 साल की सजा

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून की जिला अदालत ने एक एयरफोर्स कर्मी को अपनी बेटी के साथ लगातार यौन शोषण के मामले में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने इसे विकृत कामुकता का गंभीर मामला बताते हुए कहा कि ऐसे कृत्य बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अत्यंत हानिकारक हैं तथा समाज के लिए कलंक हैं। मामला तब सामने आया जब पीड़िता ने 17 वर्ष की उम्र में अपनी मां को सब कुछ बता दिया। पीड़िता ने अदालत में गवाही दी कि आरोपी ने उसे मात्र 5 वर्ष की उम्र से शिकार बनाना शुरू किया था और यह सिलसिला 17 वर्ष की उम्र तक जारी रहा। आरोपी ने मथुरा, गुजरात और देहरादून में विभिन्न पोस्टिंग के दौरान कई बार दुष्कर्म किया। जब वह ड्यूटी पर बाहर होता, तो वीडियो कॉल करके पीड़िता को कपड़े उतारने के लिए मजबूर करता और न मानने पर पीटने की धमकी देता। 17 नवंबर 2023 को रायपुर थाने में मां की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ। विशेष लोक अभियोजक अल्पना थापा ने बताया कि जांच में पीड़िता के बयान, अन्य साक्ष्य और गवाही के आधार पर आरोपी को दोषी पाया गया। विशेष न्यायाधीश अर्चना सागर की अदालत ने बुधवार को सजा सुनाई। अदालत ने राज्य सरकार को पीड़िता को तीन लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत की तीखी टिप्पणी में कहा गया कि यह विकृत कामुकता का मामला है। बचाव पक्ष ने दलील दी कि मेडिकल रिपोर्ट में चोट के निशान नहीं थे और हाइमन इन्टैक्ट था, इसलिए दुष्कर्म साबित नहीं होता। अदालत ने इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय है। कोई भी बेटी अपने सगे पिता पर ऐसे गंभीर झूठे आरोप नहीं लगाएगी। जैसे-जैसे वह बड़ी हुई, उसे अपने साथ हो रहे गलत काम की समझ आई।

लुधियाना कोर्ट को मानव बम से उड़ाने की धमकी, अजमल नाम से आया ईमेल

लुधियाना (एजेंसी)। राजस्थान के लुधियाना में एक सिरफिरे ने ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स को दहलाने की धमकी दी थी यह ई-मेल अजमल अब्दुल राज के नाम से आई थी, जिसने मानव बम के जरिए धमाका करने की बात कही गई थी। पुलिस का कहना हैं कि ये नाम फर्जी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान अजमल अब्दुल राज के रूप में बताई है। ई-मेल में स्पष्ट रूप से लिखा है कि ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स लुधियाना में मानव बम का इस्तेमाल कर बड़ा धमाका किया जाएगा। इस गंभीर मामले को देखते हुए सेशन जज साहब के कार्यालय की ओर से आदेश जारी किया गया है। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट दर्ज करने और जांच के आदेश दिए हैं, जिसके बाद पुलिस ने ई-मेल के तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है ताकि आरोपी की लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर सेल की टीमें इस ई-मेल के स्रोत को खंगालने में जुट गई हैं। कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

जुबीन गर्ग की मौत पर कांग्रेस नेता गोगोई का बयान, किस पर करें भरोसा, सरमा पर या फिर सिंगापुर पुलिस पर?

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने हिमंता बिस्वा सरमा सरकार पर सवाल उठाकर कहा कि गायक जुबीन गर्ग की मौत को लेकर विरोधाभासी दावे सामने आ रहे हैं। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि जहां असम के मुख्यमंत्री ने इस हत्या बताया है, वहीं सिंगापुर के अधिकारियों ने जांच के बाद कहा है कि मौत स्वाभाविक थी और इसमें किसी तरह की साजिश नहीं थी। उन्होंने सवाल उठाया कि किस बात पर भरोसा किया जाए। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि हमें किस पर भरोसा करना चाहिए? सीएम सरमा ने कहा कि जुबीन गर्ग की हत्या हुई थी और उनकी एसआईटी टीम के जरिए पांच लोगों को गिरफ्तार किया। चार्जशीट में पांच से छह लोगों के खिलाफ साजिश के आरोप लगाए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने जुबीन की हत्या की साजिश रची और अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि सिंगापुर सरकार ने विस्तृत जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि मौत स्वाभाविक थी और इसमें किसी तरह की साजिश नहीं थी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर सरकार का कहना है कि यह एक सामान्य मौत थी और इसमें कोई साजिश नहीं थी। गहन जांच के बाद उनका यही निष्कर्ष है। अब हमें किस पर भरोसा करना चाहिए, सिंगापुर पक्ष पर या मुख्यमंत्री शर्मा पर, जिन्होंने खुद विधानसभा में कहा था कि जुबीन गर्ग की हत्या की गई थी? इस सप्ताह की शुरुआत में, असम सरकार ने जुबीन गर्ग हत्याकांड में विशेष लोक अभियोजकों की एक टीम की नियुक्ति को मंजूरी दी।

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर चिंतित ओवैसी और उमर... जयशंकर से की अपील

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से ईरान में जारी अशांति के बीच फंसे भारतीय छात्रों की तत्काल मदद करने की अपील की है। ओवैसी ने कहा कि इन छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का ईरान के विदेश मंत्री से बात करना एक अच्छा कदम है। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल बातचीत पर्याप्त नहीं है और छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के लिए जमीनी स्तर पर काम होना चाहिए है। उन्होंने बताया कि कई चिंतित अभिभावकों ने मुझसे संपर्क किया है। ओवैसी के अनुसार, ईरान के शाहिद बेहेश्टी विश्वविद्यालय में करीब 70 से 80 भारतीय छात्र पढ़ते हैं, जिसमें हैदराबाद के पांच से आठ छात्र शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि ईरान में इंटरनेट ठप है। दूसरी बात, अभिभावक टिकट खरीदकर अपने बच्चों को भेज भी नहीं सकते। तीसरी बात, कई छात्र गरीब परिवारों से हैं और उनके पास टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय छात्रों के पासपोर्ट वापस नहीं कर रहा है, जिसके कारण वे ईरान छोड़कर भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है।

वहीं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर से ईरान में तेजी से बदलती स्थिति के बारे में बात की है, जहां भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं। अब्दुल्ला ने बताया कि मंत्री ने उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और मंत्रालय द्वारा घटनाक्रम से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी।

मकर संक्रांति स्नान-एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। संगम नगरी प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर पतित पावनी मां गंगा और त्रिवेणी के संगम स्थल पर एक करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी। देर शाम तक स्नान करने वालों का तांता लगा रहा है। दोपहर दो बजे तक ही 72 लाख लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगा चुके थे। हालांकि बीती रात 12 बजे से ही स्नान प्रारंभ हो गया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक आस्था और जगत पिता भगवान सूर्य की उपासना के पावन पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालु भगवान भास्कर की कृपा से अभिभूत हों और माँ गंगा, यमुना व सरस्वती का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि मकर संक्रांति लोक आस्था, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक परंपराओं का महापर्व है, जो सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक उन्नयन का संदेश देता है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि-संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ को समर्पित पावन पोंगल पर्व की भी सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समृद्धि और सद्भाव का संदेश देने वाला यह

पर्व सभी के जीवन को सुख, शांति, आनंद और आरोग्यता से परिपूर्ण करे, यही उनकी प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि ये पर्व प्रदेश और देश में खुशहाली, समृद्धि और सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करें।

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में बसाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय स्थापित किए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। अग्रवाल ने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक पर्यटकों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बसाई गई है जहां ध्यान और योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात के दृष्टिगत इस बार 42 अस्थायी पार्किंग हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन पार्क हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

एयर इंडिया और इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी, ईरान का हवाई क्षेत्र बंद, रद्द हो सकती हैं उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के हवाई क्षेत्र के अचानक बंद होने से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर पड़ रहा है। एयर इंडिया और इंडिगो सहित कई भारतीय एयरलाइंस ने यात्रियों को ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें संभावित देरी, रूट परिवर्तन और कुछ उड़ानों के रद्द होने की चेतावनी दी गई है। यह स्थिति पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान में जारी सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच सामने आई है।

एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में बताया कि ईरान में उभरती स्थिति और उसके हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र से गुजरने वाली उड़ानों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। इससे उड़ानों में देरी हो सकती है। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि जहां रूट परिवर्तन संभव नहीं है, वहां उड़ानें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें। एयर इंडिया ने कहा, इस अप्रत्याशित व्यवधान से हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी

सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंडिगो ने भी इसी तरह की एडवाइजरी जारी की। एयरलाइन ने कहा कि ईरान द्वारा अचानक हवाई क्षेत्र बंद करने से कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यह स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर है और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है। प्रभावित यात्रियों को इंडिगो की वेबसाइट पर जाकर फ्लेक्सिबल रीबुकिंग या रिफंड के विकल्पों की जानकारी लेने की सलाह दी गई है। एयरलाइन ने कहा कि टीम स्थिति का आकलन कर रही है और प्रभावित यात्रियों को बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को अधिकांश उड़ानों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह बंदिश शाम को शुरू हुई और कुछ घंटों तक चली, हालांकि इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। केवल आधिकारिक अनुमति वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को छूट दी गई है। यह कदम ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों, इंटरनेट ब्लैकआउट और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। क्षेत्रीय सुरक्षा जोखिमों के कारण कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ईरानी हवाई क्षेत्र से बच रही हैं।

अमेरिका ने भी मध्य पूर्व में अपने कुछ सैन्य अड्डों से कर्मियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। कतर के अल उदैद एयर बेस से कुछ कर्मियों को वापस बुलाया जा रहा है। ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका हमला करता है तो पड़ोसी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। दोनों एयरलाइंस ने यात्रियों से सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले उड़ान की ताजा जानकारी जांचें और एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट या सोशल मीडिया पर अपडेट देखते रहें। मौजूदा हालात को देखते हुए आने वाले दिनों में भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर जारी रह सकता है। यात्रियों को सतर्क रहने और वैकल्पिक योजनाएं बनाने की सलाह दी जा रही है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर शिकंजा, दिल्ली और पंजाब में मुठभेड़ों के बाद कई शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पश्चिमी दिल्ली में हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए दोनों शूटर हाल ही में पश्चिम विहार और विनोद नगर इलाकों में हुई फायरिंग की घटनाओं में शामिल थे। दोनों से पूछताछ के बाद गैंग की गतिविधियों और स्थानीय नेटवर्क को लेकर अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर इलाके में घेराबंदी की गई थी। खुद को घिरता देख आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया

गया है, जबकि नाबालिग आरोपी को किशोर न्याय प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है। इसी क्रम में पंजाब में भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। संयुक्त अभियान के दौरान गिरोह के चार गुर्गों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। ये आरोपी विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के निर्देश पर चंडीगढ़ ट्राइसिटी और पटियाला क्षेत्र में टारगेट किलिंग की साजिश रच रहे थे। पुलिस का कहना है कि इनका मकसद इलाके में दहशत फैलाना और संगठित अपराध को बढ़ावा देना था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। इनमें सात .32 बोर की पिस्तौल और 70 जिंदा कारतूस शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरविंदर सिंह उर्फ भोला, लखविंदर सिंह, मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है, जो सभी अलग-अलग आपराधिक मामलों में पहले से वांछित बताए जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से दो पुलिसकर्मियों की जान बच गई। जवाबी फायरिंग में दो आरोपी घायल हो गए, जिसके बाद चारों को काबू कर लिया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इन गिरफ्तारियों से बिश्नोई गैंग के नेटवर्क और आने वाली आपराधिक साजिशों पर बड़ा असर पड़ेगा।

कई राज्यों में रेत माफिया का दबदबा, पुलिस-वन विभाग अवैध खनन रोकने में नाकाम

–एक सप्ताह में दो लोगों की जा चुकी है जान, जिनमें एक वनकर्मी भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अवैध रेत का खनन विकराल रूप ले चुका है। राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में रेत माफिया का दबदबा इतना है कि वहां के आम नागरिक ही नहीं, बल्कि पुलिस और वन विभाग के अफसर भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जांच में सामने आया है कि दोनों राज्यों में अवैध खनन और परिवहन खुलेआम और बेखौफ तरीके से किया जा रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि बीते एक सप्ताह में दो लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें एक वनकर्मी भी ड्यूटी के दौरान मारा गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान के धौलपुर जिले में चंबल नदी क्षेत्र से सामने आई घटना ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अवैध रेत खनन रोकने गई वन विभाग की टीम पर माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया। वन रक्षक जितेंद्र सिंह शेखावत को रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को जयपुर रेफर किया, जहां इलाज के दौरान उनका पैर काटना पड़ा, लेकिन अंततः उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद प्रशासन ने कुछ अवैध रास्ते बंद किए और एक आरोपी की गिरफ्तारी की, लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कार्रवाई सिर्फ दिखावटी है और माफिया का नेटवर्क जस का तस है।

धौलपुर की घटना के बाद अजमेर प्रशासन अलर्ट मोड में दिखा। अवैध खनन के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए और संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। कई इलाकों में नाकेबंदी कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की गईं और जुर्माना भी लगाया गया है। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि थोड़े समय की सख्ती के बाद हालात फिर पहले जैसे हो जाते हैं और माफिया सक्रिय हो जाता है।

अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियां अवैध खनन की भेंट चढ़ रही हैं। राजगढ़ क्षेत्र के मूनपुर गांव में मंदिर के पास खुलेआम पत्थर खनन किया जा रहा है। भारी वाहन सड़कों से गुजरते हैं, लेकिन न पुलिस रोकती है और न ही वन विभाग। एक मामले में माफिया के वाहनों ने एक घर की नींव तक तोड़ दी, जिससे पशुओं की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती और पर्यावरण को अपूरणीय नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन बस्तियों के बेहद पास हो रहा है, ब्लास्टिंग से घरों में दरारें आ गई हैं और प्रशासन आंख मूंद कर बैठा है।

मध्य प्रदेश में भी हालात अलग नहीं हैं। श्योपुर जिले में अवैध रेत से भरे डंपर को जब्त करने गई वन विभाग की टीम पर

पथराव किया गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी अब भी फरार है। इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि अवैध रेत खनन सिर्फ पर्यावरण का संकट नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था और मानव जीवन के लिए भी खतरा बन चुका है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन की कार्रवाई वास्तव में माफिया पर नकेल कसेगी या यह माफिया यूं ही बेलगाम घूमते रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में क्रेन गिरने के कारण पटरी से उतरी ट्रेन, 22 लोगों की मौत ; 30 घायल

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर पश्चिमी प्रांत जा रही एक ट्रेन पर निर्माणाधीन साइट की क्रेन गिर गई। इसके बाद ट्रेन भी पटरी से उतर गई। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग घायल हैं। ये दुर्घटना बुधवार सुबह थाईलैंड के सिखियो जिले में हुई। यह क्षेत्र राजधानी बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर दूर है। क्रेन गिरने के चलते ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है और बचाव कार्य चल रहा है। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्यों का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि बचाव कर्मी हादसाग्रस्ट ट्रेन को काटकर घायल लोगों को निकाल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे का शिकार हुई ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। हालांकि ये आंकड़ा ट्रेन में सीटों के आधार पर बताया गया है और ट्रेन में असल में कितने यात्री सवार थे, इसका आंकड़ा अलग हो सकता है। थाईलैंड सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। हादसा बुधवार सुबह 9 बजे के करीब हुआ।

ट्रंप के हमले का दिखने लगा असर, वेनेजुएला ने रिहा किए जेल में बंद अमेरिकी नागरिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने 2 से 3 जनवरी की दरमियानी रात वेनेजुएला पर एक विस्फोटक हमला किया था। अमेरिकी सेना इस हमले में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर स-ले गई थी। अमेरिका के इस हमले के 12 दिन बाद ही वेनेजुएला ने जेल में बंद अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के इस फैसले का स्वागत किया है। अमेरिकी सरकार ने मंगलवार 13 जनवरी को बताया कि वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए कई अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया गया है। विदेश विभाग ने कहा, हम वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों की रिहाई का स्वागत करते हैं। यह अंतरिम अधिकारियों का सही दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। वेनेजुएला की राष्ट्रीय विधानसभा के प्रमुख जॉर्ज रोड्रिगेज ने अमेरिका के हमले के बाद एक बड़ा एलान किया था। रोड्रिगेज ने कहा था, मादुरो को सत्ता से हटाने वाले सैन्य अभियान के बाद शांति स्थापित करने के प्रयास में देश में कैद वेनेजुएला और अन्य विदेशी नागरिकों की काफी संख्या को रिहा किया जाएगा। वेनेजुएला के मानवाधिकार समूह फोरम पेनाल ने मंगलवार शाम तक बताया कि राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए 56 कैदियों को रिहा कर दिया गया है। समूह ने रिहाई को लेकर सरकार की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की। वेनेजुएला सरकार ने संगठन के इस आंकड़े को खारिज करते हुए मंगलवार दोपहर को इन कैदियों की संख्या 400 बताई।

विनाशकारी नतीजे..., ईरान में प्रदर्शनकारियों को ट्रंप की मदद के दावे पर रूस की कड़ी चेतावनी

मॉस्को , एजेंसी। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने ईरानी प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील करते हुए कहा कि मदद रास्ते में है। इसके तुरंत बाद रूस ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि ईरान के खिलाफ किसी भी नए सैन्य कदम के विनाशकारी नतीजे होंगे। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका को सख्त शब्दों में आगाह किया कि ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की धमकियां पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। मंत्रालय ने कहा कि बाहरी ताकतों द्वारा प्रेरित अशांति को बहाना बनाकर अगर फिर से हमला किया गया, तो इससे मध्य पूर्व और वैश्विक सुरक्षा पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। रूस ने इसे ईरान के आंतरिक मामलों में विध्वंसक हस्तक्षेप करार दिया। ईरान में बीते कई हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षाबलों की कार्रवाई में करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात को काबू में रखने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर चिंता बढ़ी है। अमेरिका लगातार इन प्रदर्शनों को नैतिक समर्थन देता रहा है। रूस की चेतावनी और ट्रंप के बयान के बाद यह साफ है कि ईरान का मुद्दा सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहा। मध्य पूर्व पहले ही अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। अगर अमेरिका सैन्य कदम उठाता है, तो इसका असर सिर्फ ईरान तक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि कूटनीति हावी रहती है या टकराव का रास्ता चुना जाता है।

टैरिफ से बदली अमेरिका की तस्वीर? ट्रंप ने बताया कैसे कुछ महीनों में ही व्यापार घाटे को किया कम

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की आर्थिक नीतियों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ नीति के चलते अमेरिका की अर्थव्यवस्था ने तेजी से करवट बदली है। ट्रंप का दावा है कि कुछ ही महीनों में रिकॉर्ड स्तर का व्यापार घाटा घटा है और शेयर बाजार ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। उनके मुताबिक, यह बदलाव उनकी सरकार की सख्त टैरिफ रणनीति का सीधा नतीजा है।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने हर साल एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का व्यापार घाटा झेला। लेकिन चुनाव नतीजों और टैरिफ से होने वाली आय के कारण यह घाटा कम समय में घटाया गया। ट्रंप ने इसे अमेरिका को मजबूत और शक्तिशाली बनाने वाली नीति बताया और कहा कि पिछली पीढ़ियों में भी टैरिफ ने देश को आर्थिक ताकत दी थी।

क्यों टैरिफ को बता रहे हैं कामयाबी की वजह : ट्रंप का कहना है कि टैरिफ लागू होने से विदेशी उत्पादों पर निर्भरता घटी और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिला। उनके

मुताबिक, शेयर बाजार चुनाव के बाद से अपने सर्वोच्च स्तर पर है। ट्रंप ने इसे निवेशकों के भरोसे और मजबूत आर्थिक संकेतों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि उत्पादकता बढ़ी है, निवेश में उछाल आया है और आमदनी में सुधार दिख रहा है।

ऑटो सेक्टर पर असर : ट्रंप ने विदेशी ऑटोमोबाइल पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले को बड़ा कदम बताया। उनका दावा है कि इससे अमेरिकी ऑटो उद्योग में 70 अरब डॉलर से अधिक का नया निवेश आया है। खास तौर पर डेट्रॉयट, जिसे कार निर्माण की राजधानी माना जाता है, वहां निवेश तेज हुआ है। ट्रंप के मुताबिक, कंपनियां अब अमेरिका में कारें बनाना चाहती हैं, न कि बाहर।

व्यापार घाटा घटने का दावा कितना अहम : ट्रंप ने कहा कि व्यापार घाटा घटाना उनकी प्राथमिकता रही है। उनके मुताबिक, टैरिफ से आय बढ़ी और आयात पर निर्भरता कम हुई। इससे अमेरिकी उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में फायदा मिला। ट्रंप का यह भी कहना है कि उनकी नीतियों से अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से सम्मान मिला है। ट्रंप के बयान ऐसे समय आए हैं, जब वैश्विक व्यापार पर टैरिफ को लेकर बहस तेज है। समर्थकों का मानना है कि टैरिफ से घरेलू उद्योग मजबूत होंगे, जबकि आलोचक महंगाई और व्यापार तनाव की आशंका जता रहे हैं। ट्रंप ने हालांकि साफ किया कि वह अपनी नीति पर कायम रहेंगे और इसे अमेरिका के हित में जरूरी मानते हैं।

आदर्श स्थिति में अमेरिका ईरान में लोकतंत्र देखना चाहता : ईरान में जारी राजनीतिक अस्थिरता और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि आदर्श स्थिति में अमेरिका ईरान में लोकतंत्र देखना चाहता है। उनका कहना है कि ईरानी लोगों को लंबे समय से दमन और भय में जीना पड़ रहा है और अब उन्हें आज़ादी मिलनी चाहिए। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह ईरान में लोकतंत्र देखना चाहते हैं, तो उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि वहां लोगों की हत्या हो। ट्रंप के मुताबिक, ईरान के आम लोग लंबे समय से नरक जैसी जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को यह देखना चाहिए कि ईरानी नागरिकों को थोड़ी आजादी और सम्मान मिले। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने ट्रंप पर हमला बोलते हुए कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू ईरानी जनता के मुख्य हत्यारे हैं। लारीजानी ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल की नीतियों की वजह से ईरान में हालात बिगड़े हैं और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। उन्होंने ट्रंप के लोकतंत्र संबंधी बयान को पाखंड करार दिया।

ईरान में हालात कितने गंभीर हैं : ईरान में बीते कई हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षाबलों की कार्रवाई में करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात को काबू में रखने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर चिंता बढ़ी है। अमेरिका लगातार इन प्रदर्शनों को नैतिक समर्थन देता रहा है।

सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में सबसे शक्तिशाली, 192 देशों तक पहुँच

सिंगापुर, एजेंसी। 2026 में दुनिया के पासपोर्ट की ताकत का नया आंकड़ा आया है। ये दिखाता है कि ग्लोबल मोबिलिटी की खाई और बड़ी हो गई है। हेन्ली पासपोर्ट इंडेक्स के मुताबिक, कूटनीति, आर्थिक ताकत और राजनीतिक स्थिरता ने इस रैंकिंग को पूरी तरह बदल दिया है। सिंगापुर ने एक बार फिर दुनिया का सबसे मजबूत पासपोर्ट का ताज अपने नाम किया है, जबकि कई यूरोपीय देश पीछे छूटते नजर आ रहे हैं। ये इंडेक्स बताता है कि पासपोर्ट कितनी जगहों पर बिना वीजा के घूमने की आजादी देता है।

सिंगापुर टॉप पर, एशिया की बढ़त बरकरार : सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में नंबर 1 है। इसके धारक 192 देशों में बिना पहले वीजा लिए जा सकते हैं। ये लगातार कई सालों से टॉप पर बना हुआ है। जापान और साउथ कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं, दोनों के पासपोर्ट से 188 जगहों पर वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। वहीं तीसरे स्थान पर डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड हैं, हर एक से 186 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। चौथे नंबर पर 10 यूरोपीय देश टाई हैं। इनमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड्स और नॉर्वे शामिल हैं। इनके पासपोर्ट से 185 जगहों पर आसानी से घूमा जा सकता है। पांचवें स्थान पर हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया और यूएई हैं, जहां 184 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। भारत का पासपोर्ट 2026 में 80वें स्थान पर है। भारतीय पासपोर्ट धारक अब 55 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल जा सकते हैं। पिछले साल यानी 2025 में भारत 85वें स्थान पर था, तो ये पांच पायदानों की बढ़त है। भारत अभी भी ग्लोबल औसत से काफी नीचे है और कई उभरते देशों से पीछे चल रहा है। ज्यादा तर देशों में भारतीयों को पहले वीजा लेना पड़ता है।

दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट : इस लिस्ट में सबसे निचले पायदान पर अफगानिस्तान है। इसका पासपोर्ट सिर्फ 24 जगहों पर वीजा-फ्री एक्सेस देता है। सिंगापुर से तुलना करें तो ये गैप 168 डेस्टिनेशन का है। ये अंतर युद्ध, अस्थिरता और कम डिप्लोमैटिक रिश्तों की वजह से है। दुनिया में अमीर और गरीब देशों के बीच यात्रा की आजादी का फर्क लगातार बढ़ रहा है। दुनिया का सबसे भरोसेमंद पासपोर्ट रैंकिंग है। ये बताता है कि किसी पासपोर्ट से कितने देशों में बिना पहले वीजा के जा सकते हैं। ये डेटा इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन से लिया जाता है। 20 साल से ज्यादा का इतिहास होने की वजह से सरकारें, नीति निर्माता और आम लोग इसे ट्रैवल फ्रीडम का बेंचमार्क मानते हैं। ये इंडेक्स हर साल जनवरी में अपडेट होता है।

अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी यूएन की कई एजेंसियों से तोड़ा नाता

तेल अवीव , एजेंसी। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी खुद को संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से अलग कर लिया है। इस्राइल ने अपने इस कदम की वजह बताते हुए कहा कि ये एजेंसियां लगातार उसके प्रति पक्षपात कर रहीं थीं और राजनीति कर रहीं थीं। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से अमेरिका को अलग कर लिया था। इनमें से आधे संगठन संयुक्त राष्ट्र के थे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ये एजेंसियां अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर क्या कहा? इस्राइल के विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर कहा, अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने के बाद हमने भी समीक्षा की। जिसके बाद इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तय किया कि इस्राइल तुरंत प्रभाव से संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने नाते तोड़ रहा है। साथ ही विदेश मंत्री ने मंत्रालय को निर्देश दिया है कि अन्य एजेंसियों के साथ ही संबंधों की समीक्षा की जा रही है और विचार-विमर्श के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा। इस्राइल ने यूएन के जिन संगठनों से नाता तोड़ा है, उनमें चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ऑफिस, यूएन वुमन, यूएन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट, यूएन इकॉनोमिक एंड सोशल कमीशन फॉर वेस्टर्न एशिया, यूएन अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन, यूएन एनर्जी और माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ग्लोबल फोरम जैसे संगठन शामिल हैं। इस्राइल सरकार ने बताया कि चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ने इस्राइली सेना को, हमास, फलस्तीन के साथ काली सूची में डाला हुआ है। ऐसे में इस्राइल ने इस संगठन से हटने का फैसला किया है। इस्राइल ने जून 2024 में इस संगठन से रिश्ते तोड़े हुए थे और अब आधिकारिक रूप से इस संगठन से हटने का एलान कर दिया है। यूएन वुमन संगठन द्वारा इस्राइली महिलाओं के साथ हमास द्वारा किए गए यौन शोषण को नजरअंदाज करने के चलते इस्राइल की सरकार ने इस संगठन से हटने का तय किया है।

कनाडा के पीएम का चीन दौरा बेहद खास, क्या अमेरिका के सहयोगियों को तोड़ने की कोशिश कर रहा बीजिंग?

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री बुधवार चीन दौरे पर पहुंच गए। कनाडा के पीएम का चीन दौरा वैश्विक राजनीति में बदलते परिदृश्य का उदाहरण है क्योंकि कई वर्षों के बाद कनाडा के पीएम चीन दौरे पर पहुंचे हैं। वहीं चीन भी इस मौके को भुनाने की ताक में है और उसने कनाडा को उसके करीबी सहयोगी अमेरिका से दूर करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। चीन के सरकारी मीडिया में क्या लिखा जा रहा है? चीन के सरकारी मीडिया ने कनाडा की सरकार से अपील की है कि वे अमेरिका से स्वतंत्र विदेश नीति अपनाएं, जिसे रणनीतिक स्वायत्ता कहते हैं। चीन के सरकारी अखबार चाइना डेली ने अपने एक संपादकीय में लिखा कि अगर कनाडाई पक्ष पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में आई गिरावट के मूल कारणों पर विचार करती है तो

उसे एहसास होगा कि वह चीन से जुड़े मुद्दों को संभालते समय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए बन सकता है। अगर ओटावा भविष्य में भी अपनी चीन नीति को वॉशिंगटन की मर्जी के हिसाब से चलाता है, तो बीजिंग के साथ रिश्ते सुधारने की उसकी पिछली सारी कोशिशें बेकार हो जाएंगी। वहीं ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि अमेरिका का बिना सोचे-विचारे सहयोग करने और चीन पर उच्च टैरिफ लगाने के बाद अब लगता है कि कनाडा की रणनीतिक स्वायत्ता की समझ जाग रही है। हालांकि कनाडा के अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि कार्नी की चीन यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार मजबूत होने की उम्मीद है, लेकिन इससे कनाडा द्वारा लगाए गए टैरिफ हटेंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है।

अमेरिका से खराब रिश्तों के चलते चीन को दिख रहा अवसर : दरअसल कनाडा, लंबे समय से अमेरिका का करीबी सहयोगी है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति और टैरिफ के चलते अमेरिका और कनाडा के रिश्तों में भी इन दिनों थोड़ी तल्खी है। ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही है। जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, भारत, कनाडा और अन्य देशों के साथ मिलकर चीन को घेरने की रणनीति बनाई थी। हालांकि अब ट्रंप के समय में अमेरिका जिस तरह से मनमानी कर रहा है, उसमें चीन को अपने लिए अवसर दिख रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का चीन दौरा व्यापार पर फोकस है और कनाडा भी अब अमेरिका से इतर अपने लिए बाजार ढूंढ रहा है और अमेरिका पर अपनी निर्भरता को कम कर रहा है। यही वजह है कि कनाडा और चीन के रिश्ते फिर से बेहतर हो रहे हैं, जो कि जस्टिन ट्रुडो सरकार में खराब थे।

आपने 40 साल से आतंकवाद पर चुप्पी साध रखी है, भारत ने कनाडा को दिखाया आईना

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक खालिस्तानी आतंकवादियों को लेकर तीखा हमला बोला है। कनाडा के सरकारी चैनल सीबीसीपर मंगलवार को दिए इंटरव्यू पटनायक ने कहा कि कनाडा ने पिछले 40 सालों में अपनी जमीन पर चल रही आतंकी गतिविधियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया, इससे भारत विरोधी चरमपंथ को बढ़ावा मिला है। हरदीप सिंह निज्जर मामले को लेकर सीबीसी के एंकर ने बार-बार कहा कि कनाडाई खुफिया और पुलिस के पास भारतीय एजेंटों से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी है, लेकिन पटनायक ने इसे सिरे से खारिज कर

दिया। निज्जर की हत्या को लेकर पटनायक ने पूछा, सबूत कहां हैं? ये सिर्फ आरोप हैं, जिनके पीछे कोई प्रमाण नहीं है। आरोप लगाना आसान है। उन्होंने कनाडा पर उंगली उठाते हुए कहा कि भारत जब कनाडा में सक्रिय आतंकियों की जानकारी देता है, तो कनाडाई पक्ष सबूत की कमी का बहाना बनाता है। लेकिन जब कनाडा भारत पर आरोप लगाता है, तो उम्मीद करता है कि बिना सबूत के ही माने जाएं। हाई कमिश्नर ने 1985 के एअर इंडिया बम विस्फोट का जिक्र किया, जिसमें 329 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा, इस हमले की जांच आज तक कुछ नहीं निकाल पाई। कनाडा में आतंकवाद पर 40 साल से बात हो रही है, लेकिन किसी को सजा नहीं हुई। पटनायक ने कनाडा पर डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब मैं आरोप लगाता हूं और आप कहते हैं सबूत काफी नहीं, तो मैं मानता हूं। लेकिन जब आप मुझे आरोपित करते हैं और मैं सबूत मांगता हूं, तो आपको भी वैसा ही करना चाहिए। इंटरव्यू में एंकर ने भारतीय सरकार पर भरोसे की कमी का मुद्दा उठाया, लेकिन पटनायक ने साफ कहा कि भारत सरकार ऐसी हरकतें नहीं करती। अगर कोई व्यक्ति सबूतों के आधार पर दोषी पाया जाता है, तो भारत खुद कार्रवाई करेगा उन्होंने कहा, हमें आपकी कार्रवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत को अलगाववादी जनमत संग्रह से समस्या नहीं है, बल्कि उन लोगों से है जो भारत में अपराधी हैं या विदेश में आतंकी गतिविधियां चला रहे हैं।

संघर्ष जारी रखें, इनके जुल्मों का हिसाब करेंगे

तेहरान , एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बीच ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी लगातार केंद्र में बने हुए हैं। वे प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर रहे हैं और उन्हें सड़कों पर बने रहने की अपील कर रहे हैं। अब ताजा संदेश में रेजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से संघर्ष जारी रखने की अपील की। उन्होंने ईरान की सरकार को चेतावनी दी कि जल्द ही इनके जुल्मों का हिसाब किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ईरान की सेना से भी अपील की है कि वे प्रदर्शनकारियों का साथ दें क्योंकि उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है। निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा, मेरे देशवासियों, दुनिया अब आपकी आवाज और हिम्मत को सुन ही नहीं रही बल्कि इसका जवाब भी दे रही है। अभी आपने अमेरिका के राष्ट्रपति का संदेश सुना होगा कि मदद रास्ते में है। संघर्ष जारी रखें, जो आपने अभी तक किया है। इस सरकार को ऐसा भ्रम पैदा न करने दें कि सबकुछ सामान्य है। इस पूरे नरसंहार के बाद हमारे और इस सरकार के बीच खून का दरिया है। इन अपराधियों के नाम बचाकर रखें क्योंकि इन्हें इसकी सजा जरूर दी जाएगी।

ईरान की सेना से की अपील- प्रदर्शनकारियों का साथ दें : रेजा पहलवी ने ईरान की सेना से भी अपील की और कहा कि वे ईरान की सेना हैं न कि इस्लामिक गणराज्य की सेना। उन्होंने सेना से कहा कि अब उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए जितना जल्दी संभव हो सके,

प्रदर्शनकारियों का साथ दें। रेजा पहलवी ईरान के अंतिम शाह के बेटे हैं। साल 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद शाह की सत्ता चली गई और उसके बाद से रेजा पहलवी निर्वासन में ही रह रहे हैं। ईरान में दिसंबर के अंतिम दिनों में आर्थिक संकट के चलते शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जारी है और अब तक इस प्रदर्शन में दो हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मदद आ रही है और उन्होंने ईरान में रह रहे अमेरिकियों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी है। ट्रंप के इस बयान के बाद कयास लग रहे हैं कि अमेरिका जल्द ईरान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। आर्थिक संकट में फंसे ईरान को घेरने के लिए ट्रंप ने एक और बड़ा कदम उठाया है। दरअसल ट्रंप ने घोषणा की कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने पर 25त्न अतिरिक्त आयात शुल्क चुकाना होगा। इस आदेश का सीधा असर उन देशों पर पड़ेगा जो ईरान से तेल खरीदते हैं, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।

150 साल बाद स्पेन को मिलने जा रही पहली रानी, 20 वर्षीय प्रिंसेस लियोनोर रचेंगी इतिहास

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन में 150 साल में पहली बार एक रानी शासन संभालने जा रही है। राजा फेलिप और रानी लेटिजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर अब अपने परिवार की गद्दी संभालने के लिए तैयार हैं। 1800 के दशक से अब तक इसाबेला सेकंड के बाद वे देश की पहली महिला शासक बनने वाली हैं। 1700 के दशक के आरंभ से ही स्पेन का राज बोर्बोन राजवंश के पास रहा है। इन्होंने स्पेन के उत्तराधिकार युद्ध में हैब्सबर्ग राजवंश पर विजय प्राप्त की थी।

स्पेन की रानी बनेंगी लियोनोर : जनरल फ्रेंको की तानाशाही समाप्त होने के बाद, 1975 में राजा जुआन कार्लोस प्रथम के साथ राजशाही बहाल हुई, जिन्होंने स्पेन को लोकतंत्र की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2014 में पद त्याग दिया और सिंहासन अपने पुत्र फेलिप को सौंप दिया। अब उनकी बेटी लियोनोर सिंहासन की अगली उत्तराधिकारी हैं। लियोनोर के पिता फेलिप ने 2004 में पूर्व पत्रकार लेटिजिया से शादी की और 42 वर्ष की उम्र में वह रानी बनीं। इस शाही दंपति की दो बेटियां हैं। पहली बेटी राजकुमारी लियोनोर, जिनका जन्म 2005 में हुआ और जो इस समय सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। वहीं दूसरी बेटी इन्फेंटा सोफिया, जिनका जन्म 2007 में हुआ।

20 साल की उम्र में पूरी की ट्रेनिंग : स्पेन के कानून के अनुसार, सिंहासन पर बैठने से पहले उत्तराधिकारी को सेना, नौसेना और वायु सेना में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी होता है। लियोनोर ने वेल्स के यूडब्ल्यूसी अटलांटिक कॉलेज से इंटरनेशनल बैकलॉरिएट डिप्लोमा के साथ अपनी उच्च शिक्षा शुरू की। स्पेन की होने वाली रानी ने तब से ही देश की कमांडर-इन-चीफ के रूप में भी सैन्य प्रशिक्षण शुरू कर दिया। लियोनोर ने अगस्त 2023 में

जरागोजा में सेना प्रशिक्षण के साथ सैन्य सफर की शुरुआत की, जहां वह 560 कैडेटों के एक ग्रुप में शामिल हुईं। 2024 में, लियोनोर ने गैलिसिया में नौसेना प्रशिक्षण की शुरुआत की और ट्रेनिंग शिप जुआन सेबेस्टियन डी एल्कानो पर सवार होकर 140 दिनों की 17,000 मील की समुद्री यात्रा पर निकलीं। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने चालक दल के सदस्य के रूप में अटलांटिक महासागर, दक्षिण अमेरिका के चारों ओर और न्यूयॉर्क तक की यात्रा की। दिसंबर 2025 में, लियोनोर ने अकेले ही पिलाटस पीसी-21 विमान में अपनी पहली उड़ान पूरी की और ऐसा करने वाली वह स्पेनिश शाही परिवार की पहली महिला सदस्य बनीं। स्पेन की होने वाली रानी लियोनोर ने राज परिवार की गद्दी संभालने के लिए सभी तरह की ट्रेनिंग ले ली है और वह केवल 20 साल की उम्र में सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : भारत की जीत के साथ शुरूआत, अमेरिका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के खिलाफ आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने जीत के साथ शुरूआत की है। बुलावेयो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में वर्षा प्रभावित मैच में भारत ने अमेरिका को 6 विकेट से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और हेनिल पटेल के पारी में 5 विकेट की बदौलत भारत ने अमेरिका की 107 रन पर ढेर कर दिया। अमेरिका की तरफ से नितीश सुदिनी ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी गेंदबाजी की और एक विकेट झटका। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 53 रन बना लिए हैं।

इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरुआत की क्योंकि वैभव सूर्यवंशी मात्र 2 रन पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बारिश आ गई जिस कारण मैच को रोक दिया गया। भारत का औसत शानदार था जिस कारण कुछ देर के बाद जब बारिश रूकी तो ओवर कम करके लक्ष्य 96 का कर दिया गया। कप्तान आयुश महात्रे और वेदांत त्रिवेदी टिकने की कोशिश में थे कि त्रिवेदी (2) आउट हो गए। इसके बाद विहान मल्होत्रा क्रीज पर आए। लेकिन टीम का स्कोर 25 था जब कप्तान महात्रे (19) आउट हो गए। इसके बाद मल्होत्रा और अभिज्ञान कुंडू के बीच 45 रन की साझेदारी हुई। टीम का स्कोर 70 था जब मल्होत्रा (18) आउट हो गए और कुंडू (42) कनिष्क चौहान (10) के साथ जीत दर्ज कर वापस लौटे।

इंडिया ओपनः लक्ष्य ने केंटा को सीधे मैचों में हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के निशिमोटो केंटा को हराया। पेरिस ओलंपिक के सेमी फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन पहले गेम में शुरुआत में थोड़ा घबरा गए और पीछे हो गए लेकिन बाद में उन्होंने लय पकड़ी और आखिर में शानदार जीत हासिल की।

पहले गेम में 14-18 से पीछे होने के बाद लक्ष्य ने वापसी करते हुए पहला गेम 21-19 से जीत लिया। एक बार जब उन्होंने लय पकड़ ली, तो दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी ने दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी होंगे। इससे पहले भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

टी20 विश्वकप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अगले माह होने वाले टी20 विश्कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। हेजलवुड को 7 फरवरी से होने वाले विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने का फैसला फिट होने पर ही लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप में अपना अभियान 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। हेजलवुड टीम के प्रमुख गेंदबाजों में शामिल हैं, ऐसे में टीम को उनके फिट होने का इंतजार है। हेजलवुड ने हाल ही में एशेज सीरीज में काफी अच्छी गेंदबाजी की थी पर अब उन्हें ब्रेक मिला हुआ है। इसी कारण वह बिग बैश लीग (बीबीएल) से भी बाहर हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आजकल वह अपनी गेंदबाजी, रनिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर काम कर रहे हैं और ट्रैक पर वापस आने को लेकर सकारात्मक हैं। हेज़लवुड ने कहा, सब कुछ प्लान के हिसाब से चल रहा है। पिछले हफ़्ते मैंने हाफ-रन से कुछ गेंदबाजी की। रनिंग अच्छी चल रही है, स्ट्रेंथ की सभी चीजें अच्छी चल रही हैं, तो हां, सब ट्रैक पर है। हेजलवुड का मानना है कि इस सत्र में लगातार फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण उनके लिए अपने शरीर को लय में बनाये रखना एक चुनौती रही है। इस सीजन में लगातार चोटों के बारे में हेजलवुड ने कहा, कभी-कभी, जब एक चीज ठीक होती है, तो दूसरी सामने आ जाती है। मुझे लगता है कि जब आप फिर से अभ्यास शुरू करते हैं, तो कभी-कभी आपके शरीर को रुकना और फिर से शुरू करना पसंद नहीं आता। इसलिए अब वह इन परेशानियों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

–बीच के ओवरों में नहीं निकाल पाये विकेट

राजकोट(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकारार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

वोलवार्ड्ट को मिला दिसंबर महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

दुबई । दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोलवार्ड्ट को दिसंबर 2025 में किये अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है। वोल्वार्ड्ट ने इस अवार्ड की दौड़ में साथी सुने लुस और भारत की शैफाली वर्मा को भी पीछे छोड़ा। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में वोलवार्ड्ट ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने इसके अलावा एक महीने में सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर साल का समापन किया था। वोलवार्ड्ट ने पहले टी20 में 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने लगातार दो शतक लगाए जिसमें दूसरे एकदिवसयीय में 111 गेंदों में 124 रन और आखिरी मैच में नाबाद 100 रन थे । वोलवार्ड्ट ने तीनों एकदिवसीय में 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। वहीं टी20 सीरीज में उन्होंने 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं। यह वोलवार्ड्ट का दूसरा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है, उन्होंने इससे पहले अक्टूबर 2025 में यह अवॉर्ड जीता था। अवार्ड दूसरी बार मिलने पर इस खिलाड़ी ने खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि अब उनका ध्यान टी20 विश्वकप पर रहेगा।

प्रणय और श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

नई दिलली । भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा। बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21-18, 21-15 से हराया। महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गई थी।

सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे

मुम्बई । तिलक वर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज को रणजी ट्रॉफी के बचे मुकाबलों के लिए हैदराबाद का कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद की टीम को इस सत्र के अपने बचे हुए दो मैचों में 22 और 29 जनवरी को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई और छत्तीसगढ़ से खेलना है। वहीं शुरुआती सत्र में कप्तान रहे तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसी कारण उनकी जगह सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। तिलक हालांकि सजरी के कारण पहले तीन टी20 मैचों से बाहर रहेंगे। सिराज को पहली बार कप्तानी दी गयी है। सिराज मुंबई के खिलाफ बतौर कप्तान अपना डेब्यू मैच खेलेंगे। इससे पहले वह राष्ट्रीय टीम में होने कोरण उपलब्ध नहीं थे। चयन समिति ने कहा, हमने सिराज बात की है और वह बाकी सत्र के लिए उपलब्ध हैं। वह एक फाइटर हैं और हमेशा जीतना चाहते हैं, और हमें भरोसा है कि इसका असर दूसरों पर भी पड़ेगा। हाल में विजया हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अमन राव पेराला को भी टीम में शामिल किया गया है।

हैदराबाद की टीम : मोहम्मद सिराज (कप्तान), जी राहुल सिंह (उप कप्तान), सीवी मिलिंद, तनय त्यागराजन, के रोहित रायुडू, के हिमातेजा, ए वरुण गौड़, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल रादेश (विकेटकीपर), अमन राव पेराला, सीटीएल रक्षण रेडी, एन नितिन साई यादव, कनाला नितेश रेड्डी, साई प्रगनय रेड्डी (विकेटकीपर) और बी पुन्नैया।

स्टैंडबाय : मिकिल जयसवाल, ए अवनीश राव (विकेटकीपर), कार्तिकेय काक, प्रणव वर्मा और पी नीतीश रेड्डी।

विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आज होगा पंजाब और सौराष्ट्र का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। पंजाब की टीम शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट 2025-26 के सेमीफाइनल में सौराष्ट्र से खेलेगी। मुंबई के खिलाफ मैच में मिली जीत से पंजाब की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। जिससे अब उनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। जैसी मजबूत घरेलू टीम के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में एक रन की रोमांचक जीत के बाद पंजाब का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं इससे पहले क्वार्टरफाइनल में उसने मध्य प्रदेश को आसानी से हराया था।

इस मैच में कप्तान अभिषेक शर्मा के नहीं होने से प्रभुसिमरन सिंह टीम की कप्तानी करेंगे। क्वार्टरफाइनल में प्रभुसिमरन, अनमोलप्रीत सिंह और नेहाल वढेरा ने अर्धशतक लगाये थे जिससे तय है कि ये खिलाड़ी अच्छी लय में है। ऐसे में टीम को इनसे सेमीफाइनल में भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। इन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सौराष्ट्र के गेंदबाजों के लिए काफी कठिन रहेगा। वहीं गेंदबाजी में भी पंजाब का आक्रमण अच्छा है। उसके पास तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के अलावा तेज गेंदबाज संवीर सिंह भी है। इन दोनो का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

वहीं सौराष्ट्र की टीम की उम्मीदें सलामी बल्लेबाज हरविक देसाई पर रहेंगी। इस सत्र में उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं और टीम की बल्लेबाजी उनपर आधारित है। उसने पिछले मैच में उत्तर प्रदेश को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके पास तेज गेंदबाज के तौर पर चेतन साकारिया हैं, जिन्होंने लगातार पिछले तीन मैचों में तीन-तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज चिराग जानी भी अहम भूमिका निभा सकते है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सौराष्ट्र: रुचित आहिर, पार्थ भूट, युवराज चूड़सामा, हरविक देसाई, सम्मर गज्जर, अंश गोसाई, विश्वराज जडेजा, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चिराग जानी, जय गोहिल, हितेन कंबी, प्रणव करिया, हेत्विक कोटक, प्रेरक मांकड़, अंकुर पंवार, पारस्वराज राणा, चेतन साकारिया, तरंग गोहिल

पंजाब: अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह, सलील अरोड़ा, अर्शदीप सिंह, सुखदीप सिंह बाजवा, गौरव चौधरी, गुरनूर ब्रार, हरनूर सिंह, हरप्रीत ब्रार, जशनप्रीत सिंह, कृष्ण भगत, नामन धीर, प्रब्सिमरन सिंह, रमणदीप सिंह, उदय सहारण, संवीर सिंह, रघु शर्मा, शुभमन गिल।

19 साल की कनाडाई खिलाड़ी म्बोको ने मेडिसन कीज को हराया

एडिलेड । 19 साल की कनाडाई खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने गुरुवार को एडिलेड इंटरनेशनल में मैडिसन कीज के टाइटल डिफेंस को 6-4, 4-6, 6-2 से हराकर खत्म कर दिया। यह इस हफ्ते डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में खेले गए उतने ही मैचों में उनकी तीसरी तीन-सेट वाली जीत थी। एक सेट और एक ब्रेक से आगे होने के बाद, कीज के खिलाफ म्बोको के लिए चीजें मुश्किल हो गईं जिन्होंने 2022 में एडिलेड से एक ट्रॉफी भी जीती थी। लेकिन मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आखिरी सेट में थक गईं और म्बोको ने आखिरकार 1 घंटे और 53 मिनट में अपने छोटे से करियर की दूसरी टॉप 10 जीत हासिल की। कनाडाई खिलाड़ी ने कीज के आखिरी सेट की शुरुआत में सर्व होल्ड करने के बाद लगातार पांच गेम जीते और जीत हासिल की। उन्हें डिफेंडिंग चैंपियन के उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन का फायदा मिला, जिन्होंने कुल 41 अनफोर्स्ड एरर किए और – नौ ऐस मारने के बावजूद – 12 ब्रेक पॉइंट का सामना किया और छह बार सर्व गंवाई। म्बोको ने बाद में कहा, 'मुझे पता है कि उसने पिछले साल यह टूर्नामेंट जीता था, और बेशक, ऑस्ट्रेलियन ओपन भी, और मुझे इस मैच में आने से पहले पता था कि यह एक बड़ी लड़ाई होगी।' आठवीं सीड अब सेमीफाइनल में पसंदीदा स्थिति में होंगी क्योंकि वह डब्ल्यूटीए टूर पर अपने तीसरे करियर फाइनल की तलाश में हैं जो सभी पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में अपने घरेलू मैदान पर डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने के बाद से आए हैं। उस टूर्नामेंट के पहले राउंड में, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिररेल को हराया था और यह जोड़ी इस बार फिर खेलेगी, जिसमें बिना सीड वाली बिररेल को अब घरेलू दर्शकों का फायदा मिलेगा। 27 साल की गोल्ड कोस्ट की रहने वाली खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार डब्ल्यूटीए 500-लेवल के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जिसमें उन्होंने तीन सेट में जीत हासिल की – रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन के खिलाफ 5-7 6-1, 7-5 का एक शानदार मैच जो 3 घंटे और 4 मिनट तक चला।

खिलाड़ियों के विरोध के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल हटाये गये

ढाका (एजेंसी)। खिलाड़ियों के भारी विरोध को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को पद से हटा दिया गया है। नजमुल से खिलाड़ी बेहद नाराज थे और उन्होंने धमकी दी थी कि अगर नजमुल नहीं हटाये गये तो वे हड़ताल कर देंगे। खिलाड़ियों ने नजमुल के बयानों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि उन्होंने हद पार कर दी है। लिया है।

क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश ने नजमुल इस्लाम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो खिलाड़ी सभी प्रारुपों का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ी इसलिए नाराज थे क्योंकि नजमुल ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था। खिलाड़ियों ने इसे अपना अपमान बताया। इस मामले को सुलझाने के लिए एसोसिएशन और बीसीबी के अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई पर कोई हल नहीं निकला।खिलाड़ियों ने अपने फैसले पर बरकरार रहते हुए तय समय से कई घंटे पहले तक मैदान पर न आने का फैसला किया। इसके चलते बांग्लादेश प्रीमियर लीग का शुरुआती मैच भी शुरु नहीं हो पाया।

नीरज चोपड़ा को मिली मंजूरी, ट्रेनिंग के लिए पोटचेफस्ट्रूम रवाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने अपने चुने हुए स्थल दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में सत्र पूर्व ट्रेनिंग शुरू कर दी है। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (रूश्वष्ट) ने नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय शिविर को मंजूरी दे दी है। नीरज ने पिछले हफ्ते चेक गणराज्य के दिग्गज जान जेलेजनी से कोच के तौर पर अलग होने का फैसला किया और चौधरी के साथ जुड़ने का फैसला किया जो उनके शुरुआती कोच थे और इस सुपरस्टार के गृहनगर पानीपत में भाला फेंक के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि यह 28 वर्षीय खिलाड़ी पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में रहेगा जो दुनिया भर के भाला फेंक के खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख ट्रेनिंग स्थल है और उनके लिए कुल स्वीकृत सहायता राशि 11 लाख 80 हजार रुपए है। टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों को वित्तीय और साजो-सामान से जुड़ी सहायता पर फैसला करने वाला एमओसी ने बुधवार को यहां बैठक की थी। ट्रेनिंग शिविर में नीरज की सहयोगी टीम में लंबे समय से उनके फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी शामिल हैं।

सूत्र ने कहा, 'इस ट्रेनिंग शिविर का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं जिसमें एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल शामिल हैं, से पहले उनकी शारीरिक अनुकूलनता, ताकत और तकनीकी निरंतरता को बेहतर बनाना है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार वित्तीय सहायता में उनके ट्रेनिंग शिविर का खर्च, जिम और ट्रेनिंग मैदान तक पहुंच, हवाई अड्डे से आना-जाना और जेब खर्च शामिल होगा।'

हरियाणा के इस खिलाड़ी को पिछले साल एडक्टर मांसपेशी में खिंचाव की समस्या थी लेकिन इसके बावजूद वह दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहे थे। हालांकि उनके लिए एक बड़ी निराशा पिछले साल सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना था जिसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस समस्याओं को ठीक करने के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया। वह तोक्यो में गत चैंपियन थे लेकिन पूरे मुकाबले के दौरान साफ तौर पर असहज दिखे। उम्मीद है कि नीरज मई में दोहा डाइमंड लीग में अपने 2026 सत्र की शुरुआत करेंगे। एमओसी की 167वीं बैठक में विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के प्रस्तावों के लिए कुल एक करोड़ 40 लाख रुपये मंजूर किए गए। सूत्र ने बताया, 'इसमें दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सचिन यादव के लिए विशेष भाला फेंक उपकरण का आग्रह भी शामिल है।' यादव पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए नीरज से बेहतर प्रदर्शन किया था। एमओसी की अगली बैठक फरवरी के बीच में होने की उम्मीद है और सूत्रों के अनुसार उस बैक में कोर और डेवलपमेंट समूल के खिलाड़ियों की मौजूदा सूची की कड़ी समीक्षा की जाएगी।

सूत्र ने कहा, 'बुधवार को बैठक ऑनलाइन हुई थी और हालांकि इसी में समीक्षा की जानी थी लेकिन हमने फैसला किया कि खिलाड़ियों की समीक्षा आमने-सामने की बैठक में की जानी चाहिए। इसलिए फरवरी की बैठक महत्वपूर्ण होगी।' कोर समूह के खिलाड़ियों की संख्या अभी 118 है जिसमें 57 सामान्य और 61 पैरा खिलाड़ी शामिल हैं।

अगस्त में बीडब्लयूएफ विश्व चैंपियनशिप में शामिल होंगे एंटोनसन, वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। डेनमार्क के स्टार खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने कहा है कि वह अगस्त में होने वाली बीडब्लयूएफ बैडमिंटन (बीडब्लयूएफ) विश्व चैंपियनशिप में भाग ले सकते हैं। एंटोनसन के अनुसार वह दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए हैं। एंटोनसन ने गत सप्ताह ही इंडिया ओपन से नाम वापस लेने पर फैसला कर लिया पर तब कारणों का खुलासा नहीं किया था। वहीं अब विश्व के इस दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने सोशल मीडिया में अपने इस फैसले का कारण बताया है। इस खिलाड़ी को एंटोनसन ने कहा, 'उम्मीद है कि जब दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप होगी तो हालात बेहतर होंगे। एंटोनसन ने इंडिया ओपन का ड्रॉ निकाले जाने से पहले ही प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था पर पर फिर भी प्रतियोगिता से हटने के कारण बैडमिंटन की विश्व संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने उन पर पांच हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया था। एंटोनसन पिछली बार 2023 में इंडिया ओपन में खेले थे जहां वह दूसरे दौर में हार गए थे।

कृषि को आर्थिक वृद्धि का इंजन बनाने की मांग पकड़ रही है जोर

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञ और उद्योग जगत के जानकार आगामी बजट से पहले कृषि क्षेत्र में डिजिटल अवसंरचना, जलवायु-अनुकूल खेती और नई प्रौद्योगिकियों में निवेश की जोरदार वकालत कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे देश की आधी आबादी को रोजगार देने वाले क्षेत्र में उत्पादकता और आर्थिक योगदान बढ़ाया जा सकता है। भारत में करीब 45 फीसदी कार्यबल कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में है, लेकिन सकल मूल्यवर्धन में योगदान केवल 18 फीसदी के आसपास है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन और डिजिटल पशुधन मिशन के माध्यम से 3,00,000 से अधिक किसानों को संगठित किया गया है। जीएसटी सुधारों ने संगठित दुग्ध क्षेत्र में पनीर, घी और मक्खन जैसी उच्च प्रोटीन उत्पादों की मांग बढ़ाई। उद्योग विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण चारे, पशु चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए महाविद्यालयों की क्षमता बढ़ाना और लघु दुग्ध इकाइयों, विशेषकर महिला उद्यमियों के लिए पूंजीगत सब्सिडी की मांग की है।

आरएम ड्रिप नासिक में 12,000 टन क्षमता की नई इकाई लगाएगी

नई दिल्ली ।

आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर में 12,000 टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता वाली नई इकाई स्थापित करने को मंजूरी दी है। यह इकाई कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से स्थापित होगी। नई इकाई के चलते कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह विस्तार कंपनी की वृद्धि रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे निरंतर राजस्व वृद्धि, बेहतर लाभ और मजबूत निष्पादन क्षमताओं की नींव रखी जाएगी। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों और घटकों का निर्माण करती है और डिजाइन, निर्माण और स्थापना सहित संपूर्ण समाधान प्रदान करती है। कंपनी का वितरण नेटवर्क महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में फैला हुआ है।

एमआरपीएल का मुनाफा बढ़कर 1,445 करोड़

मंगलुरु ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) का 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही में मुनाफा 1,445 करोड़ रुपये रहा। पिछली वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह लाभ 304 करोड़ रुपये था, यानी लाभ चार गुना से अधिक बढ़ा। कंपनी की परिचालन आय इस तिमाही में 29,720 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की 25,601 करोड़ रुपये* के मुकाबले लगभग 16 फीसदी अधिक है। एमआरपीएल ने बीती तिमाही में 47 लाख टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया और मंगलूरू में आईएसपीआरएल कैवर्न इकाई में कच्चे तेल का भंडारण शुरू किया। कंपनी के निदेशक मंडल ने 14 जनवरी 2026 को समेकित वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी।

मोबाइल निर्माताओं के लिए सोर्स कोड साझा करना अनिवार्य नहीं- एमएआईटी

नई दिल्ली । सोर्स कोड कंप्यूटर भाषा में लिखा निर्देशों का समूह है, जो बताता है कि मोबाइल फोन, ऐप या सॉफ्टवेयर कैसे काम करेगा। इसके बिना मोबाइल का संचालन, ऐप्स खुलना, भुगतान या डेटा सुरक्षा संभव नहीं है। हाल ही में यह चर्चा सामने आई थी कि सुरक्षा जांच के लिए मोबाइल कंपनियों को सोर्स कोड साझा करना पड़ सकता है। इससे यह गलतफहमी पैदा हुई कि यह अनिवार्य है। सूचना प्रौद्योगिकी विनिर्माण संघ (एमएआईटी) ने स्पष्ट किया कि 18 जून 2025 के मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन में सोर्स कोड साझा करना अनिवार्य नहीं बताया गया है। संगठन में एप्पल, सैमसंग, वनप्लस, नोकिया और लेनोवो जैसी कंपनियां शामिल हैं। मोबाइल सुरक्षा को लेकर मंत्रालय उद्योग के साथ लगातार बातचीत कर रहा है, क्योंकि स्मार्टफोन अब बैंकिंग और निजी डेटा के लिए व्यापक रूप से उपयोग हो रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वर्चुअल बातचीत फिर शुरू

- दोनों देश समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वर्चुअल बातचीत एक बार फिर शुरू हो गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार साल के अंत में छुट्टियों के कारण यह वार्ता कुछ समय के लिए रोक दी गई थी, लेकिन अब दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार आभासी माध्यम से फिर संपर्क में हैं। हालांकि, आमने-सामने की बातचीत या समझौते को अंतिम रूप देने की कोई समय-सीमा अभी तय नहीं की गई है। पिछली बार व्यापार वार्ता दिसंबर में हुई थी, जब अमेरिकी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भारत आया था। इस दल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के उप-प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने किया था। अवकाश के चलते वार्ता आगे नहीं बढ़ पाई, जिससे समझौते को लेकर अनिश्चितता बनी रही। इस बीच भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं और व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए

प्रतिबद्ध हैं। देर शाम विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें व्यापार, दुर्लभ खनिज, परमाणु ऊर्जा और रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई। दोनों देशों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। अधिकारी के अनुसार, भारत और अमेरिका दो समानांतर रास्तों पर काम कर रहे हैं–एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौता और दूसरा ढांचागत व्यापार समझौता, जिसमें 50 प्रतिशत जवाबी शुल्क जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा।

बायोकॉन ने क्यूआईपी के जरिये जुटाए 4,150 करोड़

नई दिल्ली ।

जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) प्रक्रिया के जरिये 4,150 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस पहल के तहत पात्र संस्थागत खरीदारों को पांच रुपये अंकित मूल्य के 1,12,664,585 शेयर 368.35 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर जारी किए गए। कंपनी के अनुसार 12 जनवरी से 14 जनवरी तक जारी क्यूआईपी में घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने काफी रुचि दिखाई जो कंपनी की वृद्धि संभावनाओं में उनके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। बायोकॉन ने कहा कि क्यूआईपी से प्राप्त धनराशि का उपयोग मुख्य रूप से बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड में अपनी शेयरधारिता खरीदने के लिए माइलन इंक (वियाट्रिस) को देय नकद राशि का भुगतान करने के लिए किया जाएगा। इससे इस संबंध में लिए गए ऋण का पुनर्भुगतान भी शामिल है।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 39 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 39 प्रतिशत बढ़कर 4183.6 करोड़ रुपये हो गई है। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान कंपनी की बिक्री बुकिंग दोगुना होकर 22,327.3 करोड़ रुपये रही। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में हासिल किया गया रिकॉर्ड प्रदर्शन हमारी परियोजनाओं की बढ़ती मांग का ठोस प्रमाण है, अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में कुल बिक्री क्षेत्रफल 29.9 लाख वर्ग फुट रहा जबकि अप्रैल-दिसंबर में यह 1.695 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया।अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 1,811 इकाई बेची जिससे वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में बेची गई कुल इकाई की संख्या 8,598 हो गई। प्रेस्टीज ग्रुप भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। यह कंपनी प्रमुख शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक (कार्यालय व खुदरा) और आतिथ्य परियोजनाएं बनाती है। समूह ने सितंबर 2025 तक 20.2 करोड़ वर्ग फुट में फैली 310 परियोजनाएं पूरी कीं। वर्तमान में 19.9 करोड़ वर्ग फुट में फैली 130 परियोजनाएं प्रक्रिया के विभिन्न चरण में हैं।

नगरपालिका चुनाव के लिए शेयर बाजार बंद करना गलत, यह है पूअर प्लानिंग

कामत बोले-ट्रेडिंग रोकना भारत जैसे बढ़ते ग लोबल मार्केट के लिए अच छा मैसेज नहीं

मुंबई, ।

जीरोधा के को-फाउंडर और अरबपति नितिन कामत ने गुरुवार को शेयर बाजार बंद होने पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि महाराष्ट्र के नगरपालिका चुनाव के लिए शेयर बाजार बंद करना गलत है, किसी स्‍ थानीय चुनाव की वजह से ट्रेडिंग रोकना भारत जैसे बढ़ते ग्लोबल मार्केट के लिए अच्‍ छा मैसेज नहीं है। कामत ने एक्स पर लिखा कि भारतीय एक्सचेंज इंटरनेशनल सिस्टम से जुड़े हैं, ऐसे में लोकल लेवल के चुनाव के लिए बाजार बंद करना पूअर प्लानिंग है। यह विदेशी निवेशकों के बीच भारत की गंभीरता पर सवाल खड़ा करती है।

बता दें 15 जनवरी को महाराष्‍ ट्र में नगरपालिक चुनाव हो रहा है, जिस कारण बीएसई और एनएसई में ट्रेडिंग पूरी तरह से बंद किया है। इसका मतलब है कि बीएमसी चुनाव के कारण पूरे देश में शेयर बाजार बंद किए गए हैं। कामत के मुताबिक ऐसे फैसलेन सिर्फ निवेशकों को प्रभावित करते हैं बल्कि भारत की ग्‍ लोबल निवेश में गंभीरता पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पूअर प्लानिंग और सेकेंड ऑर्डर इफैक्‍ ट की समझ की कमी दिखाता है। कामत ने तर्क दिया कि भारत एक्‍ सचेंज अब सिर्फ स्‍ थानीय प्लेटफॉर्म नहीं रहे, बल्कि ग्लोबल फाइनेंस स्‍ ट्रक्‍ चर से जुड़े हुए हैं। ऐसे में स्थानीय लेवल के चुनाव के नाम पर पूरे बाजार को बंद कर देना गलत संदेश देता है। उन्होंने मशहूर निवेशक चार्ली मंगर का कोट भी शेयर किया। कामत ने यह भी कहा

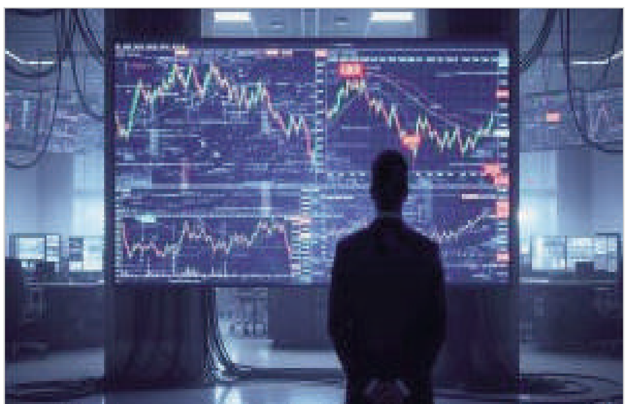

कि मार्केट इसलिए बंद है क्‍ योंकि इसे कोई रोकने वाला नहीं है।

इस कारण ऐसा सिस्टम चल रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स हमें कितना सीरियस लेते हैं, इससे अंदाजा लगाइए।

ह्यह्यउन्‍ होंने आगे कहा कि दुनिया की मार्केट स्थानीय स्‍ थानीय चुनावों या फिर आंशिक छुट्टियों के कारण बंद नहीं होती हैं।

हॉलिडे होने से ग्लोबल फंड फ्लो और इंटरनेशनल लिंक्‍ ड प्रोडक्‍ ट्स पर असर होता है।

थोक महंगाई दिसंबर में 8 महीने के उच्च स्तर पर, मुख्य महंगाई दर भी बढ़ी

- खाद्य महंगाई दर नवंबर में यह -2.6 फीसदी थी

नई दिल्ली ।

कंपनियों और कॉमर्स मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2025 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर 0.83 फीसदी दर्ज की गई, जो पिछले 8 महीनों में सबसे उच्च स्तर है। यह संकेत है कि लंबे समय से जारी अवस्फीति का दौर धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और महंगाई बढ़ने लगी है। खाद्य महंगाई दिसंबर में 0 फीसदी पर स्थिर रही, जबकि नवंबर में यह -2.6 फीसदी थी। प्राथमिक खाद्य वस्तुओं की अवस्फीति दिसंबर में -0.43 फीसदी रही, जो नवंबर के -4.16 फीसदी से कम है। सब्जियां -3.5, मोटे अनाज -1.18, दलहन -13.44 और प्याज -54.4 फीसदी रही। इसके विपरीत, धान और फलों पर महंगाई का दबाव देखा गया। इससे पता चलता है कि महंगाई के दबाव अब कुछ वस्तुओं पर धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। मुख्य महंगाई दर, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, दिसंबर में 2 फीसदी पर पहुंच गई, जो 34 महीने में उच्चतम स्तर है। एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री ने कहा कि रुपये की कमजोरी और वैश्विक कीमतों में वृद्धि मुख्य कारण हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि जनवरी 2026 में थोक खाद्य महंगाई और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि अच्छी कृषि फसल, अनुकूल आधार प्रभाव और पर्याप्त जलाशय के कारण खाद्य महंगाई पर नियंत्रण की उम्मीद है।

अपनों के भविष्य को सुरक्षित करने की राह हुई आसान

रांची/जमशेदपुरः आज के समय में लोगों का रुझान सिर्फ अपनी ज़िंदगी की ही नहीं, बल्कि अपनी बनाई हुई संपत्ति और विरासत को सही तरीके से आगे पहुँचाने की योजना बनाने पर भी तेजी से बढ़ रहा है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस लेकर आया है नया प्रोडक्ट 'आईसीआईसीआई प्रू वेल्थ फॉरएवर', जो विरासती योजना (लिगेसी प्लानिंग) को आसान, साफ और कर मुक्त बनाने में मदद करता है। यह प्रोडक्ट विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, जो चाहते हैं कि उनके बाद भी परिवार की आर्थिक सुरक्षा बनी रहे। इस प्लान की खास बात यह है कि इसमें लाइफ कवर हर महीने बढ़ता रहता है और यह बढ़ोतरी 99 साल की उम्र तक जारी रहती है। किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में, पूरी लाइफ कवर राशि नामित व्यक्ति को कर-मुक्त लाभ के रूप में मिलती है, जिससे संपत्ति का हस्तांतरण बिना किसी परेशानी के हो जाता है। यदि पॉलिसीधारक पॉलिसी अवधि तक जीवित रहते हैं, तो उन्हें चुकाई गई पूरी प्रीमियम राशि वापस कर दी जाती है। साथ ही, तीसरे पॉलिसी वर्ष के बाद निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच की सुविधा भी दी जाती है, जिससे ग्राहक अपने स्वास्थ्य पर भी नियमित ध्यान दे सकते हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ के मुख्य उत्पाद अधिकारी श्री विकास गुप्ता ने बताया कि बढ़ती आय और लंबी होती उम्र के साथ लोग अब विरासती योजना की अहमियत समझने लगे हैं। 'आईसीआईसीआई प्रू वेल्थ फॉरएवर' को इसी सोच के साथ तैयार किया गया है, ताकि अगली पीढ़ी को संपत्ति सुरक्षित और सरल तरीके से सौंपी जा सके। कंपनी की भरोसेमंद सेवा का अंदाजा वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में 99.3 प्रतिशत के मजबूत दावा निपटान अनुपात से भी मिलता है। इस प्रोडक्ट के जरिए आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ एक बार फिर परिवारों के लंबे समय के आर्थिक भरोसे का मजबूत साथी बनकर सामने आया है।

क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने हटाया 10 मिनट डिलीवरी का दावा

नई दिल्ली ।

स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और ब्लिंकइट जैसे प्रमुख क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने अपने मोबाइल ऐप और विज्ञापन से 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटाना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए, ब्लिंकइट ने अपनी टैगलाइन बदलकर '10 मिनट में 10,000 से उत्पाद से 30,000 उत्पाद आपके दरवाजे पर कर दिया। जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट ने अपने ऐप विवरण में 10 मिनट में डिलीवरी के बजाय 'मिनटों में डिलीवरी' शब्द जोड़े। बिगबास्केट और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने भी गति-संचालित संदेश हटाए हैं। हालांकि ब्रांडिंग बदल रही है, लेकिन डिलिवरी पार्टनर का कहना है कि जमीन पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। नोएडा के स्विगी इंस्टामार्ट डिलिवरी कर्मी राकेश ने कहा कि कंपनी ने उन्हें कोई औपचारिक आदेश नहीं दिया है और ऑर्डर और डिलीवरी समय-सीमा पहले की तरह ही हैं। जेप्टो के कर्मचारी भी यही पुष्टि कर रहे हैं। यूनियनों का कहना है कि वास्तविक प्रभाव तभी दिखेगा जब

ऐप और प्लेटफॉर्म्स अपने राइडर-फेसिंग ऐप और प्रोत्साहन संरचना में बदलाव लाएंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने गिग श्रमिकों की सुरक्षा और 10 मिनट डिलीवरी जैसी समय-सीमाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ब्लिंकइट, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और अन्य प्लेटफॉर्म्स के प्रतिनिधियों से बैठक की। हालांकि, अभी तक कोई औपचारिक लिखित निर्देश जारी नहीं किया गया है।

बैंक और एनबीएफसी स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें

- अस्वीकार की गई शिकायतें स्वतः आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को निर्देश दिया कि वे पूरी तरह स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें। इस प्रणाली में ग्राहक को शिकायत दर्ज करने और उसकी समीक्षा के लिए आंतरिक लोकपाल (आईओ) और उप-लोकपाल तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। इसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को तेज़, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक या एनबीएफसी द्वारा आंशिक रूप से हल या पूरी तरह अस्वीकार की गई शिकायतें स्वतः आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी। आईओ को इन शिकायतों की समीक्षा के लिए कम से कम 10 दिन दिए जाएंगे। जिन मामलों में आरबीआई, एनपीसीआई या कार्ड नेटवर्क के दिशानिर्देशों में समय-सीमा तय है, उनका समाधान उसी के अनुसार किया जाएगा। अन्य मामलों में शिकायत प्राप्ति के 20 दिन के भीतर समीक्षा पूरी करनी होगी। क्रेडिट सूचना कंपनियों से जुड़ी शिकायतों के लिए समय सीमा 25 दिन रखी गई

है। आईओ कार्यालय जनता से सीधे शिकायतें नहीं देखेगा, बल्कि केवल उन शिकायतों पर विचार करेगा जिन्हें बैंक पहले जांच चुका हो और जिन्हें आंशिक समाधान या खारिज किया गया हो। आरबीआई का यह कदम बैंकिंग क्षेत्र में ग्राहक शिकायतों के त्वरित निपटान और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ग्राहक संतुष्टि बढ़ेगी और बैंक/एनबीएफसी की जवाबदेही मजबूत होगी।

भारत की अर्थव्यवस्था बरकरार रखेगी तेज़ रफ्तार

- वर्ल्ड बैंक और डेलॉयट ने बढ़ाया ग्रोथ अनुमान

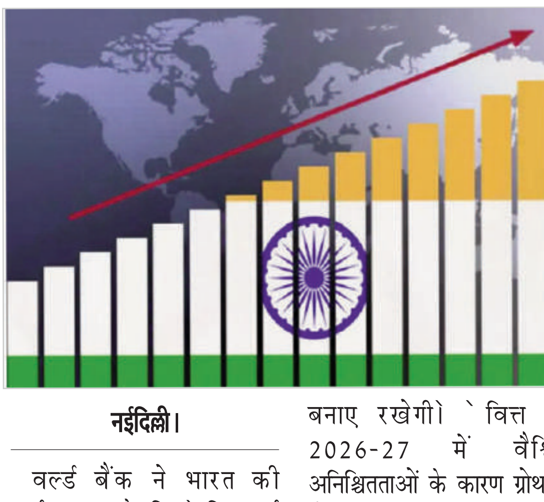

नईदिल्ली।

वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए` वित्त वर्ष 2026 का जीडीपी ग्रोथ अनुमान 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ के बावजूद मजबूत घरेलू मांग और उपभोग के बेहतर रुझान भारत की वृद्धि को प्रभावित नहीं करेंगे। ग्रामीण आय में सुधार और सरकार द्वारा किए गए टैक्स कटौती ने घरेलू खपत को मजबूती दी है। डेलॉयट ने भी भारत के लिए आशाजनक अनुमान पेश किया है। वित्त वर्ष 2026 में ग्रोथ रेट 7.5 से 7.8 फीसदी रहने का अनुमान है। एजेंसी ने कहा कि मजबूत घरेलू डिमांड और सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में मजबूती से भारत की अर्थव्यवस्था रफ्तार बनाए रखेगी। `वित्त वर्ष 2026-27 में वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ रेट थोड़ी गिरकर 6.6-6.9 फीसदी हो सकती है। डेलॉयट ने भारत के निर्यात में विविधता लाने वाली नई फ्री ट्रेड डील्स को आर्थिक मजबूती का एक कारण बताया। भारत ने ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ समझौते किए हैं, जबकि इजराइल के साथ व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार करने की बातचीत जारी है। वैश्विक व्यापार तनाव, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत बदलाव और अस्थिर कैश फ्लो जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं, लेकिन घरेलू सुधार और त्योहारी मांग ने पॉजिटिव आउटलुक को बल दिया है। भारत नॉमिनल जीडीपी में 8त्र की वृद्धि के साथ` वित्त वर्ष 2026 में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

तेल कंपनियों का तीसरी तिमाही में प्रदर्शन मजबूत रहने की

पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर प्र ति बैरल था

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में भारत की प्रमुख तेलशोधन और विपणन कंपनियों का प्रदर्शन मजबूत रहने की उम्मीद है। सरकारी तेल कंपनियों का जीआरएम इस तिमाही 10 से 13 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना है, जबकि पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर था। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का जीआरएम 13.4 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 10.4 डॉलर था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने के कारण पेट्रोल और डीजल जैसे रिफाइंड उत्पादों पर विपणन मुनाफा भी बढ़ा। इस तिमाही में औसत मुनाफा पेट्रोल के लिए 7.38 रुपये और डीजल के लिए 5.25 रुपये प्रति लीटर रहा। ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 63.1 डॉलर प्रति बैरल रही, जो सालाना आधार पर 10.9 डॉलर और तिमाही आधार पर 5 डॉलर कम है। तेल उत्पादों की घरेलू खपत बढ़ने से कंपनियों की बिक्री मजबूत रही। एलपीजी सिलिंडर की बिक्री पर हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने 3 सरकारी तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये का मुआवजा मंजूर किया है। इससे तेल कंपनियों के प्रदर्शन को और समर्थन मिलेगा।

राष्ट्रीय स्कूली ट्रैक साइक्लिंग में झारखंड के खिलाड़ियों ने जीता दो स्वर्ण सहित तीन पदक

बिभा संवाददाता

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की मेजबानी में आयोजित 69 वीं राष्ट्रीय स्कूली ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता का गुरुवार को खेलगांव स्थित सिद्धो-कान्होस वेलोड्रोम स्टेडियम में शुभारंभ किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करें और भविष्य में राज्य और देश का नाम रौशन करें। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में झारखंड में खेल आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हुआ है और जिला प्रशासन खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग प्रदान देता रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का भी सशक्त माध्यम है।
इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, रांची कुमार रजत, झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव मधुकांत पाठक, एथलेटिक संघ के एसके पांडेय, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र सिंह, सुरेश कुमार, शैलेंद्र पाठक, सुरजीत सिंह सहित कई गणमान्य

अतिथि उपस्थित थे। सभी अतिथियों का स्वागत राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव धीरसेन ए सोरेंग किया।

मणिपुर के पोइरेंगानबा चानमबाम ने जीता स्वर्ण

गुरुवार को हुए साइकिलिंग ट्रैक प्रतियोगिता के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न आयु वर्गों की आईटीटी स्पधाओं में देशभर के प्रतिभाशाली साइकिलिस्टों ने अपनी उत्कृष्ट क्षमता का परिचय दिया। इसमें आईटीटी 500 मीटर (बालक अंडरझ्14) वर्ग में मणिपुर के पोइरेंगानबा चानमबाम ने स्वर्ण, मणिपुर के मयेंगबाम हेंथोई सिंह ने रजत एवं राजस्थान के अभिनव बिश्नोई ने कांस्य पदक जीता।
आईटीटी 500 मीटर (बालक अंडरझ्17) वर्ग में दिल्ली के नरेंगमाम मैक्सन सिंह ने स्वर्ण, मणिपुर के युमनाम सुशील सिंह ने रजत और अंडमान एवं निकोबार के लियोनाल्ड बैकर ने कांस्य पदक प्राप्त किया।
आईटीटी 500 मीटर (बालिका अंडरझ्17) वर्ग में अंडमान और निकोबार की नमिता वॉयलेट ने स्वर्ण, महाराष्ट्र की गायत्री चंद्रशेखर तंबवेकर ने रजत एवं अंडमान तथा निकोबार की आईएस ब्रिडनी ने कांस्य पदक जीता।
आईटीटी 500 मीटर (बालिका अंडरझ्19) वर्ग में झारखंड की सबिना कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया। इस स्पर्धा में अंडमान एवं निकोबार की ब्रिटनी को रजत और पंजाब की प्रभजोत कौर बेहनीवाल को कांस्य पदक मिला।
आईटीटी 1000 मीटर (बालक अंडरझ्19) वर्ग में झारखंड के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। बिकाश उरांव ने स्वर्ण और नारायण महतो ने रजत पदक जीतकर राज्य का नाम रौशन किया, जबकि पंजाब के अरशदीप सिंह को कांस्य पदक प्राप्त हुआ।
इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासकीय पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेदी सहित अन्य अधिकारियों ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में 17 जनवरी को झारखंड बंद का आह्वान

बिभा संवाददाता

खूंटी। पड़हा राजा एवं अबुआ झारखंड पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सोम मुंडा की हत्या के विरोध में आदिवासी संगठनों द्वारा 17 जनवरी को संपूर्ण झारखंड बंद का आह्वान किया गया है । यह बंद हत्या के आठ दिनों बाद भी हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता और शूटरों को पकड़ने में पुलिस प्रशासन की विफलता के विरोध में बुलाया गया है। बंद का आह्वान आदिवासी समन्वय समिति (खूंटी) सहित लगभग 30 आदिवासी संगठनों ने संयुक्त रूप से किया है।
इस संबंध में आदिवासी समन्वय समिति द्वारा गुरुवार को खूंटी के करम अखरा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी वर्ग के लोगों से प्रस्तावित झारखंड बंद में सहयोग करने की अपील की गई। बताया गया कि बंद से स्कूल, अस्पताल, दवा दुकान समेत अन्य आवश्यक सेवाओं को मुक्त रखा गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आदिवासी समन्वय समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रभात मुंडा ने कहा कि जल जंगल जमीन एवं आदिवासी समाज के लिए जीवन भर संघर्ष करने वाले पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या से आदिवासी समाज के साथ ही सामाजिक व्यवस्था को गहरा आघात लगा है। आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक मार्शल बारला ने भी हत्याकांड के बाद अब तक पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हत्याकांड के आठ दिन बाद भी मुख्य साजिशकर्ता और शूटरों की गिरफ्तारी ना होना पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मामले की लीपापोती करने की कोशिश की गई तो तीव्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। बताया गया कि बंद से पूर्व शुक्रवार शाम खूंटी में भगत सिंह चौक से नेताजी चौक तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक महादेव मुंडा, दुर्गावती ओड़ेया, जॉनसन होरो, चार्ल्स पाहन, बाहा लिंडा समेत आदिवासी संगठनों के अन्य लोग शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 को दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का करेंगे शुभारंभ

आसनसोल: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 18 जनवरी 2026 को दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों–हावड़ा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस तथा सियालदह-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस–का शुभारंभ करेंगे। इन सेवाओं की शुरूआत से अंतर-राज्यीय लंबी दूरी की रेल संपर्क व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा यात्रियों को आरामदायक और किफायती यात्रा का विकल्प मिलेगा। अमृत भारत एक्सप्रेस एक नई पीढ़ी की ट्रेन है, जिसे किफायती, सुरक्षित एवं विश्वसनीय लंबी दूरी की यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इन ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा, आराम और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने हेतु आधुनिक एवं अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। दोनों अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की नियमित सेवाओं के लिए बुकिंग यात्रियों के लिए खोल दी गई है। ट्रेन संख्या 13065 हावड़ा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक गुरुवार को रात 23:10 बजे हावड़ा से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 02:50 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 13066 आनंद विहार-हावड़ा अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को सुबह 05:15 बजे आनंद विहार से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 10:50 बजे हावड़ा पहुंचेगी। यह ट्रेन आसनसोल मंडल के अंतर्गत आसनसोल एवं दुर्गापुर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहराव करेगी। ट्रेन में यात्रियों के लिए सामान्य द्वितीय श्रेणी एवं शयनयान श्रेणी की सुविधा उपलब्ध होगी। ट्रेन संख्या 22587 सियालदह-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को शाम 19:30 बजे सियालदह से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 07:20 बजे बनारस पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 22588 बनारस-सियालदह अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार को रात 22:10 बजे बनारस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 09:55 बजे सियालदह पहुंचेगी। यह ट्रेन आसनसोल मंडल के अंतर्गत जसीडीह, मधुपुर, आसनसोल एवं दुर्गापुर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहराव करेगी। इस ट्रेन में भी सामान्य द्वितीय श्रेणी एवं शयनयान श्रेणी की सुविधा उपलब्ध होगी। आसनसोल मंडल होकर चलने वाली इन दोनों अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत से मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं बड़े शहरों के बीच रेल संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा यात्रियों को किफायती एवं आरामदायक यात्रा का लाभ मिलेगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ स्वागत

रांची : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका के रांची पधारने पर रांची एयरपोर्ट में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका 16 जनवरी से मारवाड़ी भवन में आयोजित मारवाड़ महोत्सव के उद्घाटन सत्र में, तथा 17 जनवरी को प्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष को स्वागत व अभिनंदन करने वालों में- झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, संयुक्त महामंत्री कौशल राजगढ़िया, कोषाध्यक्ष मनोज चौधरी, रांची जिला अध्यक्ष सज्जन पाड़िया, महामंत्री निर्मल बुधिया, मारवाड़ी सहायक समिति के पूर्व अध्यक्ष अशोक नारसरिया, पूर्व महामंत्री रमण वोडा आदि शामिल थे।उक्त जानकारी झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

मकर संक्रांति पर महाप्रभु जगन्नाथ को लगा तिल, चूड़ा और दही का भोग

रांची। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर में गुरुवार को मकर संक्रांति महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सबसे पहले तड़के 03 सुबह बजे मंदिर का पट खोला गया। इसके बाद महाप्रभु जगन्नाकथ की मंगल आरती हुई और बाल भोग प्रसाद चढ़ाया गया। साथ ही विष्णु अष्टकम का पाठ किया गया। इसके बाद सुबह 6:30 बजे से आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन पूजन शुरू किया गया। सुबह से श्रद्धालु मंदिर में आने लगे और महाप्रभु के दर्शन पूजन करने के बाद गरीबों के बीच दान भी किया। जगन्नाथ मंदिर न्यास समिति की ओर से महाप्रभु को तिल,चूड़ा,दही,गुड़, तिलकुट का भोग अर्पण किया गया और दोपहर 12 बजे महाप्रभु को गंज भोग खिचड़ी,सब्जी और खीर का भोग लगाया गया। इस अवसर पर मंदिर न्यास समिति की ओर से हजारों आम श्रद्धालु के बीच महाभोग तिलकूट, चूड़ा, दही और खिचड़ी, सब्जी, खीर का वितरण किया गया। महाप्रभु का विशेष पूजा अनुष्ठान मंदिर के पुजारी रामेश्वर पाढ़ी, सरयू नाथ मिश्रा, मदनमोहन पाढ़ी, श्रीराम महंती, कुस्तुबधार मिश्रा,अश्वनी नाथ मिश्रा और गणेश पाढी सहित अन्य आचार्यों ने संपन्न कराया। पूजन कार्यक्रम में मंदिर न्यास समिति के उपाध्यक्ष अशोक नरसरिया,सचिव मिथिलेश कुमार,प्रथम सेवक सेवईत ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, उच्च न्यायालय झारखंड के पूर्व न्यायाधीश एसएन पाठक, विरेन्द्र त्रिपाठी सहित अन्य ने उपस्थित होकर महाप्रभु की पूजा अर्चना की।

आइआइएम रायपुर और टाटा स्टील फाउंडेशन के बीच सामाजिक प्रभाव और समावेशी विकास के लिए हुई साझेदारी

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/रायपुर/रांची : शैक्षणिक कक्षाओं को समुदायों के और निकट लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) रायपुर और टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) ने सामाजिक प्रभाव, जन नीति, सस्टेनेबिलिटी और समावेशी विकास के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं. यह साझेदारी अनुभवात्मक सीख, ज्ञान सृजन और क्षमता निर्माण के माध्यम से विद्यार्थियों, पेशेवरों और विकास क्षेत्र के कार्यकताओं के लिए शिक्षा, अनुसंधान और व्यवहार को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखती है. आइआइएम रायपुर एक अग्रणी सार्वजनिक प्रबंधन संस्थान है, जबकि टाटा स्टील फाउंडेशन, टाटा स्टील की सामाजिक विकास इकाई है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है. यह साझेदारी टाटा स्टील फाउंडेशन और आइआइएम रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर और उसके आदानझ्प्रदान के साथ औपचारिक रूप से स्थापित हुई.
इस अवसर पर डायरेक्टर इनचार्ज डॉ

संजीव प्रशर, एकेडमिक डीन डॉ सरोज पानी, स्ट्रैटेजी के एरिया चेयर डॉ नवनीत भटनागर, एमएसआई टीम से डॉ राहुल हिरेमथ, डॉ सुनीता एस और डॉ संदीप एस, टाटा स्टील फाउंडेशन के सीइओ सौरव रॉय तथा जन नीति और अनुसंधान के परामर्शदाता डॉ विनायक किशोर उपस्थित थे. सहयोग के तहत, दोनों संस्थान संयुक्त रूप से पाठ्यक्रमों, इमर्सिव लर्निंग कार्यक्रमों और सामुदायिक सहभागिता पहलों का सह-निर्माण करेंगे. यह साझेदारी संयुक्त अनुसंधान, ज्ञान उत्पादों तथा ऐसे प्लेटफॉर्म पर भी केंद्रित होगी, जो आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाएं. एमओयू का एक प्रमुख घटक ह्यउनुरुम झ सोशल इमर्शन प्रोग्रामह्ल है, जिसके माध्यम से आइआइएम रायपुर के छात्रों को जमीनी स्तर पर विकास कार्यों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होगा. यह सहयोग सतत ज्ञान आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करता है, जिसके अंतर्गत दोनों संस्थान अपनी विशेषज्ञता साझा कर एक-दूसरे की क्षमताओं को सुदृढ़ करेंगे.
टाटा स्टील फाउंडेशन ने वर्षों के दौरान एक्सएलआरआइ जमशेदपुर, आईआईएम रांची, आइआइएम रायपुर और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद जैसे शैक्षणिक संस्थानों के साथ कई बौद्धिक सहयोग किए हैं. इन साझेदारियों के तहत अब टीएसएफ के पेशेवर सामाजिक प्रभाव, जन नीति, प्रबंधन, रणनीति सहित अन्य विषयों से जुड़े लक्षित शैक्षणिक और ज्ञान-आधारित कार्यक्रमों व सामग्री के सह-निर्माण और सह-प्रस्तुति में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं. इस अवसर पर आइआइएम रायपुर के निदेशक डॉ संजीव प्रशर ने कहा कि इस सहयोग के माध्यम से हमारा उद्देश्य भविष्य के लीडर्स को समाज की वास्तविकताओं के प्रति संवेदनशील बनाना, समुदायों के साथ सार्थक जुड़ाव को प्रोत्साहित करना और आर्थिक लक्ष्यों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन स्थापित करने वाली निर्णय प्रक्रिया को विकसित करना है.
ऐसे प्रयास नैतिक मूल्यों पर आधारित और विकासोन्मुख नेतृत्व को आकार देने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं. अपने विचार साझा करते हुए टाटा स्टील फाउंडेशन के सीईओ सौरव रॉय ने कहा कि आइआइएम रायपुर के साथ यह सहयोग नेतृत्व और प्रबंधन शिक्षा में सामाजिक दृष्टिकोण को समाहित करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है. शैक्षणिक गहराई और जमीनी अनुभव को एक साथ लाकर हम सार्थक सीखने की यात्राएँ तैयार करना, प्रासंगिक ज्ञान सृजित करना और जमीनी वास्तविकताओं से जुड़े भविष्य के लीडर्स को तैयार करना चाहते हैं. आने वाले समय में यह साझेदारी मजबूत प्रभावी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण, सहयोगात्मक शोध को प्रोत्साहित करने और समावेशी विकास में योगदान देने वाले शिक्षण मॉडलों के विस्तार में सहायक होगी. इस साझेदारी के माध्यम से आइआइएम रायपुर और टाटा स्टील फाउंडेशन का उद्देश्य शैक्षणिक अध्ययन को जमीनी स्तर की व्यवहारिक समझ से जोड़ते हुए सामाजिक चुनौतियों का समाधान करना और समावेशी विकास को समर्थन देना है.

7वीं झारखंड राज्य वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन आज

बिभा संवाददाता

रांची: 7वीं झारखंड राज्य वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन कल मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रांची स्थित वेटलिफ्टिंग हॉल में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी भाग लेंगे।
इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर चयनित खिलाड़ी मोदीनगर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।
इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ निशिकांत पाठक ने बताया कि प्रतियोगिता की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता के सुचारु एवं निष्पक्ष संचालन के लिए अनुभवी तकनीकी पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है।
डॉ पाठक ने बताया कि यह प्रतियोगिता राज्य में वेटलिफ्टिंग खेल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का अवसर प्रदान करेगी।

आईएमडी ने 151 साल पूरे किए, रांची और दिल्ली में कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची : भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की सेवा के सफलतम 151 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में मौसम केंद्र, राँची में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौसम केंद्र, राँची द्वारा दी जा रही सेवाओं जैसे कि मौसम पूर्वानुमान, भारी बारिश, ओला, ठंड और गर्मी की लहरें, धूल भरी आंधी, नॉरवेस्टर्स, बर्फ, उष्णकटिबंधीय चक्रवातों इत्यादि की जानकारी और चेतावनी के साथ-साथ विमानन, कृषि, सिंचाई, नौवहन, अपतटीय तेल अन्वेषण जैसी सेवाओं के सफल संचालन हेतु दी जा रही मौसम पूर्वानुमान और चेतावनी पर विस्तृत चर्चा की गई
अभिषेक आनंद, वैज्ञानिक-डी तथा केंद्र-प्रमुख ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम सुरेन्द्र नाथ सेंटेनरी विद्यालय से आये लगभग 50 बच्चों को मौसम विज्ञान केंद्र, राँची के विभिन्न क्रियाकलापों से अवगत करायो उन्हें विभाग के विभिन्न एप्प दामिनी, सचेत, मेघदूत, मौसम इत्यादि के बारे में अवगत कराया और इसका प्रयोग करने की सलाह दी। साथ ही बच्चों ने विभिन्न मौसमीय उपकरणों (स्वचालित मौसम संयंत्र, रेडियो सोंडे इत्यादि) तथा सतही प्रेक्षण वेधशाला जाकर डेमोंसट्रेशन देखा और विभाग के कार्य-पद्धति से अवगत हुऐ बच्चों की उत्सुकता व कौतुहल को देखते हुए एक क्विज प्रतियोगता का भी आयोजन किया गया और पुरस्कार वितरित किये गये शहर के आम जनमानस ने भी इसमें खूब रूचि दिखाई।
भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की सेवा के सफलतम 151 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में मुख्य कार्यक्रम हमारे मुख्यालय नई दिल्ली में आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि विज्ञान एवं प्रौधोगिकी मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह थे।

गौ तस्करी मामले में चार तस्कर गिरफ्तार, 102 गौवंश बरामद

खूंटी। खूंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत मान्हू गांव में गौ तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। गांव की एक चहारदीवारी परिसर में बड़ी संख्या में गौवंश को संदिग्ध हालात में बंद कर रखे जाने की सूचना पर पुलिस ने गुरुवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और 102 गौवंश को बरामद किया। इस दौरान चार गौ तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों ने मान्हू गांव में एक चहारदीवारी परिसर के भीतर गौवंश को अवैध रूप से रखे जाने की सूचना खूंटी थाना को दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और परिसर की घेराबंदी कर तलाशी ली। पुलिस के पहुंचते ही चहारदीवारी के अंदर बड़ी संख्या में गौवंश बंद अवस्था में पाए गए, जिससे गौ तस्करी की आशंका प्रबल हो गई। पुलिस ने मौके से चार संदिग्ध गौ तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में मजबूल चौधरी, कासिम अंसारी, जियाउल चौधरी और गुलफाम अंसारी शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गौवंश को अवैध रूप से एकत्र कर कहीं और ले जाने की योजना थी। हालांकि, पुलिस इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच में जुटी हुई है। खूंटी पुलिस के अनुसार, बरामद सभी 102 गौवंश को फिलहाल सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। उनके चारे-पानी एवं समुचित देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। पशुपालन विभाग और संबंधित संगठनों को भी मामले की सूचना दे दी गई है, ताकि गौवंश के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जा सके।

एसबीयू में युवा कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय में 'माय भारत' पहल के अंतर्गत यूथ आइकॉन टॉक का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूथ आइकॉन श्वेता सिंह ने वंदे मातरम - विकसित भारत 2047 के लिए सभ्यतागत मंत्र विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने उन्हें राष्ट्रीय मूल्यों को अपनाने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा सामाजिक दायित्वों के प्रति सजग

रहने के लिए प्रेरित किया। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के कथन, सपने विचारों में बदलते हैं और विचार कर्म में का जिक्र करते हुए युवाओं को उन्होंने ईमानदारी, नवाचार और संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। युवाओं को बड़े सपने देखने और उद्देश्यपूर्ण कार्य करने की उपयोगिता पर भी उन्होंने सारगर्भित बातें कहीं।
कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने विचार और जिज्ञासाओं को साझा किया।
कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, माननीय कुलपति डॉ. सी. जगनाथन समेत विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, अन्यान्य शिक्षकगण एवं एसबीयू के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूर्व सैनिक, वीरांगना और आश्रित कल्याण पोर्टल लॉन्च

प्रयागराज। भारतीय सेना ने नम्रत्वम वीरांगना और पूर्व सैनिक सुविधा केंद्र का शुभारम्भ किया गया। बीते बुधवार को 10वें भारतीय सशस्त्र बल दिवस के उपलक्ष्य में झारखंड और बिहार सब एरिया ने पटना में अत्याधुनिक वीरांगना और पूर्व सैनिक सुविधा केंद्र नम्रत्वम राष्ट्र को समर्पित किया, जो कल्याण और शिकायत निवारण के लिए एक सिंगल विंडो सुविधा उपलब्ध होगी।
इस अवसर पर स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया पूर्व सैनिक, वीरांगना और आश्रित कल्याण पोर्टल भी लॉन्च किया गया, जो ECHS से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है।
GOC-in-C मध्य कमान, लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत,

GOC मध्य भारत एरिया की उपस्थिति में मुख्यालय झारखंड और बिहार सब एरिया परिसर में राष्ट्र को समर्पित किया।
नम्रत्वम में, वीरांगनाएं और पूर्व सैनिक पेंशन और दस्तावेजीकरण, ECHS CSD, कल्याण और पुनर्वास, नीतियों और हकों पर मार्गदर्शन सहित कई मामलों में सहायता प्राप्त कर सकते हैं।
इसमें एक कॉमन सर्विस सेंटर नमन भी है जो पेंशन (SPARSH) से संबंधित मामलों के लिए मुफ्त सेवाएं प्रदान करता है। साथ ही सभी केंद्र सरकार की ई-गवर्नेंस योजनाओं तक पहुंच प्रदान करता है।
इस सुविधा में भारतीय सेना पूर्व सैनिक निदेशालय (DIAV), IHQ MoD के तहत वीरांगना और पूर्व सैनिक सेवा केंद्र (VSK+) का पहला सैटेलाइट स्टेशन भी है। यह एक डिजिटल टेली कॉल सेंटर के रूप में कार्य करता है, जो जानकारी प्रदान करने का कार्य करता है। शिकायतों को पंजीकृत करता है और उनका समाधान करता है। हितधारक शिकायतों की स्थिति की निगरानी कर सकते हैं और उन्हें रटर और ई-मेल के माध्यम से नियमित स्थिति अपडेट प्राप्त कर सकेंगे।
यह विभिन्न हितधारकों जैसे रिकॉर्ड कार्यालय, ECHS, AWWA कैंटीन सेवाएं, कर्नल पूर्व सैनिक और PCDA में संपर्क अधिकारी और केंद्रीय सैनिक बोर्ड (KSB), राज्य सैनिक बोर्ड (RSB) और जिला सैनिक बोर्ड (ZSB) जैसे गैर-सैन्य हितधारकों को एक सामान्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सहज रूप से जोड़ने के लिए डिजिटल तकनीक का लाभ उठाता है। जल्द ही RSB बिहार VSK नेटवर्क से जुड़ने जा रहा है।
लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता द्वारा ऑनलाइन कल्याण वेबसाइट jbsa-welfare.rcil.gov.in का भी उद्घाटन किया गया। सेंट्रल कमांड जो झारखंड और बिहार राज्य में RC ECHS, पॉलीक्लिनिक, पैनल में शामिल अस्पतालों, डायग्नोस्टिक सेंटर, CSD और CSD एक्सटेंशन काउंटर, राज्य और जिला सैनिक बोर्ड का पूरा आर्किटेक्चर प्रदान करता है। यह ऑटोमेटेड सिस्टम स्टेशन मुख्यालय के माध्यम से RC ECHS और पॉलीक्लिनिक के प्रशासनिक कामकाज में भी मदद करेगा।
नम्रत्वम कॉम्प्लेक्स की स्थापना पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण, गरिमा और भलाई के प्रति सशस्त्र बलों की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह प्रशासनिक एकीकरण और डिजिटल सक्षमता का लाभ उठाकर अनुभवी सैनिकों की सेवाओं को अधिक सुलभ और उत्तरदायी बनाने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप लांच किया गया है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाष: 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com